लहर

8

Free distribution by Samagra Shiksha, Government of Andhra Pradesh

Q9B7F1

लहर

द्वितीय भाषा - हिंदी

आठवीं कक्षा की पाठ्य-पुस्तक

पाठ्य-पुस्तक विकास एवं प्रकाशन समिति

श्री यस. सुरेश कुमार I.A.S
कमीशनर, पाठशाला शिक्षा, आंध्र प्रदेश

श्रीमती के. वेट्रिसेल्वी I.A.S
राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, आंध्र प्रदेश

डॉ. बी. प्रताप रेड्डी M.A., B.Ed., Ph.D
निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, आंध्र प्रदेश

श्री. रवींद्रनाध रेड्डी M.A., B.Ed
निदेशक, सरकारी पाठ्य पुस्तक प्रेस, आंध्र प्रदेश

समन्वयक

डॉ. जी. केशव रेड्डी
Prof. C & T, SCERT, AP

श्रीमती वी. स्वर्णलता
Lecturer C & T, SCERT, AP

संपादक मंडल

प्रोफेसर आर.एस.सर्राजु
हिंदी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद

डॉ. ओरुगंटी सीताराम मूर्ती
विश्रांत प्राचार्य, बी.वी.के कॉलेज, विशाखपट्टणम

डॉ. पेरिसेट्टि श्रीनिवास राव
वरिष्ट सहायक प्रोफेसर, द.भा.हिं.प्र.सभा, मद्रास

डॉ. पसुपुलेटी हरिराम प्रसाद
हिंदी विभागाध्यक्ष, शासकीय महाविद्यालय, काकिनाडा

श्री ए. मल्लेश्वर राव I.B.S
विश्रांत स्टेशन निदेशक, तिरुपति

ए. मालती रुक्मिणी
प्रवक्ता, द.भा.हिं.प्र.सभा,बी.एड. कालेज, विजयवाडा

सह-संपादक मंडल

एलूरि बेबी राणी
विश्रांत पाठशाला सहायक, कृष्णा जिला

श्री वी. पुल्लय्या
विश्रांत पाठशाला सहायक, वै.यस.आर.कडपा जिला

स्वीकृति

डॉ. सी. जय शंकर बाबू
विभागाध्यक्ष,हिंदी विभाग, पांडिच्चेरि विश्वविद्यालय

डॉ. [illegible]
क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद

आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित, अमरावती

© Government of Andhra Pradesh, Amaravati.

New Impressions - 2022

All rights reserved.

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means without the prior permission in writing of the publisher, nor be otherwise circulated in any form of binding or cover other than that in which it is published and without a similar condition including this condition being imposed on the subsequent purchaser.

The copyright holder of this book is the Director, State Council of Educational Research and Training, Amaravati, Andhra Pradesh.

This Book has been printed on 70 G.S.M. SS Maplitho
Title Page 200 G.S.M. White Art Card

समग्र शिक्षा आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा निःशुल्क वितरण

Printed in India
at the Andhra Pradesh Govt. Text Book Press,
Amaravati,
Andhra Pradesh.

— o —

आमुख

आंध्र प्रदेश सरकार की शिक्षा नीति में त्रिभाषा सूत्र का प्रमुख स्थान है। इसके अनुरूप राज्य की पाठ्य पुस्तकों का निर्माण किया जाता है। राज्य की पाठशालाओं में छठवीं कक्षा से द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी पढ़ाया जाता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 को हमारे राज्य में लागू करने के कारण नवीन पाठ्य पुस्तक का निर्माण किया जा रहा है। इसके अनुरूप आठवीं कक्षा की पाठ्य पुस्तक तैयार की गयी है।

आठवीं कक्षा के स्तर पर बालकों की आयु प्रायः बारह-तेरह वर्ष की होती है। इस स्तर के बालक अपनी मातृभाषा के साथ-साथ अंग्रेज़ी और हिंदी भाषाओं का भी थोड़ा-सा ज्ञान रखते हैं। इस आयु के बालक अपने अड़ोस-पड़ोस, टी.वी. सिनेमा आदि के द्वारा हिंदी भाषा की शब्दावली का परिचय प्राप्त करते हैं। इस महत्वपूर्ण अंश को ध्यान में रखकर पाठों को तैयार किया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 इक्कीसवीं शताब्दी की पहली शिक्षा नीति है, जिसके लक्ष्य हमारे देश के विकास के लिए अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा करना है। इसका और एक मुख्य उद्देश्य गुणवत्ता शिक्षा उपलब्ध करना भी है। NATIONAL EDUCATION POLICY - 2020 के चौथे अध्याय में अधिगम प्रक्रिया के संदर्भ में बताया गया है कि अधिगम समग्र, एकीकृत, आनंददायी और रुचिकर होना चाहिए। इस बात को ध्यान में रखकर आंध्र प्रदेश सरकार नवीन पाठ्य पुस्तकों का निर्माण कर रही है।

इस पाठ्य पुस्तक में कविताएँ , कहानियाँ, वार्तालाप, आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, पत्र-लेखन आदि विधाओं के पाठों के साथ-साथ पठन हेतु पाठ भी दिये गये हैं। इससे बालक को पठन-पाठन का कार्य आनंददायी और रुचिपूर्ण लगेगा। पाठों के माध्यम से प्राप्त कौशलों को विस्तृत और स्थायी बनाने के लिए 'क्या आप जानते हैं ? 'जैसे अंश जोड़कर अधिगम को और भी रुचिपूर्ण बनाया गया है। पठन अंशों को बालक के व्यवहारिक जीवन से जोड़ा गया है। सोच-समझकर उत्तर देना, निष्कर्ष निकालना, नवीन ज्ञान को पूर्व ज्ञान से जोड़ना - जैसे अभ्यास कार्यों से बालक को सृजनशील बनने के भरपूर अवसर दिये गये हैं। प्रत्येक पाठ को अधिगम के बुनियादी अंशों को जोड़कर विकसित किया गया है। बालकों के अर्जित ज्ञान के आधार पर नवीन अंशों का परिचय करवाया गया है। अभ्यास कार्य सहज और व्यवहारिक रूप से भाषार्जन प्राप्त करने में सहायक हैं।

समाज का विकास और उत्तम लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए उत्तम शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री महोदय श्री जगनमोहन रेड्डी जी, शिक्षा मंत्री महोदय श्री आदिमूलपु सुरेश जी हमारे राज्य में गुणवत्ता शिक्षा को लागू करने के लिए कटिबद्ध हैं। इन दोनों को बहुत-बहुत धन्यवाद। पाठ्य पुस्तक की तैयारी में अपनी अमूल्य सूचनाएँ देते हुए, समय-समय पर समीक्षा करते हुए हमें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करनेवाले पाठशाला शिक्षा कमीशनर श्री एस.सुरेश कुमार आइ.ए.एस. जी को राज्य परियोजना निदेशक (समग्र शिक्षा) अंग्रेजी माध्यम की विशेष अधिकारिणी श्रीमति वेट्रिसेल्वी आइ.ए.एस जी को बहुत-बहुत धन्यवाद।

डॉ सी. जयशंकर बाबू पांडिचेरि विश्वविद्यालय और डॉ गंगाधर वानोडे, केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद ने आवश्यक सूचनाएँ देकर हमें मार्गदर्शन दिये। हम उनके प्रति आभार प्रकट करते हैं।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, आंध्र प्रदेश उन समस्त रचनाकारों के प्रति आभार व्यक्त करता है, जिनकी रचनाएँ पुस्तक में शामिल की गयी हैं। रचनाओं के प्रकाशनार्थ अनुमति देने के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली तथा अन्य सभी राज्य परिषदों के सहयोग से इस पुस्तक को एक साकार रूप मिला है, उनके प्रति हम आभार प्रकट करते हैं। इसके निर्माण में सहयोग देने के लिए सभी जिला शिक्षाधिकारियों एवं प्रधानाध्यापकों को धन्यवाद। इस पाठ्य पुस्तक के विकास के लिए भाषाविदों, अध्यापकों, अभिभावकों और छात्रों के सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
आंध्र प्रदेश, अमरावति

विषय समन्वयक

श्रीमती चेगारी. मेरी

पाठ्यक्रम व पाठ्य-पुस्तक विभाग

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, आंध्र प्रदेश

विषय सह-समन्वयक

दंडे पॉल, Faculty
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, आंध्र प्रदेश

डॉ. टी. पदूमावती, Faculty
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, आंध्र प्रदेश

सहभागी गण

मोगल खाजा हुस्सेन
राज्य संसाधक, जि.प.उ. पाठशाला
नागिरेड्डिपल्ली, वै.एस.आर कडपा जिला

चिंता मारुती सुधाकर
राज्य संसाधक, एम.पी.यू.पी. पाठशाला
रेड्डिपल्ली, अनंतपुरम जिला

यस. लता
राज्य संसाधक,जि.प.उ.पाठशाला (बाईस)
वेंपल्ली, वै.एस.आर कडपा जिला

के. ख़ादिर बाषा
राज्य संसाधक, जि.प.उ.पाठशाला
कोंडकमरला, अनंतपुरम जिला

शेख अब्दुल खादर
राज्य संसाधक, जि.प.उ.पाठशाला
कावूरु, गुंटूर जिला

जी. राधिका
राज्य संसाधक, जि.प.उ. पाठशाला
गुर्ज्जंगिवलसा, विजयनगरम जिला

डी. हर्ष वर्धन
राज्य संसाधक, ए.पी.मॉडल स्कूल
रेड्डिवारिपल्ली, चित्तूर जिला

एम. वी.वी. एन. बलराम मूर्ति
राज्य संसाधक, जि.प.उ. पाठशाला
बल्लिपाडु, पश्चिम गोदावरी जिला

कोडूरु लक्ष्मी नारायणा
राज्य संसाधक, जि.प.उ.पाठशाला
इंदुपल्ली, कृष्णा जिला

इम्मीडिशेट्टी संतोष कुमार
राज्य संसाधक, जि.प.उ.पाठशाला
सुंदरापुरम, श्रीकाकुलम जिला

कोक्किलिगड्डा सुब्बाराव
राज्य संसाधक, जि.प.उ.पाठशाला
पेटेरू, गुंटूर जिला

टी.एस.वी.प्रसादराव
राज्य संसाधक, जि.प.उ.पाठशाला
ताटिटूरू, विशाखपट्टणम जिला

मुहम्मद ताहेर पाषा
राज्य संसाधक, जि.प.उ.पाठशाला
अंतर्वेदीपालेम, पूर्व गोदावरी जिला

डॉ. एस. नाग मल्लीश्वरी
राज्य संसाधक, एम.पी.यू.पी.पाठशाला
[illegible]डप्पम, नेल्लूर जिला

ई. रमादेवी
राज्य संसाधक, एस.सी.बी.एम.उ.पाठशाला
पालकोल, पश्चिम गोदावरी जिला

जी. प्रमीला राणी
राज्य संसाधक, जि.प.उ.पाठशाला
जी.दोंतमूरू, पूर्व गोदावरी जिला

[illegible] लता बाई
राज्य [illegible], जि.प.उ.पाठशाला
[illegible], कर्नूल जिला

वेलमकन्नि पार्वती
राज्य संसाधक, बी.आर.अम्बेड्कर गुरुकुलम
कुंटामुक्कला, कृष्णा जिला

ए.वी. कृष्णय्या
राज्य संसाधक, एम.जे.पी.ए.पी.बि.सी.डब्ल्यू.आर.स्कूल(गर्ल्स)
नरसापुरम, पश्चिम गोदावरी जिला

[illegible]रि हेमंतु
राज्य संसाधक, एम.जे.[illegible].ए.पी.बि.सी.डब्ल्यू.आर.स्कूल(बाईस)
अंपोलु, श्रीकाकुलम जिला

चित्रांकन

मंडली लक्ष्मण बाबु
राज्य संसाधक, जि.प.उ.पाठशाला
निडमनूरु, कृष्णा जिला

ताडी कालिदास
राज्य संसाधक, जि.प.उ.पाठशाला
वेपगुंटा, विशाखपट्टणम जिला

मानुकोंडा राजेंद्र बाबु
राज्य संसाधक, जि.प.उ.पाठशाला
बोंडाडा, पश्चिम गोदावरी जिला

के.वी. सांबशिवाराव
राज्य संसाधक, जि.जि.उ.पाठशाला
गुंटूर, गुंटूर जिला

तकनीकी सहायक

डी.टी.पी. पेज ले-अवुट : स्टॉक एसार्टमेंट, बापट्ला

अध्यापकों के लिए सूचनाएँ

V7L4S1

* इस पाठ्य पुस्तक में बारह पाठ दिये गये हैं। इन्हें दो सत्रों में विभाजित किया गया है।
* इसमें अपेक्षित कौशलों और अर्जित की जानेवाली दक्षताओं की सूची दी गयी है। इसके अनुरूप पठन-पाठन कार्य संपन्न करें।
* प्रत्येक पाठ के आरंभ में चित्र दिये गये हैं, इनके माध्यम से बच्चों से बात-चीत करते हुए पाठ के प्रति रुचि उत्पन्न करें। सोचने के विविध संदर्भों का सृजन करें।
* पाठ में मुख्य बिंदुओं पर प्रश्न पूछे गये हैं। इनसे बच्चों में विषय का पुनःश्चरण करने के अवसर मिलते हैं।
* आवश्यकतानुसार गेययुक्त, अभिनययुक्त शैलियों का अनुसरण करके अधिगम प्रक्रिया को रुचिपूर्ण बनायें।
* हर पाठ में सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना जैसे अधिगम कौशलों को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न प्रकार के अभ्यासों का विकास किया गया है। इनसे बालकों में व्यवहारिक हिंदी सीखने के भरपूर अवसर मिलते हैं।
* भाषांशों में शब्द भंडार को विकसित करने के अभ्यास दिये गये हैं। 'सृजनात्मकता' कार्य से बालकों में तर्क, चिंतन, वैज्ञानिक ख़ोज आदि कौशल विकसित करने के अभ्यास दिये गये हैं।
* पाठों की शब्दावली को ध्यान में रखकर मौलिक व्याकरण का परिचय कराया गया है। इससे बालकों में वाक्य निर्माण करने की कुशलता का विकास होता है। इसके लिए उपयुक्त अभ्यास कार्य भी दिये गये हैं।
* विषय के अनुरूप परियोजना कार्य भी दिये गये हैं। अध्यापक संदर्भ के अनुसार उक्त अभ्यास कार्यों को संपन्न करवायें और बालकों के भाषाई कौशलों के विकास में अपना योगदान दें।
* आवश्यकतानुसार छात्रों को समूहों में बाँटकर अभ्यास कार्य करवायें, जिससे उनमें समूह में कार्य करने की प्रवृत्ति का विकास हों।
* अध्यापक पाठ के विषयानुसार बालक के व्यवहारिक जीवन में आनेवाली शब्दावली का प्रयोग करें, जिससे भाषा अधिगम प्रक्रिया सुगमता से संपन्न हो सकें।
* पाठोपरांत दिये गये पठन हेतु पाठों से बालकों में पढ़ने की रुचि उत्पन्न होती है। इसलिए उनको पुस्तकालय की विविध पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित करें।
* पाठ्य पुस्तक के विविध पाठों से बालकों को मानव मूल्य, नैतिकता, तार्किक चंतन, लिंग संवेदनशीलता, रचनात्मकता, वैज्ञानिक स्वभाव, पर्यावरण, शांति, स्वास्थ्य और पोषण, संवैधानिक मूल्य, स्वच्छता और साफ़-सफ़ाई आदि का ज्ञान प्राप्त होता है। अध्यापक बालकों को आदर्श नागरिक बनाने के लिए उक्त विषयों का व्यवहारिक प्रशिक्षण दें।

बच्चो ! ये बातें आपके लिए हैं ...

E7H6R5

- यह पुस्तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के सुझावों को ध्यान में रखकर आपके स्तर और रुचियों के अनुरूप बनायी गयी है ।
- इस पुस्तक में पूरे बारह पाठ हैं, जो छह-छह पाठों के दो सत्रों में विभाजित हैं आपकी रूचि के अनुसार पाठों के विषय चुने गये हैं ।
- आप इस पुस्तक के माध्यम से व्यवहारिक हिंदी भाषा कौशलों में निपुणता प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए अध्यापक का मार्गदर्शन व सहयोग ले सकते हैं ।
- पाठों में दिये गये विषयों के अनुरूप आप अभ्यास कार्य संपन्न कर सकते हैं। इसके लिए किसी गाइड या प्रश्न बैंक की आवश्यकता नहीं है ।
- पठन हेतु पाठों से आप में पढ़कर समझने की कुशलता का विकास होता है। सीखे गये विषय को विस्तार पूर्वक समझने के लिए पुस्तकालय, समाचार-पत्र आदि का सहारा ले सकते हैं।
- हर पाठ के आरंभ में 'सोचिए-बोलिए' चित्रों से संबंधित प्रश्नों के उत्तर सोच-समझकर बताइए। इससे आपका ध्यान पाठ की ओर आकर्षित होता है ।
- हर पाठ के अंत में शब्दार्थ दिये गये हैं, जिनको पढ़ने से आपके शब्द भंडार का विकास होता है। ये भाषा को समझने में सहायक हैं ।
- हर पाठ में 'सुनिए-बोलिए' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। इनके उत्तरों को बताकर आप विषय को आत्मसात कर सकते हैं ।
- हर पाठ में 'पढ़िए' अभ्यास कार्य के द्‌वारा आप पाठ के विषय का पुनःश्चरण करके मुख्य भावनाओं को समझ सकते हैं ।
- हर पाठ में 'लिखिए' अभ्यास के अंतर्गत लघु और निबंधात्मक प्रश्न दिये गये हैं। इसे हम 'स्वरचना' भी कह सकते हैं।
- पाठों में दिये गये 'भाषांश' अभ्यासों को अध्यापक की सहायता से संपन्न कर सकते हैं। इससे आप हिंदी भाषा में कुशलता प्राप्त कर सकते हैं ।
- हर पाठ में 'सृजनात्मकता' के प्रश्न दिये गये हैं। आप इन प्रश्नों के उत्तर लिखित और मौखिक रूप से दे सकते हैं। इसके साथ-साथ परियोजना कार्य स्वयं करके सीखने का कार्य है। इसे आप व्यक्तिगत या समूह में बैठकर कर सकते हैं ।
- हर पाठ में व्याकरण संबंधी अभ्यास दिये गये हैं। इनको अध्यापक के मार्गदर्शन में संपन्न करके लिखित कौशल का विकास कर सकते हैं ।
- हर पाठ में 'क्या आप जानते हैं ? के नाम से अतिरिक्त जानकारी दी गयी है। इससे आपको एक नया विषय सीखने को मिलता है ।
- हर पाठ में सीखी हुई बातें, शीर्षक की एक तालिका दी गयी है। इससे आप अपनी भाषाई क्षमता की जाँच स्वयं कर सकते हैं ।

•••••••

सेमिस्टर-1

क्या...कहाँ ?

क्र.सं.	पाठ का नाम	विधा	पृष्ठ सं.
1.	सुबह	कविता	1
	बेटी (पठन हेतु)	कविता	8
2.	तेनालीराम की चतुराई	कहानी	9
3.	श्रीहरिकोटा	वार्तालाप	17
	मैं कौन ? (पठन हेतु)	पहेलिया	26
4.	गीत	कविता	27
	कागज की थैली (पठन हेतु)	कार्यकलाप	34
5.	कूड़ेदान	आत्मकथा	35
	जरा मुस्कराइए (पठन हेतु)	चुटकुले	44
6.	मित्र को पत्र	पत्र लेखन	45

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे!
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठा,
द्राविड़, उत्कल बंग ।
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा
उच्छल जलधि-तरंग ।
तव शुभ नामे जागे ।
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा!
जन-गण-मंगलदायक जय हे!
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे! जय हे! जय हे!
जय, जय, जय, जय हे!

- रवींद्रनाथ टैगोर

वंदेमातरम्

वंदेमातरम् वंदेमातरम्
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्
सस्यश्यामलाम् मातरम् वंदेमातरम्
शुभ्रज्योत्सना पुलकित यामिनी
पुल्लकुसुमिता द्रुमदल शोभिनी
सुहासिनी सुमधुर भाषिणी
सुखदाम् वरदाम् मातरम्
वंदेमातरम्

- बंकिमचंद्र चटर्जी

सारे जहाँ से अच्छा

सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्ताँ हमारा ।
हम बुलबुले हैं इसकी, यह गुलसिताँ हमारा ॥
परबत वो सबसे ऊँचा, हमसाया आसमाँ का ।
वो संतरी हमारा, वो पासबाँ हमारा ॥
गोदी में खेलती हैं, जिसकी हज़ारों नदियाँ ।
गुलशन है जिनके दम से, रश्क-ए-जिनाँ हमारा ॥
मज़हब नहीं सिखाता, आपस में बैर रखना ।
हिंदी हैं हम वतन हैं, हिंदोस्ताँ हमारा ॥

- मुहम्मद इक़बाल

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है और समस्त भारतीय मेरे भाई-बहन हैं । मैं अपने देश से प्रेम करता हूँ और इससे प्राप्त विशाल एवं विविध ज्ञान-भंडार पर मुझे गर्व है । मैं सर्वदा इस देश एवं इसके ज्ञान-भंडार के अनुरूप बनने का प्रयास करूँगा । मैं अपने माता-पिता और अध्यापकों तथा समस्त गुरुजनों का आदर करूँगा और प्रत्येक व्यक्ति के प्रति नम्रतापूर्वक व्यवहार करूँगा मैं जीव-जंतुओं से भी प्रेमपूर्वक व्यवहार करूँगा । मैं अपने देश और उसकी जनता के प्रति अपनी भक्ति की शपथ लेता हूँ । उनके मंगल एवं समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है ।

- पैडिमर्रि वेंकटसुब्बाराव

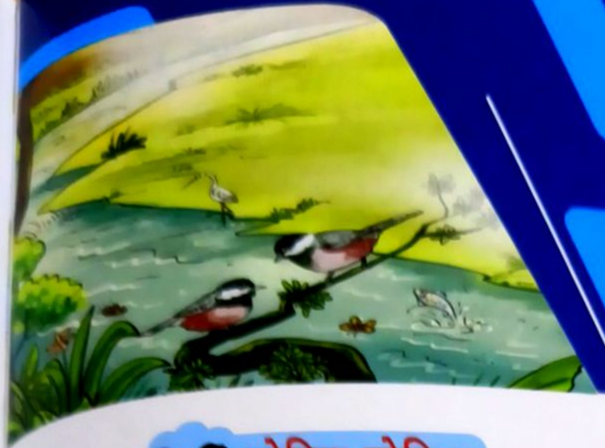

सुबह

1

A3Z3F5

सोचिए-बोलिए

प्रश्न : 1.चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है ?
2. किसान क्या कर रहा है ?
3. लोग क्या कर रहे हैं ?

विषय प्रवेश

मानव जीवन में प्रकृति का महत्वपूर्ण स्थान है । प्रकृति के अनेक रूपों से हमें कोई-न-कोई प्रेरणा मिलती है । प्रेरणा पाकर हम अपना कार्य उत्साह के साथ करते हैं । इस कविता में समाज की गतिविधियों को प्रकृति के साथ जोड़कर उनका सुंदर वर्णन किया गया है ।

कवि का नाम : श्री प्रसाद
जीवन काल : सन् 1932 - सन् 2012
प्रमुख कृतियाँ : 'मेरा साथी घोड़ा', 'खिड़की से सूरज' आदि ।
प्राप्त पुरस्कार : बाल साहित्य, भारती सम्मान आदि ।

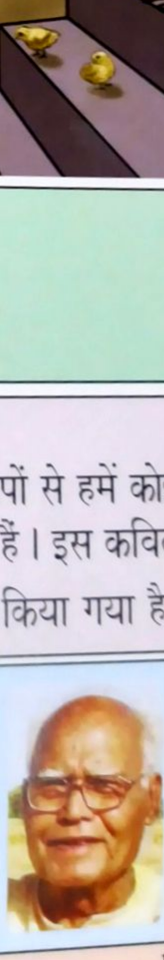

सुबह

सूरज की किरणें आती हैं,
सारी कलियाँ खिल जाती हैं,
अंधकार सब खो जाता है,
सब जग सुंदर हो जाता है।

चिड़ियाँ गाती हैं मिलजुल कर,
बहते हैं उनके मीठे स्वर,
ठंडी-ठंडी हवा सुहानी
चलती है जैसे मस्तानी।

खो देते हैं आलस सारा,
और काम लगता है प्यारा
सुबह भली लगती है उनको,
मेहनत प्यारी लगती जिनको।

मेहनत सबसे अच्छा गुण है,
आलस बहुत बड़ा दुर्गुण है,
अगर सुबह भी अलसा जाए,
तो क्या जग सुंदर हो पाए।

1. कलियाँ कब खिलती हैं ?
2. सबसे अच्छा गुण क्या है ?

आ) वाक्य पढ़कर उचित शब्द से खाली जगह भरिए ।

1. सब जग ....हो जाता है । (सुंदर / भला)
2. .... बहुत बड़ा दुर्गुण है । (आलस / मेहनत)
3. सुबह .... लगती है । (भली / बुरी)
4. .... गाती हैं मिलजुल कर । (गायिका / चिड़ियाँ)
5. अगर सुबह भी .... जाए । (अलसा / बढ़ता)

इ) पाठ के आधार पर अधूरे वाक्यों को पूरा कीजिए ।

1. अंधकार सब खो जाता है, ...
2. ठंडी-ठंडी हवा सुहानी, ...
3. खो देते हैं आलस सारा, ...
4. मेहनत सबसे अच्छा गुण है, ...
5. अगर सुबह भी अलसा जाए, ...

ई) पद्यांश पढ़कर विकल्पों से प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर कोष्ठक में लिखिए ।

फ़सल धान की खेतों महके,
राह घाट हरियाली लहके,
मन किसान का गाए -चहके,
देख-देख मेंढों तक पानी,
बादल दानी, बादल दानी,
खूब झमाझम बरसो पानी ।

\- **बाबूलाल शर्मा 'प्रेम'**

1. खेतों में क्या महकता है ? ( )
   (A) काला धान (B) फ़सल धान (C) पैसा धान (D) मोती धान
2. हरियाली कहाँ लहकती है ? ( )
   (A) मैदानों में (B) पहाड़ों में (C) घर में (D) राह घाट में
3. किसका मन गाता है ? ( )
   (A) किसानों का (B) पक्षियों का (C) बूढ़ों का (D) बच्चों का
4. बादलों से पानी कैसे बरसता है ? ( )
   (A) चम-चम (B) धना-धन (C) छम-छम (D) झमाझम
5. 'बादल दानी' कविता के कवि कौन है? ( )
   (A) बाबूराव (B) बाबूलाल गुप्त (C) बाबूलाल शर्मा 'प्रेम' (D) बाबूलाल दयाल

लिखिए

अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में लिखिए ।

1. सूरज के उगने से प्रकृति में क्या-क्या परिवर्तन होते हैं ?
2. कवि ने चिड़ियाँ और हवा का वर्णन कैसे किया है ?
3. मेहनत करनेवालों को सुबह क्यों प्यारी लगती हैं ?

आ) "सुबह" कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

भाषांश

अ) नीचे दिये गये शब्दों के पर्यायवाची शब्द डिब्बे में से चुनकर लिखिए ।

1. प्रातः - सुबह , सबेरा
2. आलस - .... , ...
3. प्यार - .... , ...
4. अंधकार - .... , ...
5. मेहनत - .... , ...

तम, अंधेरा,
परिश्रम, प्रेम, चाह,
सबेरा, कामचोर, सुबह,
सुस्त, श्रम,

आ) रेखांकित शब्द का विलोम शब्द वाक्य में पहचानकर लिखिए ।

1. राजू <u>मेहनत</u> करता है तो रघु <u>आराम</u> लेता है । मेहनत × आराम
2. रवि <u>सुबह</u> स्कूल जाकर शाम को लौटता है । ....×.........
3. मुझे <u>अंधेरे</u> में ड़र लगता है, प्रकाश में नहीं । ....×.........
4. लड्डू <u>मीठा</u> होता है, करेला कड़वा होता है । ....×.........
5. <u>अच्छा</u> काम करने से आदर मिलता है, बुरा काम करने से नहीं ।.........×.........

इ) पाठ में आये शब्दों को वर्ग पहेली में ढूँढ़कर लिखिए ।

सु	ब	ह	का	म
सू	र	ज	सुं	ख
न	भ	गी	द	चि
क	ली	सा	र	डि
आ	ल	स	ब	या

उदा : सुबह

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....

[redacted]

अ) चित्र देखकर पाँच वाक्य लिखिए ।

1...

2...

3...

4...

5...

परियोजना कार्य

सुबह से शाम तक आप क्या - क्या काम करते हैं, उनकी तालिका बनाकर कक्षा में प्रदर्शित कीजिए ।

व्याकरणांश

1. **सूरज** सोने-सा चमकता है ।
2. **कलियाँ** खिली हैं ।
3. **बचपन** खेल-कूद में बीता ।
4. रोज **दूध** पीना चाहिए ।
5. **कक्षा** में छात्र हैं ।

ऊपर दिये गये वाक्यों में **सूरज, कलियाँ, बचपन, दूध** और **कक्षा** जैसे शब्द किसी व्यक्ति, स्थान, वस्तु या भाव के बारे में बताते हैं । ऐसे शब्दों को 'संज्ञा' कहते हैं । संज्ञा के पाँच भेद हैं । वे हैं -

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा : किसी विशेष व्यक्ति, स्थान, वस्तु की जानकारी देनेवाला शब्द।
उदा : रमेश, गीता, अमरावति आदि ।

2. जातिवाचक संज्ञा : किसी संपूर्ण जाति की जानकारी देनेवाला शब्द ।
उदा : लड़का, गाय, मेज़ आदि ।

3. भाववाचक संज्ञा : किसी गुण, स्वभाव, दया की जानकारी देनेवाला शब्द ।
उदा : मिठास, क्रोध,बुढ़ापा आदि ।

4. द्रव्यवाचक संज्ञा : किसी द्रव्य या विभिन्न धातुओं की जानकारी देनेवाला शब्द ।
उदा : घी, पानी, सोना आदि ।

5. समुदायवाचक संज्ञा: किसी विशेष समुदाय या समूह की जानकारी देनेवाला शब्द ।
उदा : मेला, सभा, गुच्छा आदि ।

अ) नीचे दिये गये वाक्यों में संज्ञा शब्दों को रेखांकित कीजिए ।

1. भारत सुंदर देश है ।
2. लड़की गीत गाती है ।
3. उसकी आवाज़ में मिठास है ।
4. मुझे पानी चाहिए ।
5. सेना देश की रक्षा करती है ।

क्या आप जानते हैं ?

लंबसिंगी

दक्षिण भारत में एक ऐसा प्रांत है, जहाँ सर्दी के मौसम में बर्फ गिरती है । 'लंबसिंगी' नामक यह गाँव 'आंध्र कश्मीर' के नाम से जाना जाता है । यह एक पहाड़ी प्रांत है, जो चिंतपल्लि मंडल में है । यह प्रांत विशाखपट्टणम से 100 कि.मी. की दूरी पर है । यह प्रांत पर्यटकों को अपूर्व अनुभूति कराता है ।

सीखी हुई बातें :-

1. पाठ में मुझे अच्छे लगे विषय..
2. पाठ से सीखा हुआ मूल्य ....
3. पाठ से सीखे गये नये शब्द...
4. सृजनात्मकता के आधार पर सीखा गया विषय...

अध्यापकों के लिए सूचना :-

छात्रों को श्री प्रसाद की अन्य रचनाओं से परिचित करवाइए ।

पठन-हेतु

बेटी

पढ़िए-गाइए

बेटी हूँ मैं बेटी .... मैं तारा बनूँगी
तारा बनूँगी, सहारा बनूँगी.....
बेटी हूँ मैं .....

गगन पे चमके चंदा, मैं धरती पे चमकूँगी,
धरती पर चमकूँगी, मैं उजियारा करूँगी.....
बेटी हूँ मैं.....

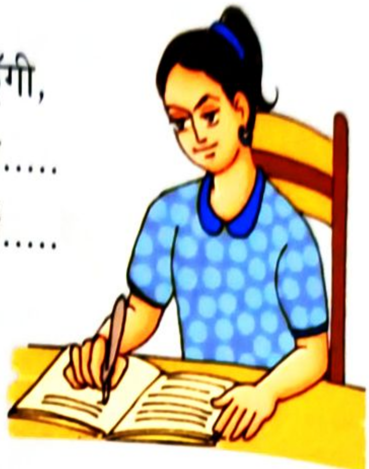

पढ़ूँगी-लिखूँगी मैं मेहनत करूँगी,
अपने पाँव चलकर मैं दुनिया को देखूँगी
दुनिया को देखूँगी मैं दुनिया को समझूँगी
बेटी हूँ मैं .....

फूल जैसी सुंदर मैं बागों में खिलूँगी,
तितली बनूँगी मैं हवा को चूमूँगी,
हवा को चूमूँगी, नाचूँगी, गाऊँगी,
बेटी हूँ मैं .....

तेनालीराम की चतुराई

विजयनगर राज्य के राजा श्रीकृष्णदेवराय थे। उनकी सभा का नाम 'भुवनविजयम' था। उनकी सभा में 'अष्टदिग्गज' नामक आठ कवि रहते थे। उनमें से तेनालीराम बहुत ज्ञानी और चतुर व्यक्ति थे। अपनी होशियारी से हर समस्या का हल निकाल लेते थे। इसलिए उन्हें 'विकटकवि' भी कहते थे।

एक दिन राजा कृष्णदेवराय ने राज्य के प्रमुख व्यक्तियों को अपने महल में भोजन के लिए बुलाया। अतिथियों को सोने के बर्तनों में भोजन परोसा गया। सोने के बर्तनों को देखकर एक अतिथि का मन ललचाया। उसने चुपके से एक चम्मच को उठाकर अपनी जेब में रख लिया। राजा कृष्णदेवराय तथा तेनालीराम ने अतिथि को चम्मच जेब में रखते हुए देख लिया था। राजा कृष्णदेवराय ने तेनालीराम को संकेत किया। तेनालीराम तुरंत समझ गये कि अतिथि का अपमान किये बिना ही चम्मच निकलवाना है।

जब सब लोगों ने भोजन कर लिया तो तेनालीराम अपने स्थान पर खड़े होकर बोले, "सज्जनो ! अब आप सबके मनोरंजन के लिए मैं एक जादू का खेल दिखाऊँगा। देखिए मैं यह सोने का चम्मच अपनी जेब में रखूँगा और आप लोगों में से किसी एक आदमी की जेब से निकालूँगा।"

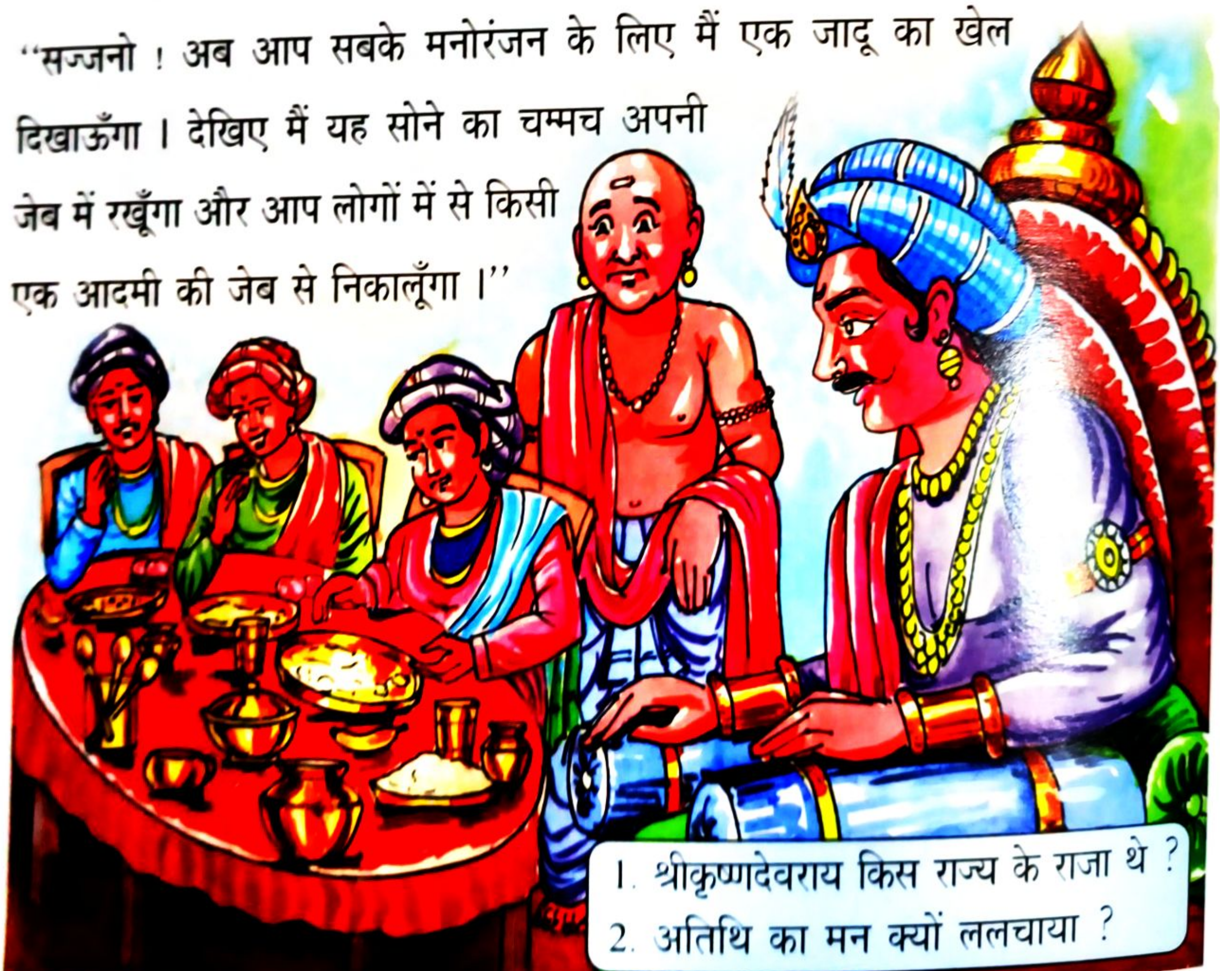

1. श्रीकृष्णदेवराय किस राज्य के राजा थे ?
2. अतिथि का मन क्यों ललचाया ?

तेनालीराम ने चम्मच अपनी जेब में रख ली। फिर उन्होंने आँखें बंद की और कोई मंत्र पढ़ने का बहाना बनाया। थोड़ी देर बाद उन्होंने अपनी आँखें खोली और कहा - ''अब चम्मच मेरी जेब में से किसी और की जेब में चला गया है। देखते हैं कि किसकी जेब में है।'' इतना कहकर तेनालीराम बारी-बारी से हर अतिथि के पास जाते और मन ही मन मंत्र पढ़ने का बहाना बनाते।

अंत में वे चम्मच छुपाये हुए व्यक्ति के पास जाकर बोले - ''मित्र, मेरा जादू बता रहा है कि चम्मच आपकी जेब में है। कृपया आप अपनी जेब देखिए।'' अतिथि के पास बचने का कोई उपाय न था। न चाहते हुए भी उसे अपनी जेब में हाथ डालना पड़ा। उसने जेब से चम्मच निकाला और तेनालीराम को दे दिया। सभी अतिथियों ने तेनालीराम के जादुई चमत्कार को देखकर तालियाँ बजाई। राजा कृष्णदेवराय तेनालीराम की चतुराई से बहुत खुश हुए। उन्होंने तेनालीराम की खूब प्रशंसा की और ढ़ेर सारे इनाम भी दिये।

3. तेनालीराम ने जादू क्यों करना चाहा ?

पाठ के मुख्य बिंदु

- विजयनगर राज्य के राजा श्रीकृष्णदेवराय थे ।
- उनके दरबार के अष्टदिग्गजों में तेनालीराम भी एक थे । वे अत्यंत ज्ञानी और चतुर थे ।
- एक दिन राजा ने नगर के प्रमुख व्यक्तियों को महल में भोजन पर आमंत्रित किया था ।
- उन अतिथियों को सोने के बर्तनों में भोजन परोसा गया ।
- एक अतिथि ने लालच में आकर सोने के चम्मच को अपनी जेब में रख लिया ।
- राजा और तेनालीराम ने उस अतिथि का अपमान किये बिना ही चम्मच निकलवाना चाहा ।
- तेनालीराम जादू दिखाने के बहाने होशियारी से अतिथि की जेब से चम्मच निकलवाया ।
- सभी अतिथियों ने तेनालीराम के जादूई चमत्कार को देखकर तालियाँ बजाई ।
- राजा कृष्णदेवराय ने तेनालीराम की चतुराई की प्रशंसा की और इनाम दिये ।

शब्दार्थ

चतुर - తెలివైన, कुशल, Clever
ढेर - కుప్పలు, राशि, Heaps
अतिथि - అతిథి, मेहमान, Guest
इनाम - బహుమతి, पुरस्कार, Reward
सज्जन - మంచివాడు, सत्पुरुष, Gentleman
तालियाँ - చప్పట్లు, करताल ध्वनियाँ, Claps
प्रशंसा - ప్రశంసించుట, स्तुति, Praise
तुरंत - తక్షణమే, झटपट, Immediately,
बर्तन - పాత్రలు, भोजन के पात्र, Utensils
मनोरंजन - వినోదం, दिल-बहलाव, Entertainment

सुनिए-बोलिए

N8L6Y4

1. तेनालीराम के बारे में आप क्या जानते हैं ?
2. श्रीकृष्णदेवराय ने तेनालीराम को इशारा क्यों किया होगा ?
3. श्रीकृष्णदेवराय ने तेनालीराम को इनाम क्यों दिया ?

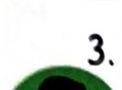

पढ़िए

अ) पाठ के आधार पर वाक्य पढ़कर कोष्ठक में 'हाँ' या 'नहीं' लिखिए ।

1. श्रीकृष्णदेवराय विजयनगर राज्य के राजा थे । (हाँ)
2. श्रीकृष्णदेवराय के अष्टदिग्गजों में बीरबल एक थे । (   )
3. अतिथियों को सोने के बर्तनों में भोजन परोसा गया । (   )
4. तेनालीराम ने शतरंज के खेल का आयोजन किया । (   )
5. तेनालीराम ने चम्मच अपनी थैली में रखा । (   )

आ) वाक्य पढ़कर उचित शब्द से खाली जगह भरिए ।

1. तेनालीराम को .... भी कहते हैं ।(निकटकवि / विकटकवि)
2. राजा कृष्णदेवराय ने तेनालीराम को .... किया । (इशारा / आदेश)
3. तेनालीराम ने मन-ही-मन ....पढ़ने का बहाना किया । (पाठ / मंत्र)
4. तेनालीराम अंत में ....के पास जाकर खड़े हुए । (राजा / अतिथि)
5. राजा ने तेनालीराम की .... की । (अपमान / प्रशंसा)

इ) पाठ के आधार पर अधूरे वाक्यों को पूरा कीजिए ।

1. राजा श्रीकृष्णदेवराय राज्य के ....
2. सोने के बर्तन को देखकर ....
3. उनकी सभा में 'अष्टदिग्गज' ....
4. तेनालीराम तुरंत समझ गये कि ....
5. अतिथि के पास बचने का ....

ई) गद्यांश पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए ।

राजू और रवि दोनों मित्र थे । दोनों रास्ते से जा रहे थे । रास्ते में राजू को सोने के सिक्कों की लाल थैली मिली । उसने कहा - 'मुझे धन की थैली मिली ।' तब रवि ने कहा - 'हम दोनों मिलकर सफ़र कर रहे हैं । इसलिए यह हमारी थैली है ।' तब राजू ने कहा - 'यह मेरी थैली है । मुझे मिली है ।' कुछ देर बाद उस रास्ते से एक राजा की सेना आयी । राजू के हाथ में लाल थैली देख कर एक सैनिक ने कहा - 'यही वह चोर है । इसे पकड़ लो ।' तब राजू ने कहा - 'हम मुसीबत में फँस गए ।' तब रवि ने कहा - 'हम नहीं तुम मुसीबत में फँसे हो ।'

1. दो मित्र कहाँ जा रहे थे ?
2. रास्ते में राजू को क्या मिली ?
3. किसकी सेना आयी ?
4. कौन मुसीबत में फँस गया ?
5. रवि ने क्या कहा ?

लिखिए

अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में लिखिए ।

1. विकटकवि किन्हें कहते हैं और क्यों ?
2. भोजन के बाद तेनालीराम ने अतिथियों से क्या कहा ?
3. तेनालीराम ने सोने का चम्मच कैसे निकलवाया ?

आ) "तेनालीराम की चतुराई" पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

भाषांश

अ) नीचे दिये गये शब्दों के पर्यायवाची शब्द डिब्बे में से चुनकर लिखिए ।

1. चतुर - प्रवीण , कुशल
2. तुरंत - .... , ...
3. जादू - .... , ...
4. इनाम - .... , ...
5. इशारा - .... , ...

पुरस्कार, इंद्रजाल, उपहार, निर्देश, प्रवीण, झटपट, कुशल, जल्दी, संकेत, चमत्कार

आ) रेखांकित शब्द का विलोम शब्द वाक्य में पहचानकर लिखिए ।

1. अतिथियों का <u>सम्मान</u> करना चाहिए अपमान नहीं । सम्मान ×अपमान
2. अध्यापिका जी <u>कठिन</u> शब्दों को आसान तरीके से समझाती हैं ।.........× ....
3. कोशिश करने पर हर <u>समस्या</u> का समाधान मिलता है । ....× ....
4. कोई भी काम <u>विश्वास</u> के साथ करना चाहिए न कि अविश्वास के साथ ।.......× ....
5. मेरा गीत सुनकर कुछ लोग <u>प्रसन्न</u> हुए और कुछ लोग अप्रसन्न हुए ।......× ....

इ) नीचे दिये गये वाक्यों के उत्तर शब्द तालिका में पहचानकर '◯' लगाइए ।

1. राज्य का पालन यह करता है ।
2. इन्हें 'विकटकवि' कहते हैं ।
3. 'इंद्रजाल' शब्द का अर्थ है ।
4. 'संकेत' शब्द का अर्थ है ।
5. राजा यहाँ रहता है ।

वा	जा	दू	ते	रा
म	ह	ल	ना	जा
त	प	र	ली	व
क	य	ल	रा	श
इ	शा	रा	म	थ

सृजनात्मकता

अ) चित्र देखकर पाँच वाक्य लिखिए ।

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....

परियोजना कार्य

तेनालीराम की कहानियाँ बहुत ही रोचक होती हैं । आप ऐसी ही एक कहानी संकलित करके कक्षा में प्रदर्शित कीजिए ।

व्याकरणांश

1. **मैं** एक जादू का खेल दिखाऊँगा ।
2. **आप** अपनी जेब देखिए ।
3. **वे** चम्मच ढूँढ़ना चाहते थे ।
4. बचने का **कोई** उपाय न था ।
5. आज **कौन** आ रहे हैं ?

ऊपर दिये गये वाक्यों में **मैं, आप, वे, कोई** और **कौन** जैसे शब्द संज्ञा की जगह पर आये हैं । इस प्रकार संज्ञा के स्थान पर आनेवाले शब्दों को 'सर्वनाम' कहते हैं । सर्वनाम के छह भेद हैं । वे हैं -

1. पुरुषवाचक सर्वनाम : बोलनेवाले, सुननेवाले या अन्य वस्तु या व्यक्ति के लिए प्रयोग किये जानेवाला सर्वनाम शब्द । इसके तीन उपभेद हैं ।

- **अ) उत्तम पुरुष** : बोलनेवाला । **उदा :** मैं, हम आदि ।
- **आ) मध्यम पुरुष** : सुननेवाला । **उदा :** तू, तुम, आप आदि ।
- **इ) अन्य पुरुष** : अन्य वस्तु या व्यक्ति के लिए प्रयोग किये जानेवाला । **उदा :** यह, ये, वह, वे आदि ।

2. निश्चयवाचक सर्वनाम : किसी निश्चित वस्तु या व्यक्ति के लिए प्रयोग किये जानेवाला सर्वनाम शब्द ।
उदा : यह, ये, वह, वे आदि ।

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम : किसी निश्चित वस्तु या व्यक्ति के लिए न प्रयोग किये जानेवाला सर्वनाम शब्द ।
उदा : कोई, कुछ आदि ।

4. संबंधवाचक सर्वनाम : एक बात का संबंध दूसरी बात से करानेवाला सर्वनाम शब्द ।
उदा : जो, सो, जिसकी, उसकी आदि ।

5. प्रश्नवाचक सर्वनाम : प्रश्न करने के लिए प्रयोग किये जानेवाला सर्वनाम शब्द ।
उदा : कौन, क्या, कंब, कहाँ आदि ।

6. निजवाचक सर्वनाम : स्वयं या निजत्व को बतानेवाला सर्वनाम शब्द ।
उदा : अपना, स्वयं आदि ।

अ) नीचे दिये गये वाक्यों में सर्वनाम शब्दों को रेखांकित कीजिए ।

1. हम घर जाते हैं ।
2. मैं खुद ही गया था ।
3. वह क्या कर रहा है ?
4. जो पढ़ेगा, वह उत्तीर्ण होगा ।
5. कोई यहाँ आयेगा ।

क्या आप जानते हैं ?

जिस प्रकार कृष्णदेवराय के दरबार में 'अष्टदिग्गज' कवि रहते थे, उसी प्रकार अकबर के दरबार में 'नवरत्न' कवि रहते थे ।

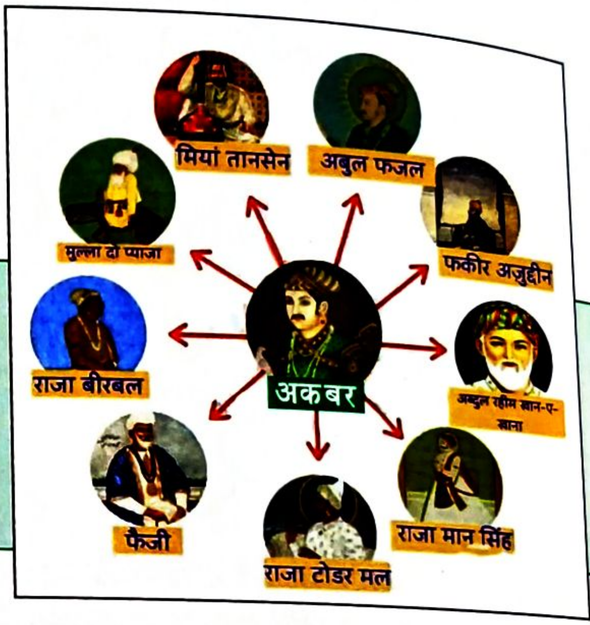

सीखी हुई बातें :-

1. पाठ में मुझे अच्छे लगे विषय ....
2. पाठ से सीखा हुआ मूल्य..
3. पाठ से सीखे गये नये शब्द..
4. सृजनात्मकता के आधार पर सीखा गया विषय..

अध्यापकों के लिए सूचना :-

छात्रों को श्री कृष्णदेवराय के अष्टदिग्गज कवियों के बारे में बताएँ ।

3 श्रीहरिकोटा

C6S6A8

सोचिए-बोलिए

प्रश्न : 1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है ?

2. लड़कियाँ कहाँ जा रही है ?

3. हम यात्राएँ क्यों करते हैं ?

विषय प्रवेश

विश्व में अंतरिक्ष विज्ञान से बहुत प्रगति हुई है। भारत देश भी अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कृत्रिम उपग्रह के प्रयोग में भारत का स्थान प्रमुख है। कृत्रिम उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजनेवाले एक भारतीय अंतरिक्ष केंद्र जो आंध्र प्रदेश में है। उसके बारे में आज हम जानकारी प्राप्त करेंगे।

श्रीहरिकोटा

(सुजाता और रीना आठवीं कक्षा में पढ़ती हैं। दोनों सहेलियाँ हैं। सुजाता अपनी पाठशाला की ओर से वैज्ञानिक यात्रा के लिए श्रीहरिकोटा गयी थी। उसके बारे में दोनों बातचीत कर रही हैं।)

रीना : सुजाता ! कल तुम्हारा जन्मदिन था न ! कैसे मनाया ?

सुजाता : हाँ, मैं ने अपना जन्मदिन बड़ी खुशी से श्रीहरिकोटा में मनाया।

रीना : अच्छा ! श्रीहरिकोटा में मनाया ! श्रीहरिकोटा कहाँ है ?

सुजाता : श्रीहरिकोटा आंध्र प्रदेश के नेल्लूरु जिले में सूल्लूरुपेट के पास है। इसके पास पुलिकाट झील भी है।

रीना : श्रीहरिकोटा किसके लिए प्रसिद्ध है ?

सुजाता : श्रीहरिकोटा, रॉकेटों के प्रयोग और अनुसंधान के लिए प्रसिद्ध है। इस केंद्र को 'शार' भी कहते हैं। यहाँ से कृत्रिम उपग्रहों को रॉकेटों की सहायता से अंतरिक्ष में भेजा जाता है।

रीना : 'शार' का अर्थ क्या है ?

सुजाता : 'शार' का अर्थ 'श्रीहरिकोटा रेंज' है। शार को भारत सरकार ने 5 सितंबर 2002 को 'सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र' का नाम देकर गौरवान्वित किया था।

रीना : सतीश धवन शायद एक वैज्ञानिक थे न !

सुजाता : हाँ, तुमने ठीक ही कहा। वे भारत के महान वैज्ञानिक थे। भारत सरकार उन्हें "पद्म भूषण" उपाधि से सम्मानित किया था।

रीना : अंतरिक्ष किसे कहते हैं ?

सुजाता : धरती के ऊपर आकाश में जो शून्य दिखायी देता है, उसे अंतरिक्ष कहते हैं।

रीना : शार में तुम लोगों ने क्या-क्या देखा ?

सुजाता : वहाँ तो हम लोगों ने रॉकेटों को अंतरिक्ष में भेजने का प्लाटफॉम, वैज्ञानिक प्रयोगशाला, विभिन्न रॉकेटों के नमूने,बैठक मंदिर, रॉकेटों के स्पेयर पार्ट्स आदि देखें।

1. श्रीहरिकोटा कहाँ है ?
2. श्रीहरिकोटा किसके लिए मशहूर है ?

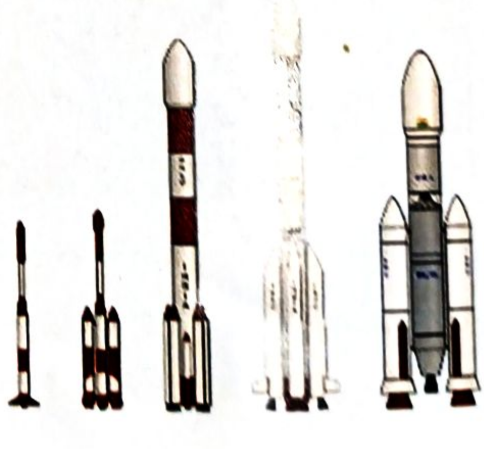

रीना : अच्छा ! तो बताओ, उपग्रह और कृत्रिम उपग्रह में क्या अंतर है ?

सुजाता : ग्रहों की परिक्रमा करनेवाले आकाशीय पिंडों को 'उपग्रह' कहते हैं । मानव निर्मित पृथ्वी की परिक्रमा करनेवाले आकाशीय पिंडों को 'कृत्रिम उपग्रह' कहते हैं ।

रीना : अब तक शार केंद्र से कितने कृत्रिम उपग्रह अंतरिक्ष में भेजे गये हैं ?

सुजाता : अब तक शार केंद्र से करीब सौ से भी अधिक कृत्रिम उपग्रहों को भेजा गया है । हाल ही में एक ही रॉकेट से 104 कृत्रिम उपग्रहों को भेजा गया है ।

रीना : कृत्रिम उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजने से क्या-क्या लाभ होते हैं ?

सुजाता : तुमने बहुत बढ़िया प्रश्न किया । इन कृत्रिम उपग्रहों से वातावरण की जानकारी, शत्रु देशों के प्रति सावधानी, खतरों की चेतावनी और जल स्रोतों की जानकारी मिलती है । इन उपग्रहों के द्‌वारा सरकार को करोडों रुपयों की आमदनी भी मिलती है ।

रीना : इसमें हमारे वैज्ञानिकों का क्या योगदान है ?

सुजाता : कृत्रिम उपग्रहों को रॉकेटों से अंतरिक्ष में भेजने के लिए बहुत से वैज्ञानिकों ने मेहनत की । यह उसी का फल है ।

रीना : मैं आज तुम्हारे कारण श्रीहरिकोटा के बारे में कई जरूरी बातें जान पायी हूँ । मैं भी जरूर श्रीहरिकोटा देखने जाऊँगी ।

सुजाता : बहुत अच्छा निर्णय है । जरूर जाना ।

3. सतीश धवन कौन थे ?

पाठ के मुख्य बिंदु

- श्रीहरिकोटा आंध्र प्रदेश का एक अंतरिक्ष केंद्र है । इसे 'शार' भी कहते हैं ।
- 'सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र' के नाम से प्रसिद्ध 'शार' से कई कृत्रिम उपग्रह अंतरिक्ष में भेजे गये हैं ।
- ग्रहों की परिक्रमा करनेवाले आकाशीय पिंडों को 'उपग्रह' कहते हैं ।
- मानव निर्मित आकाशीय पिंडों को 'कृत्रिम उपग्रह' कहते हैं ।
- ये कृत्रिम उपग्रह रॉकेटों की सहायता से अंतरिक्ष में भेजे जाते हैं ।
- अब तक शार से सौ से भी अधिक कृत्रिम उपग्रहों को भेजा गया है ।
- इनसे भारत सरकार को करोडों रुपयों की आमदनी मिलती है ।
- हाल ही में एक साथ 104 कृत्रिम उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजने का श्रेय भारत को ही मिला है ।
- कृत्रिम उपग्रहों से वातावरण की जानकारी, शत्रु देशों के प्रति सावधानी, विपत्ति और खतरों की चेतावनी, जल स्रोतों की जानकारी आदि प्राप्त होती हैं ।

शब्दार्थ

हाल ही में = ఇటీవల, थोडे दिन हुए, Recently
सावधान = జాగ్రత్త, सतर्क, Alert
चेतावनी = హెచ్చరిక, संकेत, Warning
योगदान = పాత్ర, भूमिका, Role
अनुसंधान = పరిశోధన, खोज, Research
झील = సరస్సు, सरोवर, Lake
खतरा = ప్రమాదము, संकट, Hazard
आमदनी = ఆదాయము, आय, Income
वैज्ञानिक = శాస్త్రవేత్త, विज्ञान का ज्ञाता, Scientist

सुनिए-बोलिए

T6W4B4

1. शार का अर्थ क्या है ?
2. उपग्रह और कृत्रिम उपग्रह में क्या अंतर है ?
3. अंतरिक्ष अनुसंधान में भारतीय वैज्ञानिकों का क्या योगदान है ?

पढ़िए

अ) पाठ के आधार पर वाक्य पढ़कर कोष्ठक में 'हाँ' या 'नहीं' लिखिए ।

1. सुजाता अपनी पाठशाला की ओर से वैज्ञानिक यात्रा के लिए गयी थी । (**हाँ**)
2. श्रीहरिकोटा तमिलनाडु राज्य में है । (   )
3. सतीश धवन एक वैज्ञानिक थे । (   )
4. ग्रहों की परिक्रमा करनेवाले आकाशीय पिंडों को उपग्रह कहते हैं । (   )
5. रॉकेटों की सहायता से कृत्रिम उपग्रहों को समुद्र में भेजा जाता है । (   )

आ) वाक्य पढ़कर उचित शब्द से खाली जगह भरिए ।

1. धरती के ऊपर आकाश में जो शून्य दिखाई देता है, उसे........ कहते हैं । (उपग्रह / अंतरिक्ष)
2. शार को भारत सरकार ने .... में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र नाम दिया । (5 सितंबर 2002 / 5 अक्तूबर 2002)
3. श्रीहरिकोटा.......के नेल्लूरु जिले में सूल्लूरुपेट के पास है ।(आंध्रप्रदेश/तमिलनाडू)
4. सतीश धवन को ......उपाधि से सम्मानित किया गया । (पद्म भूषण / पद्मश्री)
5. मानव निर्मित आकाशीय पिंडों को ....कहते हैं । (कृत्रिम उपग्रह / उपग्रह)

इ) पाठ के आधार पर अधूरे वाक्यों को पूरा कीजिए ।

1. हाँ ! मैं ने अपना जन्मदिन ....
2. श्रीहरिकोटा, रॉकेटों के प्रयोग और ....
3. अच्छा ! तो बताओ ....
4. इन उपग्रहों के द्वारा सरकार को ....
5. हम लोगों ने रॉकेटों को अंतरिक्ष में ....

ई) गद्यांश पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए ।

भारत के पहले मंगल अभियान का नाम 'मंगलयान' है । इसका असली नाम 'मंगल कक्षित्र मिशन' है । इसे 5 नवंबर 2013 को मंगल ग्रह की परिक्रमा करने के लिए पी.एस.एल.वी-सी - 25 के द्वारा सफलता पूर्वक भेजा गया है । विश्व में अपने पहले ही प्रयास में सफ़ल होनेवाला पहला देश भारत है । इसके लिए सिर्फ 450 करोड रुपये ही खर्च हुए हैं ।

1. भारत के पहले मंगल अभियान का नाम क्या है ?
2. मंगलयान का असली नाम क्या है ?
3. मंगलयान को कब भेजा गया है ?
4. किस रॉकेट की सहायता से मंगलयान भेजा गया है ?
5. मंगलयान के लिए कितने रुपये खर्च हुए ?

लिखिए

अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में लिखिए ।

1. श्रीहरिकोटा किसके लिए प्रसिद्ध है ?
2. सुजाता ने शार केंद्र में क्या-क्या देखा ?
3. कृत्रिम उपग्रहों से क्या-क्या लाभ होते हैं ?

आ) "श्रीहरिकोटा" पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

भाषांश

अ) नीचे दिये गये शब्दों के पर्यायवाची शब्द डिब्बे में से चुनकर लिखिए ।

1. निकट - पास , करीब
2. प्रसिद्ध - .... , ...
3. सावधानी - .... , ...
4. विपत्ति - .... , ...
5. आमदनी - .... , ...

प्रमुख, सचेत, आय, मुसीबत, प्रख्यात, संकट, कमाई, सतर्क, पास, करीब

आ) रेखांकित शब्द का विलोम शब्द वाक्य में पहचानकर लिखिए ।

1. पाठशाला से रवि का घर पास है, रामू का घर दूर है । पास × दूर
2. अच्छे व्यक्ति बुरे काम नहीं करते । .... × ....
3. आमदनी के अनुसार खर्च करना चाहिए । .... × ....
4. सफ़ल बनने के लिए कई बार विफ़ल होना पडता है । .... × ....
5. भारत की ख्याति दिन-ब-दिन देश-विदेश में बढ़ती जा रही है । .... × ....

इ) पाठ में आये शब्दों को वर्ग पहेली में ढूँढ़कर लिखिए ।

रॉ	उ	म	कृ	क
के	प	अं	त्रि	रो
ट	ग्र	त	म	इ
श्री	ह	रि	को	टा
झी	ल	क्ष	शा	र

उदा : उपग्रह

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....

उ) नीचे दिये गये संख्या-शब्दों को पढ़िए और समझिए ।

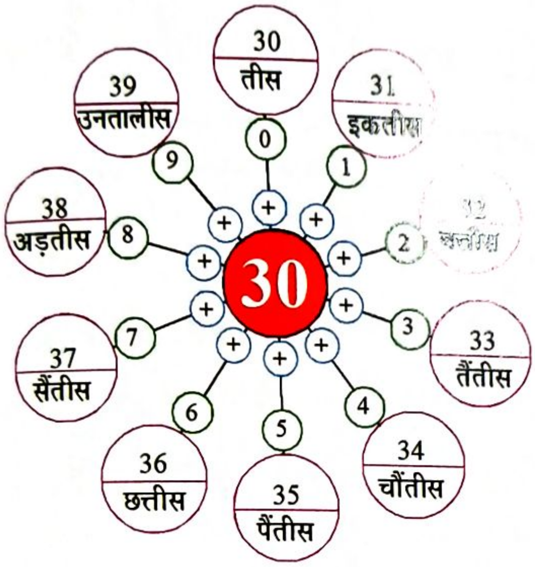

सृजनात्मकता

अ) सूचना के अनुसार अपने बारे में लिखिए ।

मेरा परिचय	अब अपना परिचय दीजिए
मेरा नाम श्रीहिता है ।	....
मैं आठवीं कक्षा में पढ़ती हूँ ।	....
मैं हर दिन पाठशाला जाती हूँ ।	....
मुझे कबड्डी खेलना पसंद है ।	....

परियोजना कार्य

विश्व के अंतरिक्ष केंद्रों की जानकारी इकट्ठा कीजिए । उनकी सूची तैयार करके कक्षा में प्रदर्शित कीजिए ।

व्याकरणांश

1. रीना **आठवीं** कक्षा में पढ़ती है ।
2. **बड़ी** खुशी से श्रीहरिकोटा में मनाया ।
3. वे भारत के **महान** वैज्ञानिक थे ।
4. **कई** बातें जान पायी ।
5. तुमने **बहुत** बढ़िया प्रश्न किया ।

ऊपर दिये गये वाक्यों में **आठवीं, बड़ी, महान, कई** और **बहुत** जैसे शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं । इस प्रकार संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बतानेवाले शब्दों को 'विशेषण' कहते हैं । विशेषण के चार भेद हैं । वे हैं -

1. **गुणवाचक विशेषण**	: किसी संज्ञा या सर्वनाम के गुण, दोष, रंग, आकार, दशा स्थिति आदि के बारे में बतानेवाला विशेषण शब्द । **उदा :** अच्छा, बुरा, लाल, नीला आदि ।
2. **संख्यावाचक विशेषण**	: किसी संज्ञा या सर्वनाम की संख्या के बारे में बतानेवाला विशेषण शब्द । **उदा :** एक, चार, आठ, सौ आदि ।
3. **परिमाणवाचक विशेषण**	: किसी संज्ञा या सर्वनाम की मात्रा को बतानेवाला विशेषण शब्द । **उदा :** थोड़ा, बहुत, कम, अधिक आदि ।
4. **सार्वनामिक विशेषण**	: सर्वनाम के रूप में रहकर संज्ञा को सूचित करानेवाला विशेषण शब्द । **उदा : यह** घर, **हमारा** देश, **मेरी** किताब आदि ।

अ) नीचे दिये गये वाक्यों में विशेषण शब्दों को रेखांकित कीजिए ।

1. डाली पर सुंदर चिड़िया है ।
2. हमें प्रथम स्थान प्राप्त हुआ ।
3. सैकड़ों वैज्ञानिकों का योगदान है ।
4. नवाज अच्छा लड़का है ।
5. भारत हमारा देश है ।

क्या आप जानते हैं ?

कल्पना चावला

अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारतीय महिलाओं ने महान उपलब्धियाँ हासिल की हैं । ऐसी महिलाओं में अंतरिक्ष की यात्रा करके भारत के नाम को ऊँचा करनेवाली नारी है - कल्पना चावला । ये अंतरिक्ष में जानेवाली प्रथम भारतीय महिला थीं ।

सीखी हुई बातें :-

1. पाठ में मुझे अच्छे लगे विषय..
2. पाठ से सीखा हुआ मूल्य ....
3. पाठ से सीखे गये नये शब्द..
4. सृजनात्मकता के आधार पर सीखा गया विषय..

अध्यापकों के लिए सूचना :-

छात्रों को भारत में निर्मित अन्य अंतरिक्ष केंद्रों के बारे में जानकारी दीजिए ।

पठन-हेतु

मैं कौन ?

पढ़िए-बूझिए

वर्षा में या धूप में,
आऊँ सबके काम,
मुझको सिर पर तानते,
बूझो मेरा नाम ।

बाहर से साधु जैसी,
जटाधारी काया,
देह भले ही सख्त,
भीतर कोमल मन है पाया ।

सब लोगों का साथ सच्चा,
पूरे घर की करता रक्षा,
नाम है क्या मेरा तुम बोलो,
घर आओ तब मुझको खोलो ।

खुली रात में पैदा होती,
हरी घास पर सोती,
मोती जैसी मूरत मेरी,
बादल की मैं पोती ।

रंग-बिरंगी पोशाकोंवाली,
फूल-फूल पर उड़ने वाली,
सब के मन को भाने वाली,
उड़ान है उसकी बड़ी निराली ।

गीत

4

X2X7W9

सोचिए-बोलिए

प्रश्न : 1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है ?

2. किसान खेतीबारी क्यों करते हैं ?

3. मोर कब नाचते हैं ?

विषय प्रवेश

हमारा भारत कृषि प्रधान देश है । किसान हमारे देश की शान हैं । कृषक जीवन के माध्यम से गीतकार भारतीयों में आशा का संचार कराते हैं । इस गीत में मानव जीवन की सार्थकता का परिचय मिलता है ।

कवि : केदारनाथ अग्रवाल

जीवन काल : सन् 1911 - सन् 2000

रचनाएँ : पहला पानी, जिंदगी, वीरांगना आदि ।

पुरस्कार : साहित्य अकादमी पुरस्कार, हिंदी संस्थान पुरस्कार आदि ।

गीत

इसी जन्म में, इस जीवन में,
हमको तुमको मान मिलेगा ।
गीतों की खेती करने को,
पूरा हिंदुस्तान मिलेगा ।

क्लेश जहाँ है, फूल खिलेगा,
हमको तुमको त्रान मिलेगा ।
फूलों की खेती करने को,
पूरा हिंदुस्तान मिलेगा ।

दीप बुझे हैं, जिन आँखों के,
उन आँखों को ज्ञान मिलेगा ।
विद्‌या की खेती करने को,
पूरा हिंदुस्तान मिलेगा ।

1. हमें मान कब मिलेगा ?
2. हमें ज्ञान पाने के लिए क्या करना चाहिए ?

मैं कहता हूँ, फिर कहता हूँ
हमको तुमको प्रान मिलेगा ।
मोरों-सा नर्तन करने को,
पूरा हिंदुस्तान मिलेगा ।

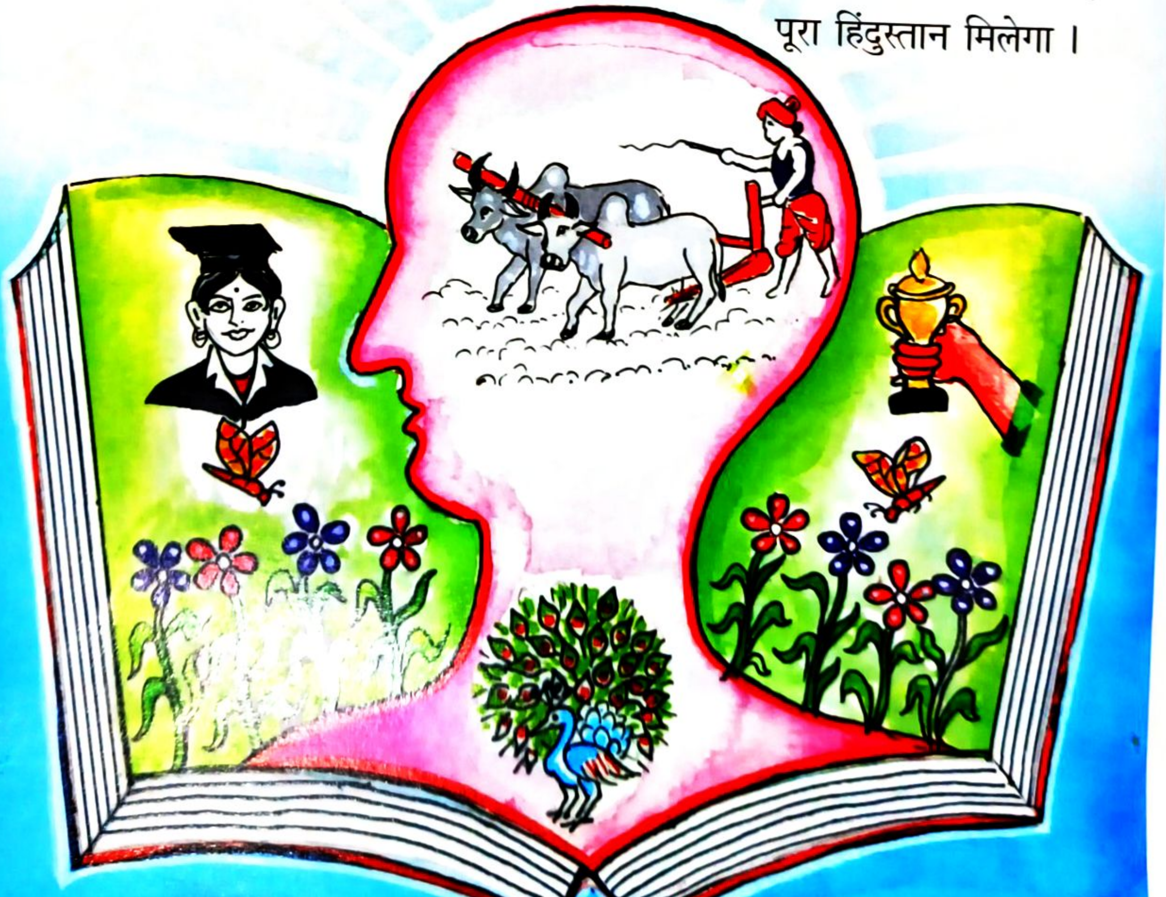

कविता का सारांश

'गीत' कविता के कवि श्री केदारनाथ अग्रवाल हैं। वे कहते हैं कि - हमारे देश में इसी जन्म में, जीवन में मान-सम्मान मिलता है। इससे जीवन की सार्थकता होती है। यहाँ दुःख नहीं, फूल जैसा सुख मिलता है। हम सब यहाँ आराम से जी सकते हैं।

अज्ञान से जो आँखें बुझी हैं, उनमें ज्ञान का दीप जलाते हैं। यहाँ मान-सम्मान के साथ-साथ अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए भरपूर अवसर भी मिलते हैं।

शब्दार्थ

मान = గౌరవము, आदर, Respect

क्लेश = కష్టం, कष्ट, Distress

प्रान = జీవితము, प्राण, Life

नर्तन = నృత్యము, नाच, Dancing

खेती = వ్యవసాయము, कृषि, Farming

त्रान = సరియైన స్థానము, स्थान, Position

ज्ञान = జ్ఞానము, जानकारी, Knowledge

पूरा = మొత్తము, समस्त, Total

सुनिए-बोलिए

L1D3A1

1. कवि की दृष्टि में 'खेती करना' का तात्पर्य क्या है ?
2. विद्या की खेती करने से क्या होगा ?
3. "मोरों-सा नर्तन ....मिलेगा" इस पंक्ति का भाव क्या है ?

पढ़िए

अ) पाठ के आधार पर वाक्यों को सही क्रम दीजिए।

1. विद्या की खेती करने को, ( )
2. उन आँखों को ज्ञान मिलेगा। ( )
3. पूरा हिंदुस्तान मिलेगा। ( )
4. दीप बुझे हैं, जिन आँखों के, (1)

आ) वाक्य पढ़कर उचित शब्द से खाली जगह भरिए।

1. गीतों की .... करने को पूरा हिंदुस्तान मिलेगा। (खेती / माटी)
2. .... जहाँ है, फूल खिलेगा। (वेश / क्लेश)
3. आँखों को .... मिलेगा। (अज्ञान / ज्ञान)
4. आँखों के .... बुझे हैं। (दीप / दृश्य)
5. मोरों - सा .... करेंगे। (नर्तन / बर्तन)

इ) पाठ के आधार पर अधूरे वाक्यों को पूरा कीजिए ।

1. इसी जन्म में, इस जीवन में, ...
2. क्लेश जहाँ है, फूल खिलेगा, ...
3. फूलों की खेती करने को, ...
4. दीप बुझे हैं, जिन आँखों के, ...
5. विद्या की खेती करने को, ...

ई) पद्यांश पढ़कर विकल्पों से प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर कोष्ठक में लिखिए ।

संगी - साथी, प्यारे-प्यारे,
घर से आते न्यारे - न्यारे ।
माता-पिता के राज दुलारे,
विद्यालय में मिलते सारे ॥
सभी यहाँ पर पढ़ने आते
उत्तम शिक्षक उन्हें पढ़ाते ॥ - **जगदीश आर्य**

1. संगी-साथी कहाँ से आते हैं ? (   )
   (A) घर से (B) बाहर से (C) जंगल से (D) विदेश से
2. ये किनके राज दुलारे हैं ? (   )
   (A) पडोसी के (B) माता-पिता के (C) व्यापारी के (D) साथी के
3. उन्हें कौन पढ़ाते हैं ? (   )
   (A) उत्तम शिक्षक (B) किसान (C) चाचा (D) चाची
4. संगी - साथी कैसे हैं ? (   )
   (A) प्यारे- प्यारे (B) धीरे-धीरे (C) भारी-भारी (D) सारी-सारी
5. इस कविता के कवि कौन हैं ? (   )
   (A) पंत (B) दिनकर (C) जगदीश आर्य (D) बच्चन

उ) पद्यांश पढ़कर तीन प्रश्न बनाइए ।

नीला अंबर साथी मेरा,
सागर मेरा मीत है ।
ऊँचा पर्वत साहस मेरा,
मन मेरा नवनीत है ।
उगता सूरज दीपक मेरा,
चंदा मेरा प्यार है ।

- **डॉ. हनुमंतु नायुडु**

उदा : अंबर कैसा है ?

लिखिए

अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में लिखिए ।

1. कविता में किसे मान मिलने की बात कही गयी है ?
2. हमें विद्‌या की खेती क्यों करनी चाहिए ?
3. कवि की दृष्टि में फूलों की खेती करने का आशय क्या है ?

आ) "गीत" कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

भाषांश

अ) नीचे दिये गये शब्दों के पर्यायवाची शब्द डिब्बे में से चुनकर लिखिए ।

1. फूल = **सुमन** , **पुष्प**
2. मान = ..., ...
3. क्लेश = ..., ...
4. आँख = ..., ...
5. नर्तन = ..., ...

पुष्प, नेत्र, सुमन, कष्ट, प्रतिष्ठा, नाच, नाट्‌य, नयन, आदर, दु:ख

आ) रेखांकित शब्द का विलोम शब्द वाक्य में पहचानकर लिखिए ।

1. गुणी लोगों की संगति से <u>मान</u> मिलता है, <u>अपमान</u> नहीं । **मान × अपमान**
2. किसी भी काम को <u>पूरा</u> करना चाहिए, न कि अधूरा । ....×..........
3. फूलों का <u>खिलना</u> और मुरझाना प्रकृति का नियम है । ....×..........
4. पूजा करते समय दीप को <u>जलाना</u> चाहिए, बुझाना नहीं । ....×..........
5. पुस्तकों को पढ़ने से <u>ज्ञान</u> मिलता हैं और अज्ञान दूर होता है । ....×..........

इ) पाठ में आये शब्दों को वर्ग पहेली में ढूँढ़कर लिखिए ।

जी	व	न	त्रा	भ
ह	गी	मा	प्रा	हिं
म	तु	त	मो	दु
फू	ल	र	द्‌या	स्ता
क्ले	श	वि	ज्ञा	न

उदा : हिंदुस्तान

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....

सृजनात्मकता

अ) इन शब्दों के अर्थ अपनी मातृभाषा में लिखिए ।

1. मान - ....
2. मोर - ....
3. त्रान - ....
4. नर्तन - ....
5. क्लेश - ....

परियोजना कार्य

अपने मन पसंद देशभक्ति गीतों को इकट्ठा कीजिए और कक्षा में सामूहिक रूप में गाइए ।

व्याकरणांश

1. हमको तुमको मान **मिलेगा** ।
2. मोर नर्तन **करते हैं** ।
3. ज्ञान का दीप **जलाते हैं** ।
4. सब अपनी प्रतिभा **दिखाते हैं** ।
5. लड़कियाँ **नाचती हैं** ।

ऊपर दिये गये वाक्यों में **मिलेगा, करते हैं, जलाते हैं, दिखाते हैं** और **नाचती हैं** जैसे शब्द किसी काम के करने या होने को बताते हैं । ऐसे शब्दों को ' क्रिया ' कहते हैं । क्रिया के दो प्रकार हैं । वे हैं -

1. अकर्मक क्रिया : इसमें क्रिया के व्यवहार का फल कर्ता पर पड़ता है ।

उदा : चलना, आना, जाना, हँसना आदि ।

2. सकर्मक क्रिया : इसमें क्रिया के व्यवहार का फल कर्म पर पड़ता है ।

उदा : पढ़ना, लिखना, खाना, पीना आदि ।

अ) नीचे दिये गये वाक्यों में क्रिया शब्दों को रेखांकित कीजिए

1. सीता पाठशाला जाती है ।
2. राकेश चित्र बनाता है ।
3. लड़की सेब खाती है ।
4. मोहन कुछ सोच रहा है ।
5. बच्ची झूले में सोती है ।

सुमित्रानंदन पंत

क्या आप जानते हैं ?

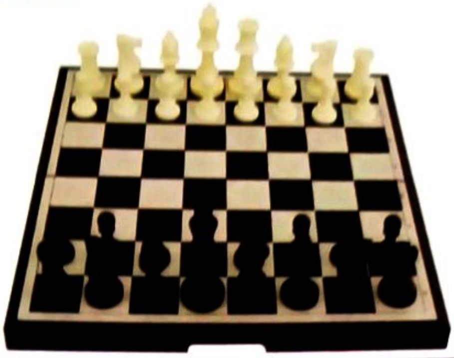

शतरंज

शतरंज एक बौद्धिक खेल है । इसमें दो व्यक्ति खेलते हैं । सन् 1989 में निकोलिक और आर्सेविक के बीच सबसे लंबा खेल खेला गया था । यह खेल 269 चालों का हुआ था । ये अब तक का एक वर्ल्ड रिकार्ड है ।

सीखी हुई बातें :-

1. पाठ में मुझे अच्छे लगे विषय..
2. पाठ से सीखा हुआ मूल्य ....
3. पाठ से सीखे गये नये शब्द ....
4. सृजनात्मकता के आधार पर सीखा गया विषय ....

अध्यापकों के लिए सूचना :-

छात्रों को केदारनाथ अग्रवाल की अन्य रचनाओं से परिचय करवाइए ।

मीराबाई

महादेवी वर्मा

सुभद्रा कुमारी चौहान

पठन-हेतु

कागज की थैली

पढ़िए-बनाइए

घरेलू अनुपयोगी चीजों से कागज की थैली तैयार करना ।

सामग्री :

कागज	रंग-बिरंगी पेंसिलें	गोंद	रस्सी	रंग-बिरंगे बटन	टोचा / सूजा

कागज की थैली यूँ बनाई जाती है -

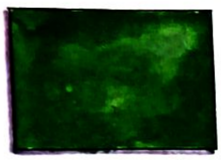	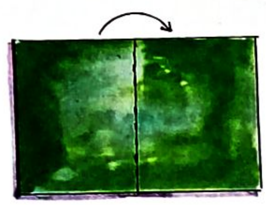	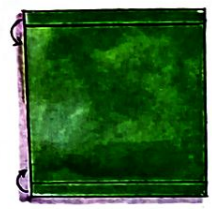	
अपनी रुचि के आकार का कागज लीजिए ।	कागज को बीच से मोड़िए ।	कागज को ऊपर-नीचे से थोड़ा-थोड़ा मोड़िए ।	कागज के ऊपर-नीचे मोड़े हुए भाग को गोंद से चिपकाइए ।
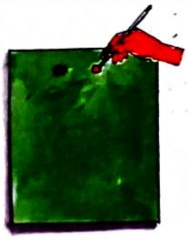			
बड़ों की सहायता से अब कागज के खुले भाग में छेद कीजिए । (टोचे / सूजे की सहायता से)	छेद में रस्सी डालकर अंदर की ओर गाँठ बाँधिए ।	अब सजावट के लिए चारों कोनों तथा बीच में बटन चिपकाइए ।	तैयार कागज की थैली पर सामने के भाग में अपना नाम लिखिए ।

5

कूड़ेदान

Q4V6L1

सोचिए-बोलिए

प्रश्न : 1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है ?

2. सफ़ाई क्यों करनी चाहिए ?

3. हमें कचरे को कहाँ डालना चाहिए ?

विषय प्रवेश

घर, गाँव, गली और मोहल्ले की गंदगी देखकर, लोग मुँह ढ़क लेते हैं। भौंहें सिकोड़ते हैं। लेकिन कूड़ेदान उसी गंदगी को ढ़ोते हुए सबको बीमारियों से बचाता है। गाँव और शहरों को साफ़-सुथरा रखता है। चलो !... आज हम कूड़ेदान के बारे में जानेंगे।

कूड़ेदान

मैं कई रंगों में मिलता हूँ। मेरे कई आकार हैं। घर, स्कूल, दफ़्तर हो या सड़क, मैं सब जगह रहता हूँ।

आप सोच रहे होंगे।
मैं कौन हूँ ?
चीज हूँ मैं बड़े काम की, सोचो मेरा नाम,
ज्यादा नहीं है मेरा दाम, आता हूँ मैं सब के काम।

अब तो समझे, हाँ ! मेरा नाम ''कूड़ेदान'' है। आज मैं आपको पते की बात बताता हूँ। संसार में एक मात्र मैं ही हूँ, जो अपने शरीर पर लिखकर चलता हूँ (USE ME) ''मेरा उपयोग करें।''

पहले लोग पुरानी बाल्टी, डिब्बा या किसी भी टूटी हुई चीज़ का उपयोग कूड़ा डालने के लिए करते थे। पर अब समय बदल गया है। अब मैं प्लास्टिक टीन, गत्ते, लोहे व स्टील से बनाया जाने लगा हूँ। पहले तो मेरा मुँह खुला रहता था। अब तो मैं ने ढक्कन लगवा लिया है। जब मेरी आवश्यकता हो, ढक्कन खोलो और मुझे उपयोग में लाओ।

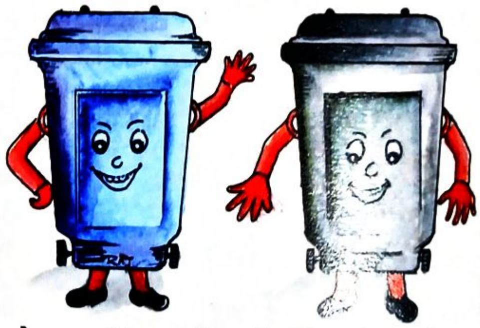

जागो लोगो ! जागो ! संसार में चीजें बदलती रहती हैं। मैं भी हर दिन परिवर्तन कर रहा हूँ। अब मैं ने अपने भाइयों को भी काम करना सिखा दिया है। नीले व काले कूड़ेदान मेरे भाई हैं और मैं हूँ हरा कूड़ेदान। आप मेरे नीले भाई का उपयोग ऐसा कूड़ा डालने के लिए कर सकते हैं, जो नष्ट नहीं होता, जैसे - प्लास्टिक, लोहा आदि। काले भाई का उपयोग जीवाणु फैलानेवाली वस्तुओं को डालने के लिए होता है। जैसे - प्रयोग के बाद पट्टी, रक्त से [illegible] इंजेक्शन की सुई आदि।

मेरा उपयोग आप नष्ट होनेवाला कूड़ा डालने के लिए कर सकते हैं। जैसे - सब्जी या फलों के छिलके आदि।

1. लोग पहले कूड़ा डालने के लिए किनका उपयोग करते थे ?
2. कूड़ेदान कितने प्रकार के होते हैं ?

आपको एक बात बताऊँ ! जब आप मेरा उपयोग करते हैं तो मुझे बहुत खुशी मिलती है । परंतु जब आप कूड़ा इधर-उधर फेंकते हैं, तो मुझे बहुत दुख होता है । आप जानते हैं कि मुझे उपयोग में न लाकर आप तरह-तरह की बीमारियों को आमंत्रित कर रहे हैं ।

यदि आप कूड़ा इधर-उधर फेंकेंगे, तो गंदगी फैलती है । गंदगी से हैजा, पेचिश और डेंगू जैसे भयानक रोगों के फैलने की संभावना है । यह सच है कि स्वास्थ्य हमारे लिए अनमोल ख़जाना है । कोई व्यक्ति चाहे कितना भी धनवान क्यों न हो ? यदि उसका स्वास्थ्य ठीक नहीं है, तो उसके लिए सभी सुख बेकार हैं । रोगी व्यक्ति तो कोई भी कार्य ठीक तरह से नहीं कर पाता है । केवल स्वस्थ व्यक्ति ही सभी सुखों को पा सकता है । इसलिए यह ध्यान में रखना चाहिए कि आप कूड़ा करकट डालने के लिए अधिक से अधिक मेरा उपयोग करें अन्यथा नुकसान आपका ही होगा ।

स्वच्छता का संदेश देने, आया कूड़ेदान ।
स्वच्छता का कार्य, है बड़ा महान ॥
गंदगी से फैले बीमारी,
स्वच्छता की आई अब बारी ।
आओ बीमारियाँ भगाएँ सारी,
जिंदगी नीरोग बनाएँ हमारी ॥

3. कूड़ा इधर-उधर फेंकने से क्या होगा ?

पाठ के मुख्य बिंदु

* कूड़ेदान कई रंग और आकार के होते हैं । सभी जगहों पर इसकी आवश्यकता है ।
* प्लास्टिक टीन, गत्ते, लोहे व स्टील ... आदि सामग्री कूड़ेदान बनाने के लिए इस्तेमाल करते हैं ।
* नष्ट नहीं होनेवाले प्लास्टिक, लोहा जैसे - कचरे को नीले रंग के कूड़ेदान में डालना चाहिए ।
* जीवाणु फैलानेवाले जैसे - प्रयोग के बाद पट्टी, रक्त से सनी इंजेक्शन की सुई आदि को काले रंग के कूड़ेदान में डालना चाहिए ।
* नष्ट होनेवाला कचरा जैसे-सब्जी व फलों के छिलके आदि को हरे रंग के कूड़ेदान में डालना चाहिए।
* कूड़ा इधर-उधर फेंकने से हैजा, पेचिश, डेंगू जैसी बीमारियाँ फैलने की संभावना है ।
* इसलिए हमें कूड़ेदान का उपयोग करके बीमारियों से बचना चाहिए ।

शब्दार्थ

अनमोल = అమూల్యమైన, अमूल्य, Invaluable
नुकसान = నష్టం, हानि, Harm
आमंत्रण = ఆహ్వానము, आह्वान, Invitation
परिवर्तन = మార్పు बदलाव, Change
नीरोग = ఆరోగ్యం, स्वस्थ, Healthy
खजाना = ఖజానా, निधि, Treasury
पेचिश = విరేచనాలు, दस्त, Dysentery
जीवाणु = సూక్ష్మజీవి, कीटाणु, Bacteria
दफ़्तर = కార్యాలయము, कार्यालय, Office
गंदगी = మురికి, मैल, Dirt
गत्ता = పెట్టెల తయారీకి ఉపయోగించే అట్ట, मोटा कागज, कागज़ की दफ़्ती = Card Board

सुनिए-बोलिए

P8I2A5

1. हमारे जीवन में सफ़ाई की आवश्यकता क्यों है ?
2. प्लास्टिक कचरा फैलने से क्या होगा ?
3. सूखा कचरा और गीला कचरा को क्यों अलग करना चाहिए ?

पढ़िए

अ) पाठ के आधार पर वाक्य पढ़कर कोष्ठक में 'हाँ' या 'नहीं' लिखिए।

1. कूड़ेदान के कई आकार हैं । (हाँ)
2. कूड़ेदान का दाम ज्यादा है । (   )
3. पहले कूड़ेदान का मुँह खुला रहता था । (   )
4. कूड़ा इधर-उधर फेंकने से कूड़ेदान को बहुत खुशी मिलती है । (   )
5. कूड़ेदान का उपयोग करने से नुकसान हमारा ही होगा । (   )

आ) पाठ के आधार पर वाक्यों को सही क्रम दीजिए ।

1. अपने शरीर पर लिखकर चलता हूँ 'मेरा उपयोग करें' । ( )
2. मैं भी हर दिन परिवर्तन कर रहा हूँ । ( )
3. अब तो मैं ने ढक्कन लगवा लिया है । ( )
4. रोगी व्यक्ति तो कोई भी कार्य ठीक तरह से नहीं कर पाता है । ( )
5. घर, स्कूल, दफ़्तर हो या सड़क, मैं सब जगह रहता हूँ । (1)

इ) वाक्य पढ़कर उचित शब्द से खाली जगह भरिए ।

1. .... में चीजें बदलती रहती है । (वातावरण / संसार)
2. नीले व काले ये कूड़ेदान मेरे .... हैं । (भाई / दादा)
3. काले भाई का उपयोग.........फैलाने वाले वस्तुओं को डालने के लिए होता है । (जीवाणु / गंदगी)
4. जब आप मेरा उपयोग करते हैं तो मुझे बहुत .... मिलती है । (खुशी / खेद)
5. कूड़ा इधर-उधर फेंकेंगे तो .... फैलेगी । (गंदगी / स्वच्छता)

ई) पाठ के आधार पर अधूरे वाक्यों को पूरा कीजिए ।

1. मैं कई रंगों में ....
2. अब तो समझे, हाँ ! ....
3. जागो लोगो ! ....
4. यह सच है कि ....
5. स्वच्छता का कार्य ....

उ) गद्यांश पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए ।

बढ़ती जनसंख्या के साथ जल की आवश्यकता भी तेजी से बढ़ रही है । जल सीमित मात्रा में मिलता है । जल स्रोतों जैसे - नदी, तालाब, कुएँ आदि से जल का उपयोग ज्यादा होने के कारण पानी की कमी हो रही है । इसलिए पानी को सावधानी से उपयोग करना चाहिए । व्यर्थ जल को साफ करके ही कुछ विशेष कार्यों के लिए उपयोग में लाया जाता है ।

1. हर दिन किसकी आवश्यकता बढ़ रही है ?
2. जल स्रोत क्या-क्या हैं ?
3. हमें उपलब्ध पानी का उपयोग कैसे करना चाहिए ?
4. हम व्यर्थ जल को क्या कर सकते हैं ?
5. किसकी मात्रा सीमित है ?

ऊ) गद्‌यांश पढ़कर तीन प्रश्न बनाइए ।

एक मकड़ी गुफ़ा की छत पर चढ़ने की कोशिश कर रही थी । उसने थोड़ा-सा जाला भी बुन रखा था । वह बार-बार ऊपर चढ़ने की कोशिश करती और फिसल कर नीचे गिर जाती थी । चढ़ने के इरादे को मज़बूत किया । थोड़ी देर रुकी, दीवार की ओर फिर चल पड़ी । आधा रास्ता तय करने पर कुछ देर रुकी और फिर अगला सफ़र शुरु किया । इस बार वह छत पर चढ़ने में सफल हो गयी ।

उदा : मकड़ी किस पर चढ़ने की कोशिश कर रही थी ?

ऋ) रिसाइकिल और रियूज दूवारा किससे क्या बनता है ? जोड़ी बनाइए ।

(टायर, कागज़, प्लास्टिक बोतल, बल्ब और बोतल)

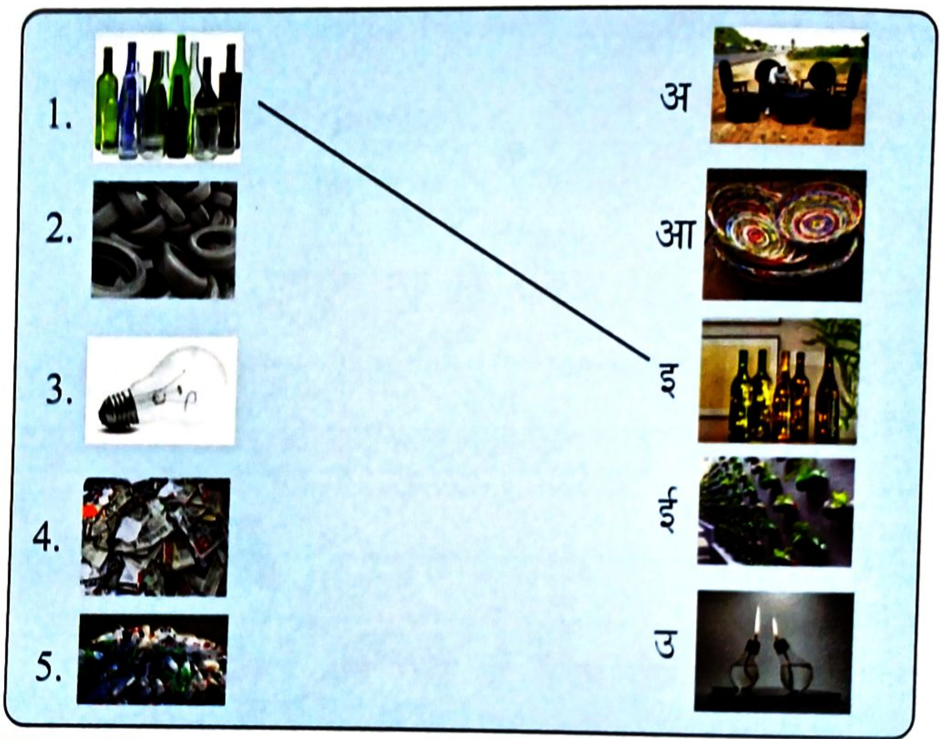

लिखिए

अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में लिखिए ।

1. सफाई रखने के लिए तुम क्या करते हो ?
2. तुम नीले रंग के कूड़ेदान का उपयोग कैसे करते हो ?
3. 'स्वास्थ्य हमारे लिए अनमोल ख़जाना है ।' इसका तात्पर्य क्या है ?

आ) 'स्वच्छता और सफ़ाई ' देश की प्रगति के सूचक हैं । इस पर [illegible]ने विचार व्यक्त कीजिए ।

भाषांश

अ) नीचे दिये गये शब्दों के पर्यायवाची शब्द डिब्बे में से चुनकर लिखिए।

1. सड़क - रास्ता राह
2. चीज़ - .... , ...
3. धरती - .... , ...
4. खुश - .... , ...
5. धन - .... , ...

संपदा, भूमि, रास्ता, हर्ष, वस्तु, पृथ्वी, राह, पदार्थ, आनंद, अर्थ

आ) सही विलोम शब्द से पत्तों की जोड़ी बनाइए।

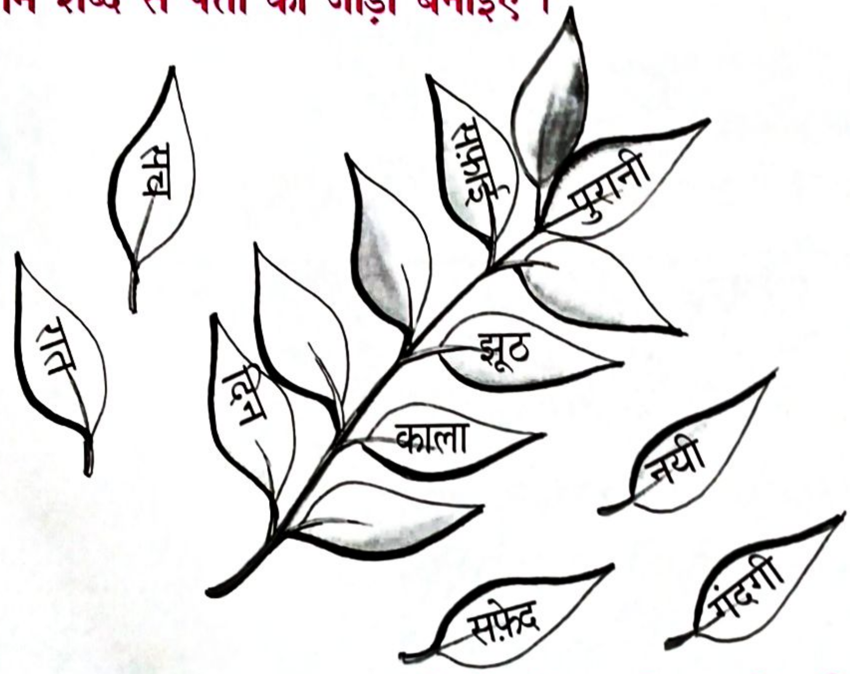

इ) शब्द तालिका में दिये गये वस्तुओं के नामों को उचित कूड़ेदान की तालिका में लिखिए।

प्रयोग के बाद पट्टी, लोहा, फलों के छिलके, चाय पत्ती, बोतल, सब्जी, चप्पल, बायो मेडिकल वेस्ट, एक्सपायर दवाएँ, फूल, प्लास्टिक, रक्त से सनी इंजेक्शन

ई) नीचे दिये गये संख्या-शब्दों को पढ़िए और समझिए ।

सृजनात्मकता

अ) पुस्तक की आत्मकथा पढ़िए और आप कलम की आत्मकथा लिखिए ।

पुस्तक की आत्मकथा	कलम की आत्मकथा
1. मैं पुस्तक हूँ ।	....
2. मैं ज्ञान का भंडार हूँ ।	....
3. मुझे पढ़कर मनुष्य विद्वान बनता है ।	....
4. मैं चाहती हूँ कि लोग मुझे फाड़े नहीं ।	....
5. मुझे सही ढंग से रखें और उपयोग करें ।	....

आ) परियोजना कार्य

'स्वच्छ भारत अभियान' से संबंधित चित्र इकट्ठा कर कक्षा में प्रदर्शित कीजिए ।

व्याकरणांश

अब तो समझे, हाँ ! मेरा नाम 'कूड़ेदान' है । आज मैं आपको पते की बात बताता हूँ । संसार में एक मात्र मैं ही हूँ, जो अपने शरीर पर लिखकर चलता हूँ - (USE ME) "मेरा उपयोग करें ।"

ऊपर दिये गये अनुच्छेद में कुछ चिह्न आये हैं । जैसे - (,), (।), (!), (-), (' '), (" ") इन चिह्नों को 'विराम चिह्न' कहते हैं । बोलते अथवा पढ़ते समय अपनी बात को ठीक से कहने के लिए कुछ देर रुकना पड़ता है । रुकने की यह क्रिया

व्याकरण की भाषा में 'विराम' कहलाती है। लेखों में जिन लिखित चिह्नों या संकेतों का उपयोग किया जाता है, उन्हें 'विराम चिह्न' कहते हैं। इनके उचित प्रयोग से ही भावों में स्पष्टता आती है। मुख्य विराम चिह्न निम्न प्रकार हैं -

अल्प विराम	,	योजक	-
अर्ध विराम	;	निर्देशक	—
पूर्ण विराम	।	अवतरण चिह्न	' '
प्रश्न चिह्न	?	उद्धरण चिह्न	" "
विस्मयवाचक चिह्न	!	कोष्ठक चिह्न	( )

क्या आप जानते हैं ?

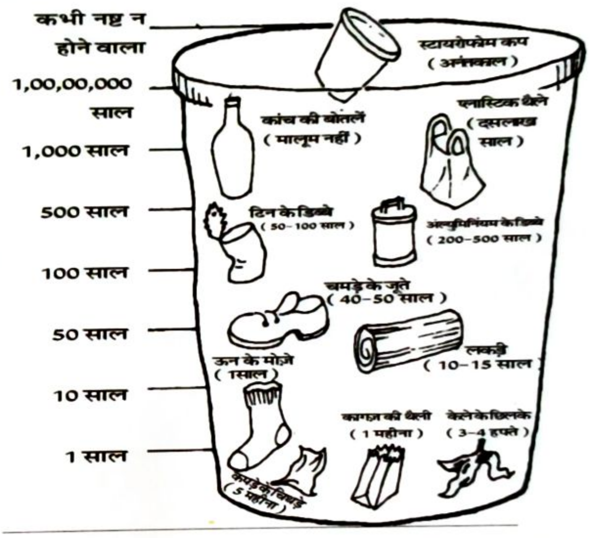

कचरे का जीवनकाल

सीखी हुई बातें :-

1. पाठ में मुझे अच्छे लगे विषय ....
2. पाठ से सीखा हुआ मूल्य ....
3. पाठ से सीखे गये नये शब्द ....
4. सृजनात्मकता के आधार पर सीखा गया विषय ....

अध्यापकों के लिए सूचना :-

अध्यापक छात्रों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करें तथा अपने आस-पास साफ़-सफ़ाई बनाए रखने के लिए प्रेरित कीजिए।

पठन-हेतु

जरा मुस्कुराइए
(चुटकुले)

पढ़िए-हँसिए

जंगल में हाथी जा रहा था। उसके पीछे दो चूहे आ रहे थे। एक चूहा दूसरे चूहे से बोला इस हाथी से पुराना हिसाब चुकाना है, तू बोले तो मैं इसे लंगड़ी मारकर गिरा दूँ ?

दूसरा चूहा - छोड़ रहने दे, हम दो हैं और वो अकेला। लोग क्या सोचेंगे कि दो चूहों ने मिलकर बेचारे एक अकेले हाथी को गिरा दिया।

टीचर (छात्र से) : न्यूटन की गति का तीसरा नियम बताओ।

छात्र : जी, हर एक क्रिया के विपरीत प्रतिक्रिया होती है।

टीचर : ऐसे नहीं उदाहरण सहित बताओ।

छात्र : जी, मैं जितना आगे पढ़ता जाता हूँ, उतना ही पीछे भूलता भी जाता हूँ।

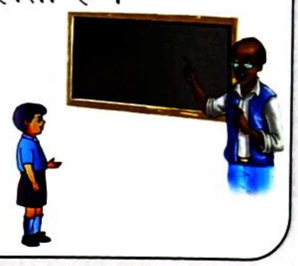

संता - डॉक्टर साहब, मुझे एक समस्या है ?

डॉक्टर - क्या ?

संता - बात करते वक्त आदमी दिखाई नहीं देता।

डॉक्टर - ऐसा कब होता है ?

संता - फोन करते समय .... ।

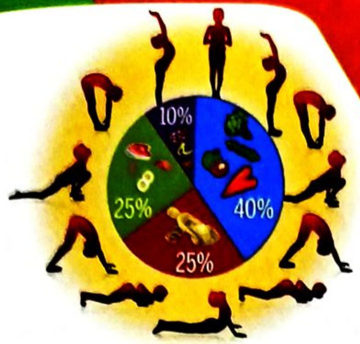

6

मित्र को पत्र

S7N9G4

सोचिए-बोलिए

प्रश्न : 1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है ?
2. पत्र में किसे संबोधित किया गया है ?
3. तुम किसे पत्र लिखना चाहते हो ?

विषय प्रवेश

पत्र लेखन गद्य की एक प्रमुख विधा है । इसके माध्यम से हम अपनी भावनाओं को लिखकर बता सकते हैं । परिवार के सदस्यों, बंधुओं और मित्रों को पत्र के द्वारा अपने बारे में जानकारी दे सकते हैं । आज हम एक मित्र के द्वारा लिखे गये पत्र के बारे में परिचय प्राप्त करेंगे ।

मित्र को पत्र

कड़पा,
दिनांक: 23.09.2022.

प्रिय मित्र कृषित,

मैं यहाँ कुशल हूँ । आशा है कि तुम भी वहाँ सकुशल हो । तुम्हारी पढ़ाई अच्छी तरह चल रही होगी । हमें पढ़ाई के साथ-साथ स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना ज़रूरी है । आजकल कोविड़-19 जैसी संक्रामिक बीमारियाँ फैल रही हैं । ऐसे समय में सावधान रहना चाहिए । हम अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाये रखेंगे तो सुरक्षित रह पायेंगे । इसके लिए हमें अच्छी आदतों का पालन करना चाहिए ।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए संतुलित भोजन एक महत्वपूर्ण आधार है । इसमें प्रोटीन, विटामिन, वसा, कार्बोहाइड्रेट, खनिज़ लवण आदि सभी पोषक तत्व पाये जाते हैं, जो हमें अनाज़, दाल, हरी सब्जियाँ, फल, दूध, अंडा आदि में मिलते हैं ।

नियमित रूप से स्वच्छ जल का सेवन करना चाहिए । इससे शरीर में रक्त संचार ठीक रहता है । शरीर का तापमान संतुलित रहता है । आदमी को हर रोज़ कम-से-कम दो से चार लीटर पानी पीना चाहिए ।

1. संतुलित भोजन में क्या-क्या तत्व पाये जाते हैं ?
2. स्वच्छ जल पीने से क्या लाभ हैं ?

शरीर को स्वस्थ और दृढ़ बनाने के लिए नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए । जिससे हमारी कार्य कुशलता बढ़ती है । व्यायाम के साथ-साथ कबड्डी, वालीबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट जैसे खेल खेलना चाहिए । मानसिक स्वास्थ्य के लिए शतरंज, सुडोकू जैसे खेल भी खेलना चाहिए ।

शारीरिक और मानसिक तनाव को दूर करने के लिए आजकल 'योगाभ्यास' को अधिक महत्व दिया जा रहा है। योगाभ्यास सूर्य नमस्कार से आरंभ किये जाते हैं। इसमें आसन और प्राणायाम का प्रमुख स्थान है। इससे हमारी प्रतिरोधक शक्ति बढ़ती है।

मैं इन नियमों का पालन करके स्वस्थ रहता हूँ। आशा है कि तुम भी इन नियमों का पालन करके स्वस्थ रहो।

तुम्हारे माता-पिता को मेरा प्रणाम कहना।

तुम्हारा प्रिय मित्र,
अयान।

पता :
कृषित,
घ.नं. 10-688, अशोक नगर,
विजयवाड़ा।

पाठ के मुख्य बिंदु

- इस पाठ में स्वास्थ्य के महत्व के बारे में बताया गया है।
- संक्रमिक बीमारी फैलते समय सावधान रहना चाहिए।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए संतुलित भोजन की आवश्यकता है।
- स्वच्छ जल के सेवन से रक्त संचार और शरीर का तापमान संतुलित रहता है।
- शरीर को चुस्त और दृढ़ बनाने के लिए व्यायाम करना चाहिए।
- शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए 'योगाभ्यास' भी करना चाहिए।
- इन नियमों का पालन करके हम स्वस्थ रह सकते हैं।

शब्दार्थ

पढ़ाई = చదువు, अध्ययन, Studies
महत्वपूर्ण = ముఖ్యమైన , मुख्य, Important
नियमित = నియమానుసారం, नित्य, Regularly
प्रतिरोधक = నిరోధకం, रोकनेवाला, Resistant
संक्रामिक = అంటువ్యాధి, जो संसर्ग से फैलता हो, Contagious
तनाव = ఒత్తిడి, परेशानी, Tention
आदत = అలవాటు, अभ्यास, Habit
शतरंज = చదరంగం, चतुरंग,Chess

C2C5G8

सुनिए-बोलिए

1. संतुलित भोजन में क्या-क्या होना चाहिए ?
2. व्यायाम करने से क्या लाभ हैं ?
3. कोविड़ - 19 कैसे फैलता है ?

पढ़िए

अ) पाठ पढ़कर वाक्यों का सही जोड़ी बनाइए ।

1. तुम्हारी पढ़ाई अच्छी	(ई)	अ) भोजन एक महत्वपूर्ण आधार है
2. शरीर का तापमान	( )	आ) हमारी कार्य कुशलता बढ़ती है
3. इसमें आसन और	( )	इ) संतुलित रहता है ।
4. अच्छे स्वास्थ्य के लिए संतुलित	( )	ई) तरह चल रही होगी ।
5. व्यायाम करना चाहिए जिससे	( )	उ) प्राणायाम का प्रमुख स्थान है ।

आ) पाठ के आधार पर वाक्यों को सही क्रम दीजिए ।

1. आशा है कि तुम भी वहाँ सकुशल हो । (1)
2. आजकल 'योगाभ्यास' को अधिक महत्व दिया जा रहा है । (   )
3. इससे शरीर में रक्त संचार ठीक रहता है । (   )
4. ऐसे समय में सावधान रहना चाहिए । (   )
5. नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए । (   )

इ) वाक्य पढ़कर उचित शब्द से खाली जगह भरिए ।

1. हमें पढ़ाई के साथ-साथ .... पर भी ध्यान देना ज़रूरी है । (खेल / स्वास्थ्य)
2. नियमित रूप से स्वच्छ ..... का सेवन करना चाहिए । (दूध / जल)
3. ... स्वास्थ्य के लिए शतरंज, सुडोकू जैसे खेल खेलना चाहिए ।(मानसिक /शारीरिक)
4. इससे .... प्रतिरोधक शक्ति बढ़ती है । (आपकी / हमारी)
5. माता-पिता को मेरा .... कहना । (शुभोदय / प्रणाम)

ई) पाठ के आधार पर अधूरे वाक्यों को पूरा कीजिए ।

1. आशा है कि तुम भी इन नियमों का ....
2. व्यायाम के साथ-साथ कबड्डी, वालीबॉल, ...
3. आजकल कोविड-19 जैसी ....
4. ये हमें अनाज़, दाल, हरी सब्जियाँ, ...
5. इसके लिए हमें अच्छी ....

उ) गद्यांश पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए ।

'आयुष्मान भारत' केंद्र सरकार की एक स्वास्थ्य योजना है । इस योजना को पूरे भारत में 1 अप्रैल 2018 से लागू किया गया था । इसके अंतर्गत हर लाभार्थी को पाँच लाख रुपयों का बीमा दिया जाता है । इस योजना से इलाज कराने पर अस्पतालों का जो खर्च आता है, उसे सरकार की ओर से चुकाया जाता है । लग-भग दस करोड़ परिवार इस योजना से लाभ उठा रहे हैं ।

1. केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजना का नाम क्या है ?
2. यह योजना कब से लागू की गयी ?
3. लाभार्थी को कितने रूपयों का बीमा दिया जाता है ?
4. इस योजना की विशेषता क्या है ?
5. इस योजना से कितने परिवार लाभ उठा रहे हैं ?

लिखिए

अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में लिखिए ।

1. स्वच्छ जल पीना चाहिए । क्यों ?
2. योगाभ्यास के बारे में तीन वाक्य लिखिए ।
3. खेलों से क्या लाभ हैं ?

आ) पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

भाषांश

अ) नीचे दिये गये शब्दों के पर्यायवाची शब्द डिब्बे में से चुनकर लिखिए ।

1. स्वास्थ्य – सेहत , आरोग्य
2. आधार – .... , ...
3. जल – .... , ...
4. क्षमता – .... , ...
5. ख्याति – .... , ...

मूल, पानी, सेहत, योग्यता, नीर, कीर्ति, नींव, आरोग्य शक्ति, यश

आ) रेखांकित शब्द का विलोम शब्द वाक्य में पहचानकर लिखिए ।

1. जीवन में आशा की किरण निराशा को दूर करती है । आशा × निराशा
2. पढ़ाई जीवन का महत्वपूर्ण भाग है, इसे महत्वहीन मत समझना । ....×.........
3. संतुलित भोजन से हमारा स्वास्थ्य असंतुलित नहीं होता । ....×.........
4. व्यायाम से शारीरिक क्षमता बढ़ेगी अक्षमता दूर हो जाएगी । ....×.........
5. हमारा भारत प्राचीन देश है और यहाँ अनेक नवीन खोज हो रहे हैं ।.........×.........

इ) पाठ में आये शब्दों को वर्ग पहेली में ढूँढ़कर लिखिए ।

श	मी	प	ढ़ा	ई
त	ता	व	क्ष	व्या
रं	प	फ	म	या
ज	मा	ल	ता	म
मा	-ना	सि	क	श

उदा : व्यायाम

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....

सृजनात्मकता

अ) उदाहरण के अनुसार आप अपनी डायरी लिखिए ।

ये मेरी डायरी है ।	अब आप अपनी डायरी लिखिए ।
दिनांक : 18-06-2022	....
आज सोमवार है ।	....
मैं ने सबेरे उठा और स्नान किया ।	....
नाश्ता करके स्कूल गया ।	....
स्कूल में नये विषयों को सीखा ।	....
शाम को घर लौटा ।	....

परियोजना कार्य

विटामिनों के नाम, मिलनेवाले पदार्थों के नाम और उनकी उपयोगिता की तालिका तैयार कीजिए ।

विटामिन	मिलनेवाले पदार्थ	उपयोगिता

व्याकरणांश

1. मैं **यहाँ** कुशल हूँ।
2. तुम्हारी पढ़ाई **अच्छी तरह** चल रही होगी।
3. शरीर में रक्त संचार **ठीक** रहता है।
4. **ऐसे** समय में सावधान रहना चाहिए।
5. **आजकल** योगाभ्यास को भी अधिक महत्व दिया जा रहा है।

ऊपर दिये गये वाक्यों में **यहाँ, अच्छी तरह, ठीक, ऐसे** और **आजकल** जैसे शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं। क्रिया की विशेषता बतानेवाले शब्दों को 'क्रिया विशेषण' कहते हैं। क्रिया विशेषण के चार भेद हैं। वे हैं -

1. **स्थानवाचक क्रिया विशेषण** : जिन शब्दों से क्रिया के स्थान का पता चलता है।
   उदा : यहाँ, वहाँ, नीचे, ऊपर आदि।
2. **कालवाचक क्रिया विशेषण** : जिन शब्दों से क्रिया के समय का पता चलता है।
   उदा : अब, आज, कल, सदा आदि।
3. **परिमाणवाचक क्रिया विशेषण** : जिन शब्दों से क्रिया की परिमाण की पता चलता है।
   उदा : कम, बहुत, इतना, उतना आदि।
4. **रीतिवाचक क्रिया विशेषण** : जिन शब्दों से क्रिया के होने की रीति का पता चलता है।
   उदा : ऐसा, वैसे, धीरे-धीरे, तेज आदि।

अ) नीचे दिये गये वाक्यों में क्रिया विशेषण शब्दों को रेखांकित कीजिए।

1. रानी प्रतिदिन पढ़ती है।
2. बच्चे बाहर खेलते हैं।
3. लीला परसों आयेगी।
4. दादी धीरे-धीरे चलती हैं।
5. रवि ने लड्डू खूब खाये।

क्या आप जानते हैं ?

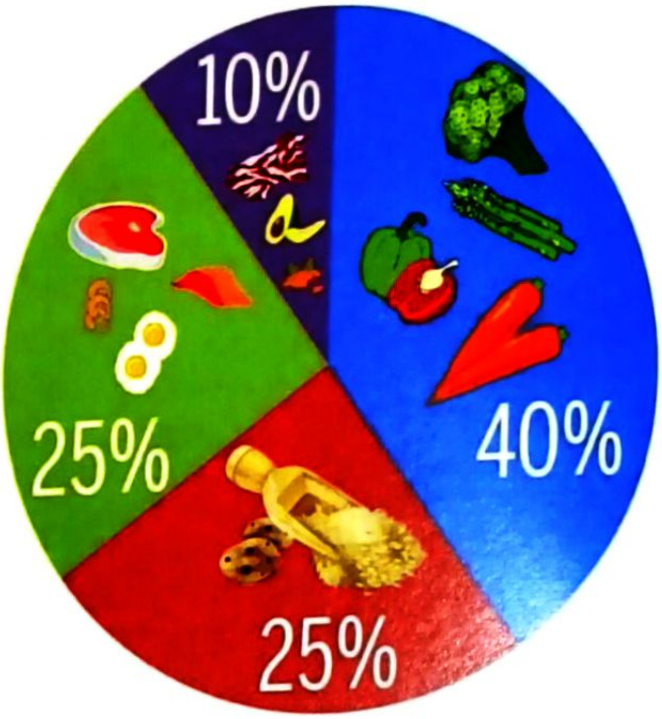

संतुलित भोजन के लिए चाहिए ।

सब्जियाँ	40%
अनाज	25%
प्रोभूजिन	25%
फल	10%

सीखी हुई बातें :-

1. पाठ में मुझे अच्छे लगे विषय ....
2. पाठ से सीखा हुआ मूल्य ....
3. पाठ से सीखे गये नये शब्द ....
4. सृजनात्मकता के आधार पर सीखा गया विषय ....

अध्यापकों के लिए सूचना :-

'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के बारे में जानकारी इकट्ठा करके छात्रों को बताइए ।

सेमिस्टर-2

क्या...कहाँ ?

क्र.सं.	पाठ का नाम	विधा	पृष्ठ सं.
7.	धरती की शान	कविता	55
8.	परिश्रम का फल	कहानी	63
9.	सरदार (वल्लभ भाई पटेल)	जीवनी	71
	सावित्रीबाई फुले (पठन हेतु)	जीवनी	80
10.	मधुरवाणी	प्राचीन पद्य	81
11.	भाई का प्रेम	कहानी	89
	हम सब धरती की संतान (पठन हेतु)	वार्तालाप	96
12.	जो देखकर भी नहीं देखते	संस्मरण	97

7

धरती की शान

T2G3H4

सोचिए-बोलिए

आरज़ू बस यही है
मेरी हर सांस देश के नाम हो
जो सिर उठे तो मेरे सामने तिरंगा हो
जो सिर झुके तो वतन को प्रणाम हो ।

प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है ?
2. चित्र में कौन-कौन हैं ?
3. इन्होंने किस देश की महानता का परिचय दिया है ?

विषय प्रवेश

मनुष्य सबसे बुद्धिमान प्राणी है। उसमें अनेक प्रकार की शक्तियाँ छिपी हुई हैं। मनुष्य के लिए कोई भी कार्य कठिन नहीं है, वह जो चाहे कर सकता है। यही भाव इस कविता के द्वारा प्रकट किया गया है।

कवि का नाम : पंडित भरत व्यास

जीवन काल : सन् 1918 - सन् 1982

विशेषता : हिंदी फिल्मों के प्रमुख गीतकार

धरती की शान

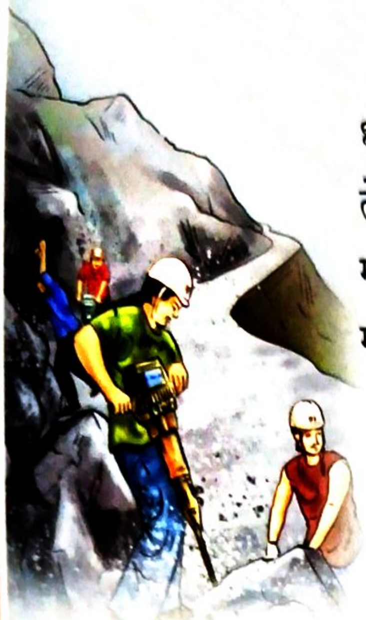

धरती की शान तू भारत की संतान,
तेरी मुट्ठियों में बंद तूफ़ान है रे,
मनुष्य तू बड़ा महान है भूल मत,
मनुष्य तू बड़ा महान है ।।

तू जो चाहे पर्वत पहाड़ों को फोड़ दे,
तू जो चाहे नदियों के मुख को भी मोड़ दे,
तू जो चाहे माटी से अमृत निचोड़ दे,
तू जो चाहे धरती को अंबर से जोड़ दे,
अमर तेरे प्राण, मिला तुझको वरदान,
तेरी आत्मा में स्वयं भगवान है रे ।।

धरती सा धीर, तू है अग्नि सा वीर,
तू जो चाहे तो काल को भी थाम ले,
पापों का प्रलय रुके, पशुता का शीश झुके,
तू जो अगर हिम्मत से काम ले,
गुरू सा मतिमान, पवन सा तू गतिमान,
तेरी नभ से भी उँची उड़ान है रे ।।

1. मनुष्य को कौन-सा वरदान मिला है ?
2. कवि ने भारत की संतान से क्या कह रहा है ?
3. मनुष्य हिम्मत से क्या-क्या कर सकता है ?

कविता का सारांश

'धरती की शान' कविता के कवि पंडित भरत व्यास हैं। वे कहते हैं कि मनुष्य धरती की शान और भारत की संतान है। वह अपनी शक्ति से धरती की शान बढ़ा सकता है। वह बड़ा ही महान है।

मनुष्य, पर्वतों को फोड़ सकता है। नदियों की धारा को मोड़ सकता है। मिट्ठी से अमृत जैसी फसल पैदा कर सकता है। धरती और आकाश को जोड़ सकता है। ऐसे काम करके वह अमर हो सकता है। इसकी आत्मा में स्वयं भगवान है, जो उसे अमरता का वरदान देते हैं।

मनुष्य धरती सा शांत और अग्नि सा वीर है। इसमें इतनी शक्ति है कि समय को भी अपने वश में कर सकता है। अगर वह हिम्मत से काम लेता है तो पाप रूपी विनाश और पशुता को झुका सकता है। वह गुरू की तरह बुद्धिमान और हवा की तरह चलनेवाला है। वह आकाश से भी ऊँचा होने की शक्ति रखता है।

शब्दार्थ

अमृत	= అమృతము,	सुधा,	Nectar	शान	= వైభవం,	वैभव,	Splendor
माटी	= మట్టి,	मिट्टी,	Soil	प्रलय	= ప్రళయం,	विनाश,	Holocaust
नभ	= ఆకాశం,	आकाश,	Sky	पवन	= గాలి,	हवा,	Air
फोड़ना	= పగలగొట్టుట,	तोड़ना,	To Break	तूफ़ान	= తుఫాను,	आँधी,	Storm
शीश	= తల,	सिर,	Head	धरती	= భూమి,	पृथ्वी,	Earth

सुनिए-बोलिए

L3G5N7

1. धरती सा धीर किसे कहा गया है ?
2. अन्य जीवों से मनुष्य महान है। कैसे ?
3. 'तेरी नभ से भी ऊँची उड़ान है रे' - कवि ने ऐसा क्यों कहा ?

पढ़िए

अ) पाठ के आधार पर वाक्यों को सही क्रम दीजिए।

1. तू जो चाहे माटी से अमृत निचोड़ दे, ( )
2. अमर तेरे प्राण, मिला तुझको वरदान, ( )
3. तू जो चाहे पर्वत पहाड़ों को फोड़ दे, (1)

4. तू जो चाहे नदियों के मुख को भी मोड़ दे, ( )

5. तू जो चाहे धरती को अंबर से जोड़ दे, ( )

आ) वाक्य पढ़कर उचित शब्द से खाली जगह भरिए ।

1. धरती की शान तू भारत की .... । (संतान / परिवार)
2. मनुष्य तू बड़ा .... है भूल मत । (महान / अभिमान)
3. धरती सा ...., तू है अग्नि सा वीर । (शूर / धीर)
4. तू जो अगर .... से काम ले । (बल / हिम्मत)
5. तेरी .... से भी ऊँची उड़ान है रे । (नभ / बादल)

इ) पाठ के आधार पर अधूरे वाक्यों को पूरा कीजिए ।

1. तेरी मुट्ठियों में ....
2. तेरी आत्मा में ....
3. तू जो चाहे काल को ....
4. पापों का प्रलय रुके ....
5. गुरू सा मतिमान ....

ई) पद्यांश पढ़कर विकल्पों से प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर कोष्ठक में लिखिए ।

कदम-कदम बढ़ाए जा,
सफलता तू पाए जा,
ये भाग्य है तुम्हारा,
तू कर्म से बनाए जा ।

निगाहें रखो लक्ष्य पर,
कठिन नहीं ये सफर,
ये जन्म है तुम्हारा,
तू सार्थक बनाए जा ।।

- नीरज अरोड़ा

1. कदम-कदम बढ़ाने से क्या पा सकते हैं ? ( )

(A) सफलता (B) असफलता (C) इज़्ज़त (D) शान

2. मनुष्य का भाग्य किससे बनता है ? ( )

(A) भाग्य से (B) कर्म से (C) सरल से (D) क्रिया से

3. हमें किस पर निगाह रखनी चाहिए ? ( )

(A) भविष्य पर (B) पड़ोसी पर (C) लक्ष्य पर (D) भाग्य पर

4. किसे सार्थक बनाना है ? ( )

(A) प्रकृति को (B) दूसरे को (C) दुनिया को (D) जन्म को

5. 'भाग्य' का विलोम शब्द क्या है ? ( )

(A) योग्य (B) सुभाग्य (C) दुर्भाग्य (D) कुभाग्य

उ) पद्यांश पढ़कर तीन प्रश्न बनाइए ।

हम उन वीरों के बच्चे हैं,
जो धुन के पक्के सच्चे थे ।
हम उनका मान बढाएँगे,
हम जग में नाम कमाएँगे ।।

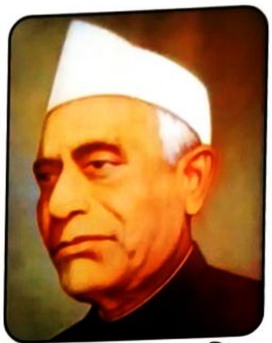

- पं. राम नरेश त्रिपाठी

उदा : हम किनके बच्चे हैं ?

लिखिए

अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में लिखिए ।

1. मनुष्य चाहे तो क्या कर सकता है ?
2. 'मनुष्य तू बड़ा महान है' - कवि ने ऐसा क्यों कहा ?
3. तुम समाज के लिए क्या कर सकते हो ?

आ) 'धरती की शान' कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

भाषांश

अ) नीचे दिये गये शब्दों के पर्यायवाची शब्द डिब्बे में से चुनकर लिखिए ।

साहस, संतति, भूमि, औलाद, प्रभु, विधाता, पृथ्वी, अनल, बहादुरी, आग

1. धरती पृथ्वी , भूमि
2. संतान .... , ...
3. भगवान .... , ...
4. अग्नि .... , ...
5. हिम्मत .... , ...

आ) रेखांकित शब्द का विलोम शब्द वाक्य में पहचानकर लिखिए ।

1. हमें कायर नहीं वीर बनना चाहिए । कायर × वीर
2. धरती की शान को अंबर तक पहुँचाना है । .... × ....
3. विज्ञान हमारे लिए वरदान है, अभिशाप नहीं । .... × ....
4. हमारी वाणी अमृत जैसी होनी चाहिए न कि विष जैसी । .... × ....
5. परोपकार करने से पुण्य, दुख देने से पाप मिलता है । .... × ....

इ) पाठ में आये शब्दों को वर्ग पहेली में ढूँढ़कर लिखिए ।

तू	फ़ा	न	को	भ
द	ध	र	ती	ग
प	हा	ड़	ज	वा
अ	व	र	दा	न
ग	प	व	न	य

उदा : भगवान

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....

ई) बेमेल शब्द पर गोला '◯' लगाइए ।

1. धरती	अंबर	मनुष्य	तूफ़ान
2. पर्वत	नदियाँ	माटी	प्राण
3. शीश	धीर	वीर	शूर
4. बड़ा	काल	उत्तम	महान
5. फोड़	तोड़	जोड़	पहाड़

उ) नीचे दिये गये संख्या-शब्दों को पढ़िए और समझिए ।

सवा - $\frac{1}{4}$	आधा - $\frac{1}{2}$	पौने - $\frac{3}{4}$
सवा एक - $1\frac{1}{4}$	डेढ़ - $1\frac{1}{2}$	पौने दो - $1\frac{3}{4}$
सवा दो - $2\frac{1}{4}$	ढाई - $2\frac{1}{2}$	पौने तीन - $2\frac{3}{4}$
सवा तीन - $3\frac{1}{4}$	साढ़े तीन - $3\frac{1}{2}$	पौने चार - $3\frac{3}{4}$
सवा चार - $4\frac{1}{4}$	साढ़े चार - $4\frac{1}{2}$	पौने पाँच - $4\frac{3}{4}$
सवा पाँच - $5\frac{1}{4}$	साढ़े पाँच - $5\frac{1}{2}$	पौने छः - $5\frac{3}{4}$

सृजनात्मकता

मुझे यह पसंद है -	अब आपको जो पसंद है -
1. मुझे सवेरे उठना पसंद है ।	1. ....
2. मुझे आम पसंद है ।	2. ....
3. मुझे पढ़ना पसंद है ।	3. ....
4. मुझे खेलना पसंद है ।	4. ....

परियोजना कार्य

देशभक्ति संबंधी किसी एक कविता को पुस्तकालय से संग्रहित करके कक्षा में प्रदर्शित कीजिए और सामूहिक रूप से गाइए ।

व्याकरणांश

संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य के अन्य शब्दों से जाना जाता है, उसे '**कारक**' कहते हैं ।

1. कर्ता कारक	-	ने
2. कर्म कारक	-	को
3. करण कारक	-	से, के द्‌वारा
4. संप्रदान कारक	-	को, के लिए
5. अपादान कारक	-	से
6. संबंध कारक	-	का, के, की
7. अधिकरण कारक	-	में, पर
8. संबोधन कारक	-	हे, अरे आदि

अ) नीचे दिये गये उचित कारक चिह्न से वाक्य पूरा कीजिए ।

1. तेरी मुट्ठियों .... बंद तूफ़ान है । (में / पर)
2. तेरी नभ .... भी ऊँची उड़ान है । (के / से)
3. नदियों...........मुख को भी मोड़ दे । (को / के)
4. धरती ....अंबर से जोड़ दे । (को / की)
5. पापों ....प्रलय रुके । (का / की)

क्या आप जानते हैं ?

अंतरिक्ष में जानेवाले भारत के पहले और विश्व के 138 वें अंतरिक्ष यात्री 'राकेश शर्मा' हैं । वे आठ दिन तक अंतरिक्ष में रहे । भारत सरकार ने उन्हें 'अशोक चक्र' की उपाधि से सम्मानित किया ।

सीखी हुई बातें :-

1. पाठ में मुझे अच्छे लगे विषय ....
2. पाठ से सीखा हुआ मूल्य ....
3. पाठ से सीखे गये नये शब्द ....
4. सृजनात्मकता के आधार पर सीखा गया विषय ....

अध्यापकों के लिए सूचना :-

पंडित भरत व्यास की अन्य रचनाओं से छात्रों को परिचय करवाइए ।

रामधारी सिंह दिनकर

मैथिलीशरण गुप्त

माखनलाल चतुर्वेदि

8

परिश्रम का फल

M7T1T8

सोचिए-बोलिए

प्रश्न : 1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है ?

2. लड़का क्या सोचकर पौधे लगा रहा है ?

3. इस चित्र से आप क्या समझते हैं ?

विषय प्रवेश

प्राचीन काल से हमारे देश में शिक्षा के साथ-साथ घरेलू उद्योगों का स्थान महत्वपूर्ण रहा है। शिक्षा व्यक्ति की अंतर्निहित क्षमता को विकसित करती है तो घरेलू उद्योग देश और समाज को स्वावलंबी बनने में सहायक होते हैं। इस पाठ की कहानी के माध्यम से घरेलू उद्योगों के महत्व के बारे में बताया गया है।

परिश्रम का फल

एक गाँव में कपड़े बुननेवाला एक कारीगर रहता था। वह तरह-तरह के कपड़े बुनकर बेचता था। जो बहुत ही प्रसिद्ध थे। उसकी बेटी कस्तूरी बहुत ही होशियार और चालाक थी। वह पढ़ाई में भी तेज़ थी। वह हर परीक्षा में प्रथम आती थी।

हर दिन कस्तूरी अपने पिता को करघे पर कपड़े बुनते हुए देखती थी। पिता की साड़ी बुनने की कला पर आकर्षित होती थी। वह पिता की तरह साड़ी बुनना चाहती थी। एक दिन उसने पिता से कहा - "मैं भी साड़ी बुनना सीखूँगी।" पिता ने मान लिया। अब वह पिता के पास साड़ी बुनना सीखने लगी।

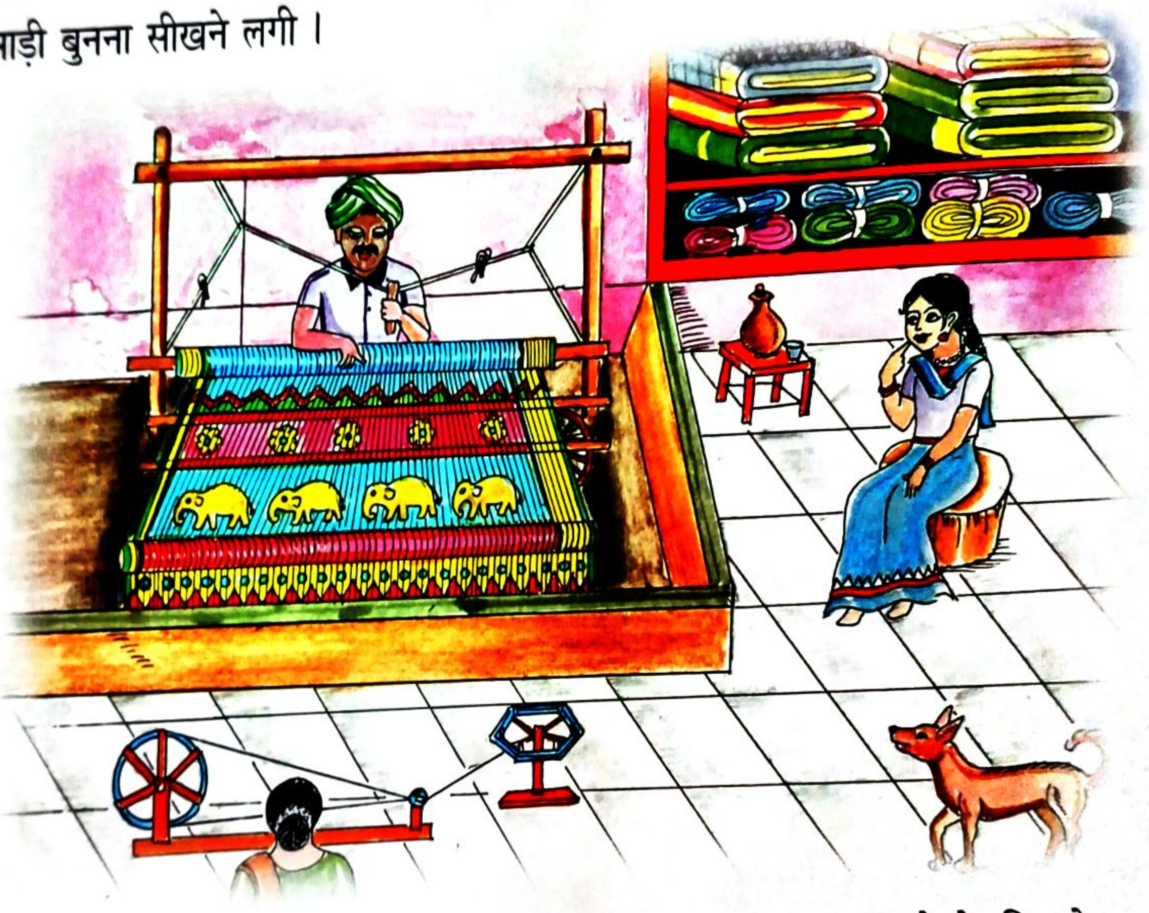

कस्तूरी के पिता परिवार को चलाने के लिए अधिक समय तक काम करते थे, जिससे उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया। परिवार का ध्यान रखना मुश्किल हो गया था। कस्तूरी अपनी पढ़ाई के साथ-साथ कपड़े बुनने में माता की मदद करने लगी। अपने परिवार की स्थिति को देखकर, कभी-कभी वह निराश होती थी। तब माँ उसे प्रेरणा देकर उसकी निराशा दूर करती थी। माँ के प्रेरणादायक शब्द कस्तूरी पर जादू का काम करते थे। वह मेहनत से काम में लग गयी। इस तरह उसके परिवार की स्थिति में सुधार होने लगा।

1. कस्तूरी के पिता क्या काम करते थे ?
2. कस्तूरी ने पिताजी से क्या कहा ?

कस्तूरी ने कई प्रदर्शनियों में भाग लेकर पुरस्कारों के साथ-साथ लोगों का दिल भी जीत लिया। वह अपनी पढ़ाई पूरी करके डिप्टी कलेक्टर भी बनी। कस्तूरी ने करघे सिखाने के लिए गाँव में एक संस्था खोली। संस्था में आकर गाँव की कई लड़कियों ने बुनाई सीखी। उसने अपने गाँव में ''करघे का शिक्षण संस्था'' की स्थापना की। इस प्रकार कस्तूरी अपने गाँव की ही नहीं, बल्कि देश भर में कई युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गयी।

3. लड़कियों ने संस्था में आकर क्या सीखी ?

पाठ के मुख्य बिंदु

- एक गाँव में कपड़े बुनने वाला कारीगर रहता था।
- उसके द्वारा बुने कपड़े बहुत ही प्रसिद्ध थे।
- उसकी बेटी कस्तूरी बहुत ही होशियार और चालाक थी।
- पिता की कला से आकर्षित होकर वह भी साड़ी बुनना सीखने लगी।
- पिता बीमार पड़ने के कारण परिवार का भार कस्तूरी और उसकी माँ पर पड़ा।
- कस्तूरी पढ़ाई के साथ-साथ कपड़े बुनने में माता की मदद करने लगी।
- वह अपनी पढ़ाई पूरी करके डिप्टी कलेक्टर बनी।
- अपने गाँव में 'करघे का शिक्षण संस्था' की स्थापना करके वह युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गयी।

शब्दार्थ

मुश्किल = కఠినమైన, कठिन, Difficult
मान लेना = అంగీకరించు, स्वीकार करना, Agree
बिगड़ना = చెడిపోవుట, खराब हो जाना, Spoilt
सुधार = అభివృద్ధి, उन्नति, Improvement
कारीगर = నిపుణుడు, निपुण, Artisan
होशियार = తెలివైన, समझदार, Clever
जादू = గారడీ, इंद्रजाल, Magic
पुरस्कार = బహుమతి, उपहार, Prize
करघा = మగ్గము, खड्डी, Loom
संस्था = సంస్థ, व्यवस्था, Institute

सुनिए-बोलिए

1. कस्तूरी कैसी लड़की थी ?
2. कस्तूरी को साड़ी बुनने की इच्छा क्यों हुई ?
3. कस्तूरी के जीवन से क्या शिक्षा मिलती है ?

Q6Y8Z7

पढ़िए

अ) पाठ के आधार पर वाक्य पढ़कर कोष्ठक में 'हाँ' या 'नहीं' लिखिए ।

1. कस्तूरी के पिताजी डाक्टर थे । (**नहीं**)
2. वह पिता के पास साड़ी बुनना सीखने लगी । (   )
3. माता का स्वास्थ्य बिगड़ गया । (   )
4. परिवार का भार कस्तूरी पर भी पड़ा । (   )
5. शिक्षक की प्रेरणादायक बातों ने कस्तूरी पर जादू का काम किया । (   )

आ) पाठ के आधार पर वाक्यों को सही क्रम दीजिए ।

1. वह पिता की तरह साड़ी बुनना चाहती थी । (   )
2. उसने अपने गाँव में 'करघे का शिक्षण संस्था' की स्थापना की । (   )
3. इस तरह उसके परिवार की स्थिति में सुधार होने लगा । (   )
4. उसकी बेटी कस्तूरी बहुत ही होशियार और चालाक थी । (   )
5. वह अपनी पढ़ाई पूरी करके डिप्टी कलेक्टर भी बनी । (   )

इ) वाक्य पढ़कर उचित शब्द से खाली जगह भरिए ।

1. एक गाँव में कपड़े बुननेवाला एक .... रहता था । (दर्जी / कारीगर)
2. वह ....में भी तेज़ थी । (सिलाई / पढ़ाई)
3. जिससे उनका .... बिगड़ गया । (काम / स्वास्थ्य)
4. माँ उसे .... देकर उसकी निराशा दूर करती थी । (पैसे / प्रेरणा)
5. कई युवाओं के लिए........................ का स्रोत बन गयी । (प्रेरणा / आदर)

ई) पाठ के आधार पर अधूरे वाक्यों को पूरा कीजिए ।

1. वह तरह-तरह के कपड़े ....
2. कस्तूरी हर दिन अपने पिता को ....
3. एक दिन उसने अपने पिता से कहा-...
4. कस्तूरी ने करघा सीखने के लिए ....
5. संस्था में आकर गाँव की ....

उ) गद्यांश पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए ।

शकुंतला देवी का जन्म 4 नवंबर 1929 को हुआ । जिन्हें 'मानव कंप्यूटर' के रूप में जाना जाता है । बचपन से ही उनमें अद्भुत प्रतिभा थी । वह आगे चलकर गणितज्ञ बनी । उनकी प्रतिभा को देखते हुए उनका नाम सन् 1982 में 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में भी शामिल किया गया । इनका निधन 83 वर्ष की आयु में 21 अप्रैल 2013 को बैंगलोर में हुआ ।

1. शकुंतला देवी का जन्म कब हुआ ?
2. बचपन से ही अद्भुत प्रतिभा की धनी कौन थी ?
3. शकुंतला देवी को किस रूप में जाना जाता है ?
4. इनका नाम किसमें शामिल किया गया ?
5. कितने वर्ष की आयु में शकुंतला देवी जी का निधन हुआ ?

लिखिए

अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में लिखिए ।

1. एक अच्छी बेटी के रूप में कस्तूरी की क्या भूमिका थी ?
2. कस्तूरी के पिता क्यों बीमार पड़ गये ?
3. कस्तूरी को अपनी माँ से प्रेरणा कब और क्यों मिली ?

आ) 'परिश्रम का फल' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

भाषांश

अ) नीचे दिये गये शब्दों के पर्यायवाची शब्द डिब्बे में से चुनकर लिखिए ।

1. विशिष्ट - असामान्य , श्रेष्ठ
2. परिवार - .... , ...
3. जादू - .... , ...
4. प्रेरणा - .... , ...
5. हिस्सा - .... , ...

> इंद्रजाल, श्रेष्ठ, अंश, परिजन, प्रोत्साहन, कुटुंब , उत्तेजना, चमत्कार, असामान्य, भाग,

आ) रेखांकित शब्द का विलोम शब्द वाक्य में पहचानकर लिखिए ।

1. बच्चों के लिए दौड़ना कठिन नहीं, आसान है । — **कठिन × आसान**
2. दौड़ प्रतियोगिता में भरत आगे है तो सूरज पीछे है । — .... × ....
3. विशिष्ट लोगों को साधारण लोगों की सहायता करनी चाहिए । — .... × ....
4. भारतीय सेना हमेशा सक्रिय रहती है निष्क्रिय नहीं । — .... × ....
5. गाँव के पास पाठशाला है लेकिन अस्पताल दूर है । — .... × ....

इ)नीचे दिए वाक्यों के उत्तर शब्द तालिका में छिपे हैं, उन्हें ढूँढ़कर गोला' ◯ 'लगाइए ।

1. कस्तूरी ऐसी लड़की थी ।
2. 'मेहनत' का समानार्थी शब्द पहचानिए ।
3. कस्तूरी का परिवार रहता था ।
4. 'अंत' का विलोम शब्द पहचानिए ।
5. कस्तूरी ....में भी तेज़ थी ।

प	स	न	आ
ढ़ा	गाँ	व	रं
ई	वि	तै	भ
हो	शि	या	र
स्प	ष्ट	श्र	म

ई) नीचे दिये गये संख्या-शब्दों को पढ़िए और समझिए ।

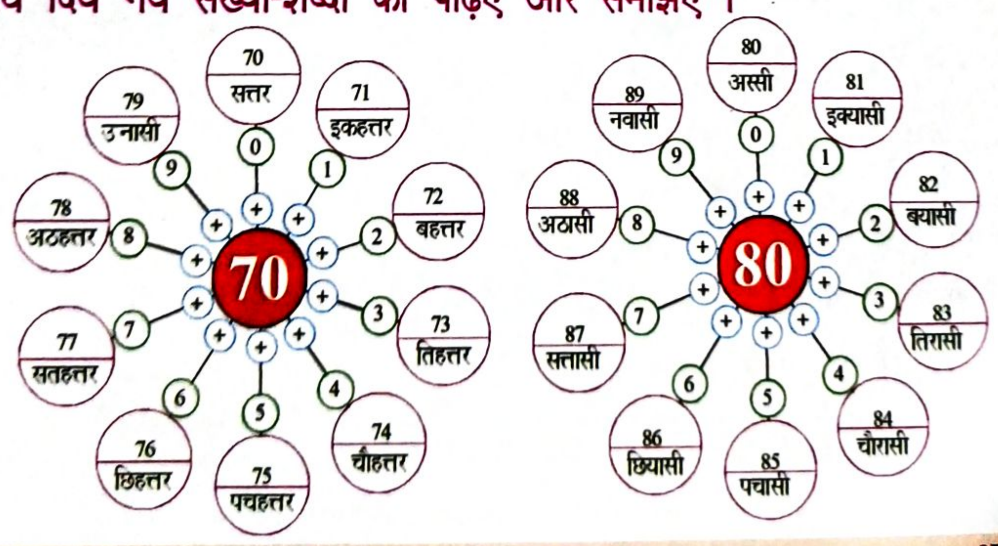

सृजनात्मकता

अ) इन शब्दों के अर्थ अपनी मातृभाषा में लिखिए ।

1. वस्त्र = ...
2. माता = ...
3. पिता = ...
4. बेटी = ...
5. पैसे = ...

डॉ.बाबासाहब आम्बेडकर

परियोजना कार्य

आप कस्तूरी का साक्षात्कार करना चाहते हैं, तो क्या-क्या प्रश्न पूछेंगे ? उसकी सूची बनाइए ।

व्याकरणांश

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
लड़का	लड़की	बेटा	बेटी	बच्चा	बच्ची
बालक	बालिका	अध्यापक	अध्यापिका	लेखक	लेखिका
प्रिय	प्रिया	छात्र	छात्रा	मोर	मोरनी
शेर	शेरनी	नौकर	नौकरानी	गुरु	गुरुआइन
कवि	कवयित्री	युवक	युवती	भाई	बहन
पिता	माता	राजा	रानी	पुरुष	स्त्री

अ) तालिका देखकर पुल्लिंग और स्त्रीलिंग से संबंधित कुछ वाक्य बनाइए ।

लड़का		खाता	
लड़की	फल	खाती	
कवि	कविता	लिखता	है ।
कवयित्री		लिखती	

उदा - लड़का फल खाता है । (पुल्लिग)

क्या आप जानते हैं ?

हमारे देश का सर्वोत्तम सम्मान 'भारत रत्न' पुरस्कार पानेवाली लोकप्रिय गायिका 'लता मंगेशकर' जी हैं। इन्होंने लग भग तीस भारतीय भाषाओं में तीस हजार से भी ज्यादा गाने गाये। इन्हें 'दादासाहेब फाल्के पुरस्कार' से भी सम्मानित किया गया। इन्हें लोग प्यार से 'लता दीदी' भी कहते हैं।

सीखी हुई बातें :-

1. पाठ में मुझे अच्छे लगे विषय ....
2. पाठ से सीखा हुआ मूल्य ....
3. पाठ से सीखे गये नये शब्द ....
4. सृजनात्मकता के आधार पर सीखा गया विषय ....

अध्यापकों के लिए सूचना :

प्यार, ममता और सद्भावनाओं से संबंधित एक कहानी कक्षा में सुनाइए।

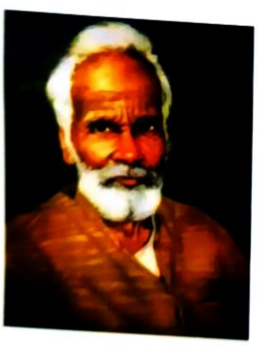

नागार्जुन

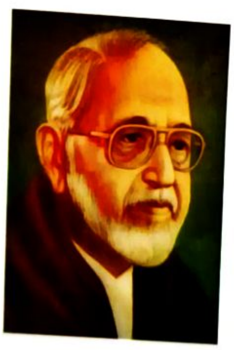

अज्ञेय

मुक्तिबोध

9

सरदार

(वल्लभ भाई पटेल)

R8J2A1

सोचिए-बोलिए

प्रश्न : 1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है ?

2. लड़की ने क्या देखा ?

3. लड़की ने क्या किया ?

विषय प्रवेश

आज के बालक कल के नागरिक हैं। सभी बालक एक जैसे नहीं होते। कुछ बालक बचपन से ही अनेक साहसी कार्य करके समाज में अपना अलग स्थान बना लेते हैं। आज इस पाठ में ऐसे ही एक साहसी बालक के बारे में जानेंगे।

सरदार (वल्लभ भाई पटेल)

बहुत पुरानी बात है। एक गाँव में वल्लभ नामक एक बालक रहता था। वल्लभ को पढ़ने का बहुत शौक था। गाँव से विद्यालय दूर था और वहाँ जाने का रास्ता भी ठीक नहीं था। वल्लभ उसी रास्ते से प्रतिदिन विद्यालय जाता था।

एक दिन की बात है। वल्लभ अपने साथियों के साथ विद्यालय जा रहा था, तभी उसके पैर में नुकीला पत्थर लगा। पैर में चोट लगने से खून बहने लगा। अपनी चोट की परवाह न करते हुए उसने निश्चय कर लिया कि आज वह इस नुकीले पत्थर को निकाल कर फेंक देगा।

वह पत्थर निकालने का प्रयास करने लगा। पत्थर आसानी से निकल नहीं रहा था, पर उसने हार नहीं मानी। वह पत्थर निकालने की कोशिश करता रहा।

उसका शरीर पसीने से भीग गया। वल्लभ के साथी उसे अकेला छोड़ कर चले गए, पर उसने हिम्मत न हारी। अंत में उसकी जीत हुई, पत्थर निकल आया। उसने पत्थर को उठाकर सड़क के किनारे फेंक दिया। खाली गड्ढ़े को मिट्टी से भर कर रास्ता ठीक कर दिया। उसके पैर से रक्त बह रहा था। वह विद्यालय देर से पहुँचा। अध्यापक ने देरी का कारण पूछा तो वल्लभ ने पत्थर हटाने वाली घटना सुनाई।

अध्यापक खुश हुए। उन्होंने वल्लभ को गले से लगा लिया और कहा - "बेटा सब लोग रुकावटों से बचकर निकल जाने का आसान रास्ता ढूँढ़ते हैं, परंतु तुम ने रुकावट डालने वाले पत्थरों को ही निकाल दिया। अब उस रास्ते पर चलने में सबको आसानी होगी।"

उसी लड़के ने आगे चलकर स्वतंत्रता आंदोलन में भी भाग लिया। इसी दौरान वर्ष 1928

1. वल्लभ ने नुकीले पत्थर को निकालने का फैसला क्यों किया ?
2. रास्ते की घटना को सुनकर अध्यापक ने वल्लभ से क्या कहा ?

में गुजरात के बारड़ोली में एक किसान आंदोलन चला । इसका नेतृत्व वल्लभ ने किया । प्रादेशिक सरकार ने किसानों की लगान को बढ़ा दिया था । वल्लभ ने लगान वृद्धि का जमकर विरोध किया । सरकार ने इस किसान आंदोलन को कुचलने के लिए कठोर कदम उठाए । वल्लभ ने उनका धैर्य से सामना किया । अंत में सरकार को किसानों की माँगों को मानना पड़ा । सरकार ने लगान की वृद्धि को घटा दिया । इस सत्याग्रह के सफल होने के बाद बारड़ोली की जनता बहुत खुश हुई और वल्लभ को 'सरदार' की उपाधि प्रदान की । यह वल्लभ और कोई नहीं, 'लौह पुरुष' नाम से प्रसिद्ध 'सरदार वल्लभ भाई पटेल' ही हैं ।

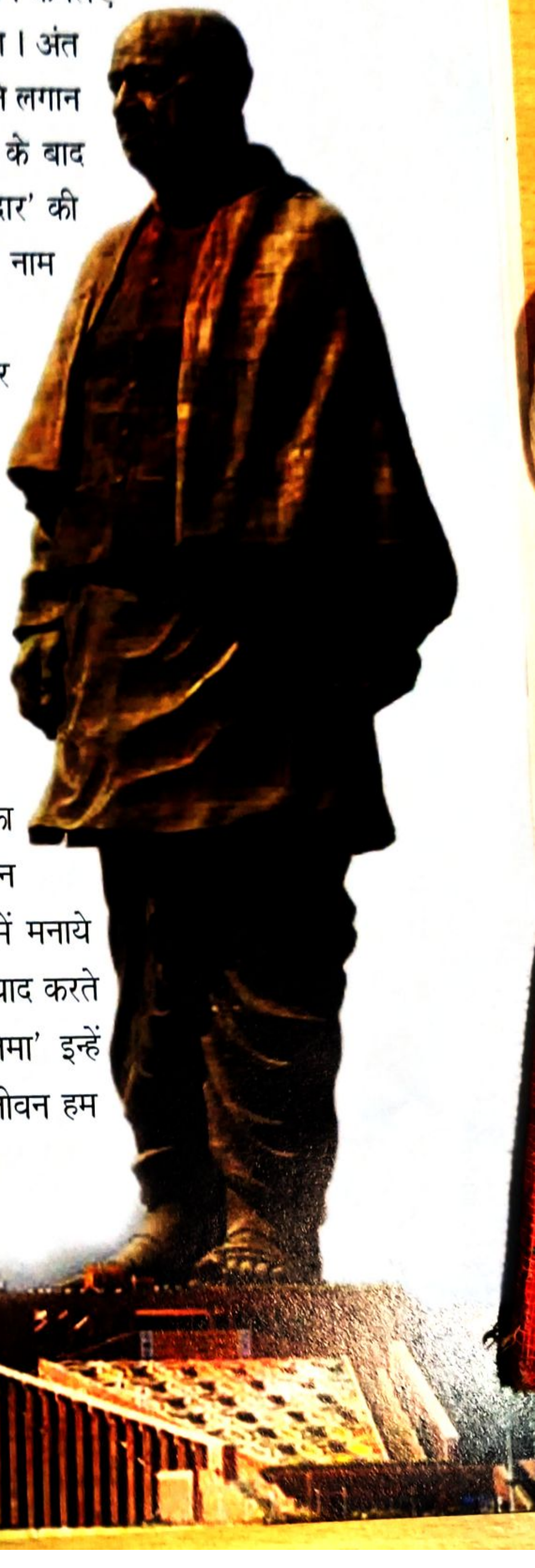

यही वल्लभ भाई पटेल देश के पहले गृह मंत्री और उप-प्रधानमंत्री बने थे । इन्होंने भारत को एक सूत्र में

बाँधने के लिए जो काम किया उसके लिए देश हमेशा आपका ऋणी रहेगा । भारत सरकार ने 2014 में उनके जन्मदिन पर 31 अक्तूबर को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाये जाने की घोषणा की । देश के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा 'एकता की प्रतिमा' इन्हें समर्पित की गयी है । सरदार वल्लभ भाई पटेल का जीवन हम सभी भारतीयों के लिए प्रेरणा का स्रोत है ।

3. राष्ट्रीय एकता दिवस के बारे में बताइए ?

पाठ के मुख्य बिंदु

* प्रस्तुत पाठ में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की वीरता के बारे में वर्णन किया गया है ।
* एक बार बचपन में वल्लभ ने रास्ते पर चलनेवालों के लिए समस्या का कारण बने हुए नुकीले पत्थर को स्वयं अकेले ही हटा दिया था ।
* बारडोली सत्याग्रह में पटेल ने लगान वृद्धि का जमकर विरोध किया । किसान आंदोलन सफल होने के बाद वहाँ की जनता ने वल्लभ को 'सरदार' की उपाधि प्रदान की ।
* वल्लभ भाई पटेल देश के पहले गृह मंत्री और उप-प्रधानमंत्री बने ।
* आपके जन्म दिवस को भारत में 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाया जाता है ।
* देश के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए 'एकता की प्रतिमा' समर्पित की गयी है ।

शब्दार्थ

नुकीला = పదునైన, नोकदार, Edgy	प्रयास = ప్రయత్నం, कोशिश, Effort
रक्त = రక్తము, खून, Blood	खूब = బాగా, बहुत, Plenty
ऋणी = రుణపడిన, कर्जदार, Levanter	घोषणा = ప్రకటన, एलान, Announcement
स्रोत = మూలము, मूल, Source	लगान = భూమి శిస్తు, कर, Tax
शौक = అభిరుచి, अभिरुचि, Hobby	कुचलना = కాలరాయుట, दबाना, Suppress

सुनिए-बोलिए

1. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले कुछ महान व्यक्तियों के नाम बताओ ?
2. वल्लभ भाई पटेल को किस उपाधि से सम्मानित किया गया और क्यों ?
3. वल्लभ की जगह तुम होते तो क्या करते ?

F6Q1L5

पढ़िए

अ) पाठ के आधार पर वाक्य पढ़कर कोष्ठक में 'हाँ' या 'नहीं' लिखिए ।

1. गाँव से विद्यालय दूर था । (**हाँ**)
2. वल्लभ के साथी उसे अकेला छोड़ कर चले गए । (   )
3. वल्लभ के अध्यापक ने उन्हें दंडित किया । (   )
4. वल्लभ ने लगान वृद्धि का जमकर विरोध किया । (   )
5. सरदार वल्लभ भाई पटेल देश के पहले गृह मंत्री बने थे । (   )

आ) पाठ के आधार पर वाक्यों को सही क्रम दीजिए ।

1. अंत में उसकी जीत हुई पत्थर निकल आया । ( )
2. उसका शरीर पसीने से भीग गया । ( )
3. सरकार ने लगान की वृद्धि को घटा दिया । ( )
4. पैर में चोट लगने से खून बहने लगा । (1)
5. देश हमेशा आपका ऋणी रहेगा । ( )

इ) वाक्य पढ़कर उचित शब्द से खाली जगह भरिए ।

1. वल्लभ के पैर में .... पत्थर लगा । (नुकीला / छोटा)
2. वल्लभ को .... का बहुत शौक था । (खेलने / पढ़ने)
3. वह विद्यालय .... से पहुँचा । (जल्दी / देर)
4. वल्लभ अपने साथियों के साथ .... जा रहा था । (विद्यालय / सिनेमा)
5. वल्लभ ने उनका धैर्य से .... किया । (सामना / सपना)

ई) पाठ के आधार पर अधूरे वाक्यों को पूरा कीजिए ।

1. बारडोली की जनता बहुत खुश ....
2. वल्लभ के साथी उसे अकेला ....
3. प्रादेशिक सरकार ने किसानों की ....
4. उसी लड़के ने आगे चल कर ....
5. सरदार वल्लभ भाई पटेल का जीवन ....

उ) गद्यांश पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए ।

बाल गंगाधर तिलक का जन्म 23 जुलाई 1856 को महाराष्ट्र के रत्नगिरी में हुआ था। तिलक शिक्षा को सफलता का आधार मानते थे। उन्होंने अपने 'केसरी' और 'मराठा' जैसे समाचार पत्रों के माध्यम से स्वतंत्रता के प्रति लोगों में जागरूकता जगायी। तिलक का कथन "स्वराज्य मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा" बहुत प्रसिद्ध हुआ था। लोग उन्हें आदर से 'लोकमान्य' नाम से पुकार कर सम्मानित करते थे।

1. बाल गंगाधर तिलक का जन्म कहाँ हुआ था ?
2. तिलक किसे सफलता का आधार मानते थे ?
3. तिलक जी ने किन समाचार पत्रों में काम किया ?
4. बाल गंगाधर तिलक का प्रसिद्ध कथन क्या है ?
5. लोकमान्य की उपाधि से किसे सम्मानित किया गया ?

ऊ) गद्यांश पढ़कर तीन प्रश्न बनाइए ।

वाविलाला गोपाल कृष्णय्या का जन्म सन् 1906 में गुंटूर जिले के सत्तेनपल्ली में हुआ था । इन्होंने कई आंदोलनों में भाग लिया था । जिनमें विशाल 'आंध्रा आंदोलन' और 'नागार्जुन सागर परियोजना आंदोलन' प्रमुख हैं । आप आंध्र प्रदेश राजभाषा आयोग के अध्यक्ष भी थे । केंद्र सरकार ने उन्हें 'पद्म भूषण' की उपाधि से सम्मानित किया था । इन्हें 'आंध्रा गाँधी' भी कहा जाता है ।

उदा : वाविलाला गोपाल कृष्णय्या का जन्म कब हुआ था ?

लिखिए

अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में लिखिए ।

1. वल्लभ को विद्यालय पहुँचने में क्यों देरी हुई ?
2. वल्लभ को सरदार की उपाधि कैसे मिली ?
3. वल्लभ भाई पटेल किन-किन पदों पर नियुक्त हुए ?

आ) इस पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

भाषांश

अ) नीचे दिये गये शब्दों के पर्यायवाची शब्द डिब्बे में से चुनकर लिखिए ।

जग, राह,
दोस्त, शिक्षक, विवाद,
मित्र, विश्व, गुरु
पथ, झगड़ा

1. दुनिया - जग , विश्व
2. अध्यापक - .... , ...
3. विरोध - .... , ...
4. रास्ता - .... , ...
5. साथी - .... , ...

आ) रेखांकित शब्द का विलोम शब्द वाक्य में पहचानकर लिखिए ।

1. भारत माता के सपूत वीर हैं कायर नहीं । — वीर × कायर
2. दिन में सूरज चमकता है, रात में तारे टिम टिमाते हैं । — .... × ....
3. भारतीय संस्कृति अनेकता में एकता का प्रतीक है । — .... × ....
4. गाँव के बच्चे शहर के बच्चों से कम नहीं होते हैं । — .... × ....
5. अच्छे कर्मों से अप्रसिद्ध व्यक्ति भी प्रसिद्ध हो जाते हैं । — .... × ....

इ) पाठ में आये शब्दों को वर्ग पहेली में ढूँढ़कर लिखिए ।

स	त्य	अ	हिं	सा
बा	र	डो	ली	व
घो	ष	णा	च	ल
ध	गृ	ह	मं	त्री
गा	न	प	टे	ल

उदा : अहिंसा

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....

ई) नीचे दिये गये संख्या-शब्दों को पढ़िए और समझिए ।

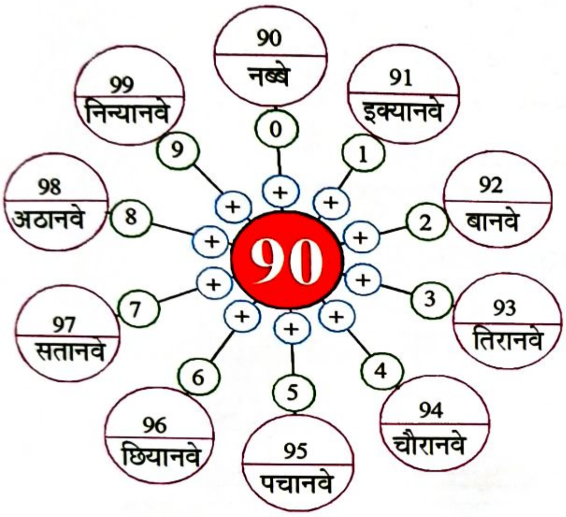

100	=	सौ
1,000	=	हजार
10, 000	=	दस हजार
1,00,000	=	एक लाख
10,00,000	=	दस लाख
1,00,00,000	=	एक करोड़

अ) नीचे दिये गये महा पुरुषों को उनके नारों से जोड़िये ।

1.
2.
3.
4.
5.

- वंदे मातरम्
- जय जवान जय किसान
- इंकलाब जिंदाबाद
- तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा
- करो या मरो

परियोजना कार्य

कुछ नेताओं के चित्र इकट्ठा करके किसी एक नेता के बारे में पाँच वाक्य लिखिए ।

व्याकरणांश

एक वचन	बहुवचन	एक वचन	बहुवचन	एक वचन	बहुवचन
बालक	बालक	टहनी	टहनियाँ	आँख	आँखें
छात्र	छात्र	साड़ी	साड़ियाँ	किरण	किरणें
भाई	भाई	कली	कलियाँ	संस्था	संस्थाएँ
कवि	कवि	करघा	करघे	परीक्षा	परीक्षाएँ
घर	घर	नुकीला	नुकीले	लता	लताएँ
गठरी	गठरियाँ	बच्चा	बच्चे	वस्तु	वस्तुएँ

अ) तालिका देखकर एकवचन और बहुवचन से संबंधित कुछ वाक्य बनाइए ।

बच्चा बच्चे बच्ची बच्चियाँ	दूध	पीता पीते पीती	है । हैं ।

उदा - बच्चा दूध पीता है । (एक वचन)

गरिमेल्ला सत्यनारायण तेलुगु के प्रसिद्ध पत्रकार, कवि, शिक्षक और सत्याग्रही थे । आपके द्वारा रचित गीत 'मा कोद्दी तेल्ला दोरतनम्' स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान आंध्र प्रदेश के लोगों में बहुत प्रसिद्ध हुआ था । उन्होंने 'स्वराज्य गीतमुलु' नाम से देशभक्ति गीतों को प्रकाशित किया ।

सीखी हुई बातें :-

1. पाठ में मुझे अच्छे लगे विषय ....
2. पाठ से सीखा हुआ मूल्य ....
3. पाठ से सीखे गये नये शब्द ....
4. सृजनात्मकता के आधार पर सीखा गया विषय ....

अध्यापकों के लिए सूचना :-

वल्लभ भाई पटेल जी के जीवन से संबंधित और कुछ घटनाएँ छात्रों को बताइए ।

सरोजिनी नायडू

अल्लूरी सीताराम राजू

भारत के सात अजूबे

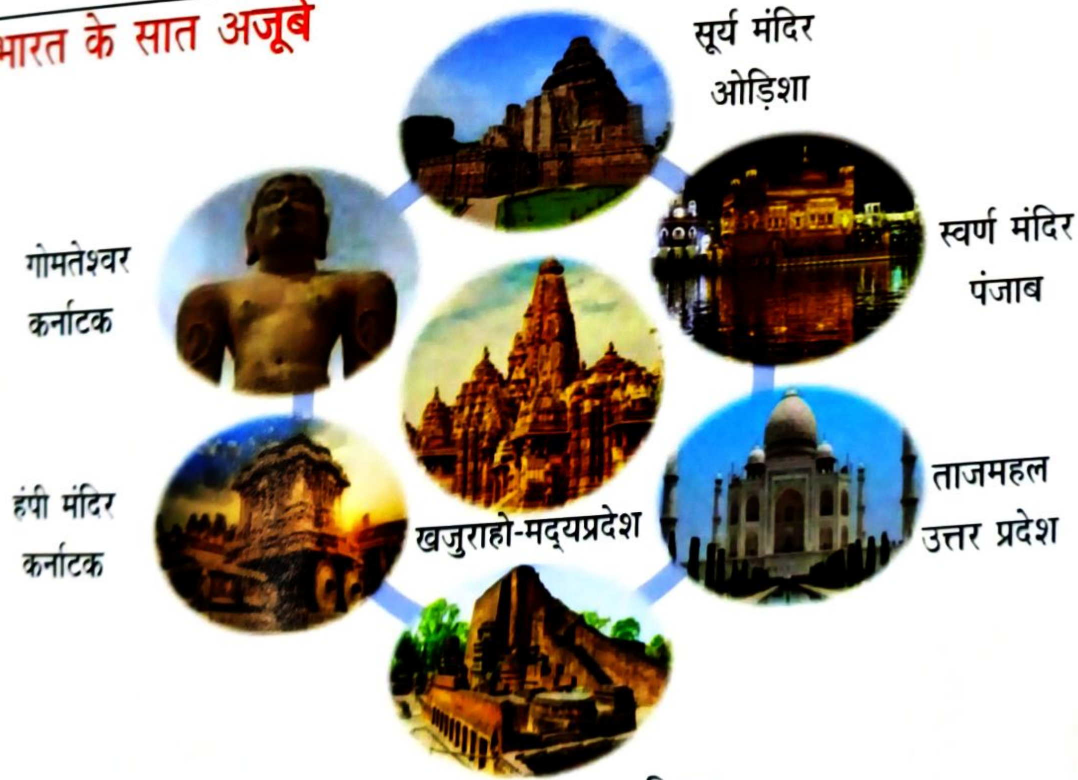

पठन- हेतु

सावित्रीबाई फुले

पढ़िए-जानिए

यह उस समय की बात है जब भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति अच्छी नहीं थी । उन्हें घर से बाहर जाने की अनुमति भी नहीं थी । पढ़ने लिखने का अधिकार नहीं था । ऐसी विषम परिस्थितियों में एक महान आत्मा सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के नायगाँव में हुआ था । इनके पिता का नाम खांदोजी और माता का नाम लक्ष्मी था । ज्योतिराव फुले एक समाज सेवक तथा शिक्षा के प्रबल समर्थक थे । उनके साथ सावित्रीबाई फुले का विवाह संपन्न हुआ ।

पारिवारिक विरोध के बावजूद ज्योतिराव ने पढ़ने लिखने के लिए इच्छुक अपनी पत्नी को शिक्षित करने का संकल्प लिया । शिक्षित होने के बाद, सावित्रीबाई रुकी नहीं । अपने लक्ष्य की प्राप्ति में सावित्रीबाई ने सामाजिक विरोध के बावजूद कठिनाइयों का सामना करते हुए लड़कियों को पढ़ाना शुरु किया ।

जनवरी सन् 1848 में उन्होंने अपने पति के साथ मिलकर पुणे में लड़कियों के लिए एक स्कूल की स्थापना की । इस स्कूल में वह पहली मुख्य अध्यापिका थी । ज्योतिराव द्वारा समाज की भलाई के लिए किए गए हर कार्य में सावित्रीबाई ने कंधे से कंधा मिलाकर अपना पूर्ण सहयोग दिया । ज्योतिराव के निधन के बाद उनके सारे कार्यों को सावित्रीबाई ने अच्छी तरह से संभाला ।

सावित्रीबाई अच्छी कवयित्री भी थी । इनके दो काव्य संग्रह प्रकाशित हुए जो काफ़ी प्रेरणा प्रद थे । 10 मार्च 1897 को उन्होंने आखिरी साँस ली । वे अपने महान कार्यों के कारण अमर हो गई ।

10 मधुरवाणी

I5V8S4

सोचिए-बोलिए

प्रश्न : 1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है ?

2. दादा पोते से क्या कह रहे होंगे ?

3. बड़ों का आदर कैसे करना चाहिए ?

विषय प्रवेश

मानव जीवन में नैतिक मूल्यों का महत्वपूर्ण स्थान है । हिंदी साहित्य के कई महान कवियों ने अपने दोहों के द्‌वारा नैतिक मूल्यों का प्रचार करने का भरपूर प्रयास किया है । आज हम ऐसे ही दो महान कवियों के दोहों के बारे में जानेंगे ।

मधुरवाणी

कवि परिचय

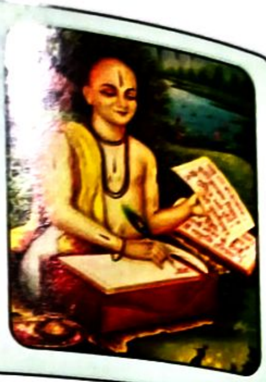

कवि का नाम : गोस्वामी तुलसीदास

जीवन काल : सन् 1532 - सन् 1623

माता-पिता : हुलसी और आत्माराम दुबे

प्रमुख रचनाएँ : रामचरितमानस, विनयपत्रिका आदि ।

दया धर्म का मूल है, पाप मूल अभिमान ।
तुलसी दया न छोड़िये, जब लग घट में प्राण ॥

शब्दार्थ : दया = करुणा मूल = शुरू पाप = अपराध
घट = देह प्राण = जान

भावार्थ : तुलसीदास कहते हैं कि दया की भावना से धर्म उत्पन्न होता है । अभिमान तो केवल पाप को ही जन्म देता है। मनुष्य के शरीर में जब तक प्राण हैं, तब तक उसे दया की भावना नहीं छोड़नी चाहिए ।

तुलसी इस संसार में, भांति भांति के लोग ।
सबसे हस मिल बोलिए, नदी नाव संजोग ॥

शब्दार्थ : संसार = दुनिया भांति-भांति = तरह-तरह लोग = प्रजा
हस = हँसना मिल = मिल जुलकर संजोग = संयोग
नदी = सरिता नाव = नौका

भावार्थ : तुलसीदास कहते हैं कि इस दुनिया में तरह-तरह के लोग रहते हैं । जैसे नाव की सहायता से नदी पार की जाती है, वैसे ही मनुष्य को भी सब लोगों के साथ मिल जुलकर जीवन बिताना चाहिए ।

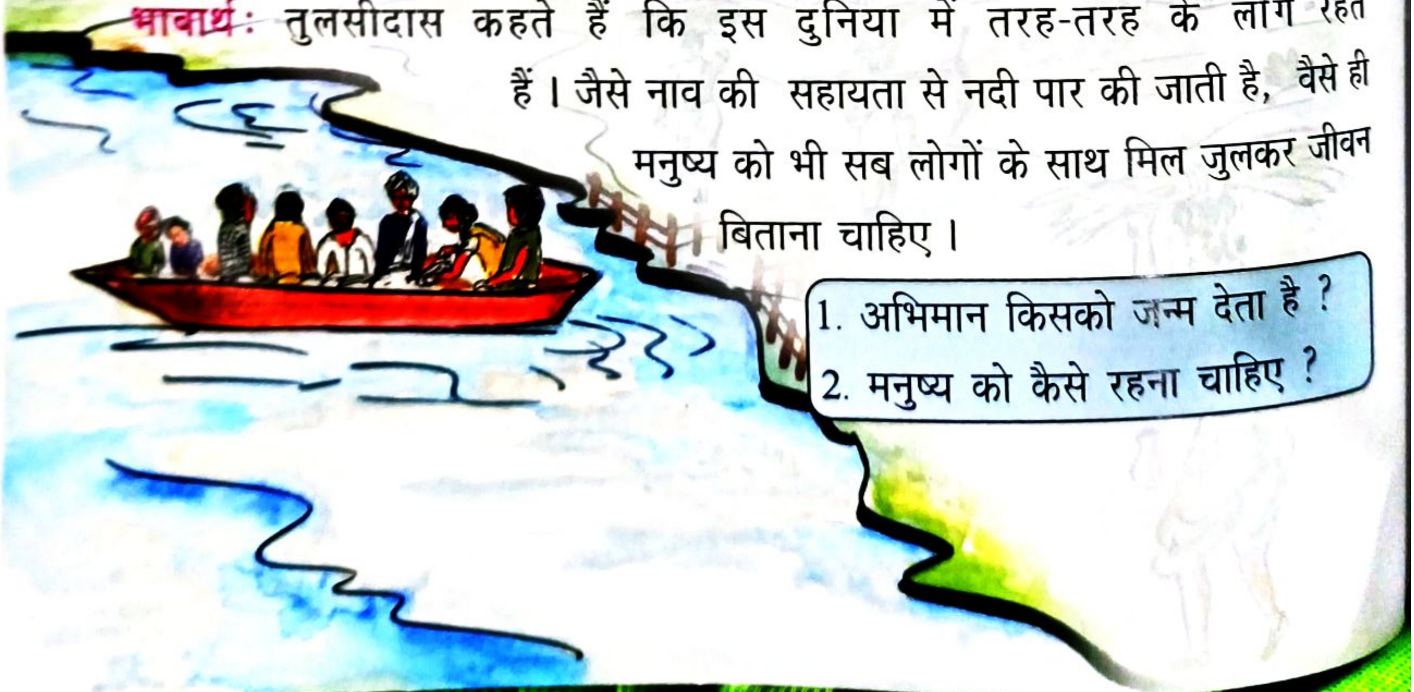

1. अभिमान किसको जन्म देता है ?
2. मनुष्य को कैसे रहना चाहिए ?

कवि परिचय

कवि का नाम : अब्दुल रहीम खान खाना ।

जीवन काल : सन् 1556 - सन् 1627

माता - पिता : सुल्ताना बेगम - बैरम खां

रचनाएँ : रहीम सतसई, बरवै नायिका-भेद आदि ।

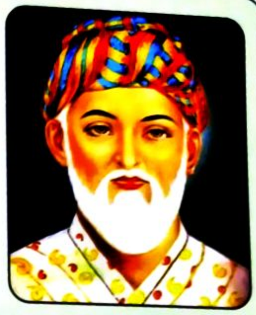

रूठे सुजन मनाइए, जो रूठे सौ बार ।
रहिमन फिरि-फिरि पोइए, टूटे मुक्ता-हार ॥

शब्दार्थ : सुजन = अच्छा आदमी मनाना = राज़ी करना हार = आभूषण
पोइये = गूंथना मुक्ता = मोती रूठे = नाराज हुए

भावार्थ : रहीम कहते हैं कि जिस प्रकार मोतियों की माला टूट जाने पर उन मोतियों को फिर से माला में पिरो लेते हैं, उसी प्रकार सज्जन लोग बार-बार नाराज होने पर भी उन्हें मना लेना चाहिए । अर्थात् सज्जन लोग मोतियों के समान मूल्यवान होते हैं ।

वे रहीम नर धन्य हैं, पर उपकारी अंग ।
बाँटन वारे को लागै, ज्यों मेंहदी को रंग ॥

शब्दार्थ : नर = लोग, धन्य = भाग्यवान, उपकारी = सहायता करने वाला
अंग = शरीर, बाँटन वारे = बांटने वाले
लागै = लगना, ज्यों = जिस प्रकार, मेहंदी = हिना

भावार्थ : रहीम कहते हैं कि दूसरों की मदद करनेवाले लोग धन्य होते हैं । जिस प्रकार मेहंदी बाँटनेवाले की उंगली पर भी मेहंदी का रंग लग जाता है । उसी प्रकार उपकार करनेवाले का शरीर भी परोपकार करने से सुशोभित हो जाता है ।

3. परोपकारी को धन्य क्यों कहा गया है ?

सुनिए-बोलिए

Y9M2H4

1. तुलसीदास ने नदी और नाव की तुलना किससे की है ?
2. मेहंदी की विशेषता क्या है ?
3. परोपकारी के लक्षण क्या होते हैं ?

पढ़िए

अ) पाठ के आधार पर वाक्यों को सही क्रम दीजिए ।

1. रहिमन फिरि-फिरि पोइए, ( )
2. रूठे सुजन मनाइए , (1)
3. टूटे मुक्ता-हार । ( )
4. जो रूठे सौ बार । ( )

आ) वाक्य पढ़कर उचित शब्द से खाली जगह भरिए ।

1. दया .... का मूल है । (धर्म / अधर्म)
2. रूठे सुजन मानइए, जो रूठे .... बार । (हजार / सौ)
3. वे रहीम .... धन्य है । (नर / वर)
4. तुलसी इस .... में, भांति भांति के लोग । (संसार / राज्य)
5. तुलसी ....न छोड़िये । (उपकार / दया)

इ) पाठ के आधार पर अधूरे वाक्यों को पूरा कीजिए ।

1. बाँटन वारे को लागै, ...
2. .... , जब लग घट में प्राण ।
3. सबसे हस मिल बोलिए, ...
4. .... , टूटे मुक्ता-हार ।
5. ...., भांति भांति के लोग ।

ई) पद्यांश पढ़कर विकल्पों से प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर कोष्ठक में लिखिए ।

छोटे-छोटे हाथ हमारे,
गड्ढे खूब बनाएँगे ।
इन गड्ढ़ों में अच्छे, सुंदर,
पौधे खूब लगाएँगे ।
घर-आँगन को साफ रखेंगे,
गलियाँ साफ बनाएँगे ।

1. हाथ कैसे हैं ? ( )
   (A) छोटे-छोटे (B) बड़े-बड़े (C) लंबे-लंबे (D) काले-काले
2. गड्ढों में क्या लगाना है ? ( )
   (A) पेड़ (B) पौधे (C) लकड़ी (D) डाली
3. किन्हें साफ़ रखना है ? ( )
   (A) अड़ोस-पड़ोस को (B) मैदान को (C) घर-आँगन को (D) पाठशाला को
4. गलियों को कैसा बनाना है ? ( )
   (A) गंदा (B) सुंदर (C) अच्छा (D) साफ़
5. 'सुंदर' शब्द का समानार्थी शब्द क्या है ? ( )
   (A) गंदा (B) आकर्षक (C) कुरूप (D) प्रिय

उ) पद्यांश पढ़कर तीन प्रश्न बनाइए ।

नभ से निर्मलता लूँ,
शशि से शीतलता लूँ ।
धरती से सहन शक्ति,
पर्वत से दृढ़ता लूँ ।
मेरी अभिलाषा है ।

उदा : कवि नभ से क्या लेना चाहता है ?

लिखिए

अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में लिखिए ।

1. हमें क्यों हँस मिलकर रहना चाहिए ?
2. रहीम के अनुसार रूठे सुजन को क्यों मनाना चाहिए ?
3. जीवन भर हमें दया की भावना नहीं छोड़नी चाहिए । क्यों ?

आ) तुलसी और रहीम के दोहों में किन्ही दो दोहों का भाव अपने शब्दों में लिखिए ?

भाषांश

अ) नीचे दिये गये शब्दों के पर्यायवाची शब्द डिब्बे में से चुनकर लिखिए ।

अपराध, घमंड, पुण्यवान, दुनिया, कृतार्थ, कसूर, जग, अहंकार दयालु, भाग्यशाली

1. संसार - दुनिया , जग
2. सुजन - .... , ...
3. गर्व - .... , ...
4. पाप - .... , ...
5. धन्य - .... , ...

आ) रेखांकित शब्द का विलोम शब्द वाक्य में पहचानकर लिखिए ।

1. जीवन और मरण मानव जीवन के अभिन्न अंग है । जीवन × मरण
2. बच्चों में हँसना और रोना चलता रहता है । .... × ....
3. पौधा छोटा होता है और पेड़ बड़ा होता है । .... × ....
4. अपनों का संयोग खुशी देता है और वियोग दुःख देता है । .... × ....
5. धर्म और अधर्म को अलग करना बहुत ही आवश्यक है । .... × ....

इ) पाठ में आये शब्दों को वर्ग पहेली में ढूँढ़कर लिखिए ।

तु	ल	सी	दा	स
अ	उ	प	का	री
भि	ख	ण	सु	ल
मा	न	दी	ज	म
न	प्र	जा	न	क

उदा : तुलसीदास

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....

ई) बेमेल शब्द पर गोला '◯' लगाइए ।

1.	देह	धार	अंग	शरीर
2.	अभिमान	दया	प्राण	गर्व
3.	हार	माला	हाथ	गहना
4.	नर	सरिता	मनुष्य	मानव
5.	हाथ	हँसना	रोना	चिल्लाना

सृजनात्मकता

अ) चित्र देखकर पाँच वाक्य लिखिए ।

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....

परियोजना कार्य

तुलसी और रहीम के अन्य दोहों को एकत्रित करके कक्षा में प्रदर्शित कीजिए ।

व्याकरणांश

उपसर्ग	मूल शब्द	नया शब्द
सु	जन	सुजन
उप	कार	उपकार
आ	भूषण	आभूषण
पर	उपकार	परोपकार
अभि	मान	अभिमान

ऊपर दी गयी तालिका में **सु, उप, आ, पर** और **अभि** जैसे शब्दांश किसी शब्द के आगे लगकर उनके अर्थ में परिवर्तन करते हैं, ऐसे शब्दांश 'उपसर्ग' कहलाते हैं ।

अ) रेखांकित शब्दों में उपसर्ग पहचानिए ।

1. अनुशासन का पालन करें ।
2. मेरा उपयोग करें ।
3. आज विज्ञान का युग है ।
4. आजीवन सत्य बोलना चाहिए ।
5. सैनिक निडर होते हैं ।

क्या आप जानते हैं ?

तुलसीदास ने 10 वीं शताब्दी में ही ब्रह्मांड के एक रहस्य को 'हनुमान चालीसा' में बताया था।

जुग सहस्त्र जोजन पर भानू
लील्यो ताहि मधुर फ़ल जानू

इस पंक्ति में धरती से सूर्य की दूरी का बिल्कुल सही माप दिया गया है:-

युग =12,000 वर्ष   सहस्त्र = 1000   योजन = 8

इन सब को गुना करने पर होता है :-

12,000 × 1000 × 8 = 9,60,00,000 मील

एक मील यानी 1.6 कि.मी.

9,60,00,000 मील × 1.6 कि.मी. = 15,36,00,000 कि.मी.

सीखी हुई बातें :-

1. पाठ में मुझे अच्छे लगे विषय..
2. पाठ से सीखा हुआ मूल्य ....
3. पाठ से सीखे गये नये शब्द ....
4. सृजनात्मकता के आधार पर सीखा गया विषय ....

अध्यापकों के लिए सूचना :-

तुलसी और रहीम के नीति संबंधित अन्य दोहों से छात्रों को परिचय करवाइए ।

11

भाई का प्रेम

H9I4G8

सोचिए-बोलिए

प्रश्न : 1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है ?
2. वे क्या कर रहे हैं ?
3. मिलजुलकर रहना क्यों जरूरी है ?

विषय प्रवेश

आधुनिक काल में एकल परिवार की व्यवस्था बढ़ती जा रही है। आत्मीय भावनाएँ कम होती जा रही हैं। फिर भी आपसी प्रेम और भाईचारे के कई उदाहरण हमारे सामने आते रहते हैं। आज हम ऐसे ही दो भाईयों के आपसी प्रेम के बारे में इस कहानी में जानेंगे।

भाई का प्रेम

राजापुर नामक एक सुंदर गाँव था। उस गाँव की मिट्टी बहुत उपजाऊ थी। अतः गाँव के अधिकांश लोग खेती-बाड़ी करते थे। इसी राजापुर में दो भाई रहते थे। दोनों किसान थे। उनके घर अलग-अलग थे पर दोनों में बड़ा प्रेम था। दोनों भाई हमेशा एक-दूसरे की भलाई की बात सोचा करते थे।

इस वर्ष पूरे गाँव में फसल अच्छी हुई थी। कटाई हो चुकी थी। खलिहान में सबके अनाज के ढेर लगे थे। एक दिन रात में बड़ा भाई लेटे-लेटे सोचने लगा, 'मेरे दो बच्चे हैं। वे घर के काम-काज़ में सहायता करते हैं। मेरे छोटे भाई के बाल-बच्चे नहीं हैं। उसे सारा काम अकेले ही सँभालना पड़ता है। इसलिए मुझे उसकी सहायता करनी चाहिए।' यह सोचकर वह उठा और खलिहान की ओर गया।

खलिहान में अपने अनाज के ढेर से उसने दस गठरी अनाज बाँधा। उनमें से एक गठरी सिर पर रखकर छोटे भाई के ढेर की ओर बढ़ा। ठीक उसी समय छोटा भाई भी अपने घर में बैठा सोच रहा था, 'मैं जवान हूँ। जितना चाहे उतना काम कर सकता हूँ, और कही भी जा सकता हूँ। किसी कारणवश यदि खेती में फायदा नहीं हुआ तो कोई दूसरा काम कर लूँगा। मेरा खर्च कम है लेकिन मेरे बड़े भैया तो बाल-बच्चेवाले हैं। घर गृहस्थी के खर्च अधिक हैं। इसलिए मुझे उनकी सहायता करनी चाहिए।' वह भी उठा और खलिहान की ओर चला गया।

1.बड़े भाई ने क्या किया ?

खलिहान में अपने अनाज के ढेर से उसने भी दस गठरी अनाज बाँधा। उनमें से एक गठरी सिर पर रखकर बड़े भाई के ढेर की ओर बढ़ा।

अँधेरी रात थी। हाथ को हाथ भी दिखाई न देता था। इस वातावरण में दोनों भाई धीरे-धीरे एक दूसरे के अनाज के ढेर की ओर बढ़ रहे थे। अचानक वे एक-दूसरे से टकरा गए। दोनों चौंककर एक साथ बोले 'कौन है ?'

दोनों भाईयों ने एक-दूसरे को देखा। उनके सिर पर अनाज की गठरियाँ थीं। दोनों समझ गए।

बड़े भाई ने कहा, "छोटे ! तुम्हारी मदद करने वाला कोई नहीं है। खेती का सारा काम तुम्हें अकेले सँभालना पड़ता है। मैंने सोचा कि तुम्हारे पास अनाज अधिक होगा तो अधिक दिन तक घर चलेगा इसलिए मैं खलिहान से अनाज तुम्हारे ढेर में डालने जा रहा था।" "भैया ! आप बाल बच्चेवाले हैं। आपके खर्च अधिक हैं। आपको अधिक मात्रा में अनाज की आवश्यकता होती है। इसलिए मैं खलिहान से अनाज आपके ढेर में डालने जा रहा था।

अपनी बात कहते - सुनते दोनों भाइयों की आँखें भर आई। दोनों रोते हुए एक-दूसरे के गले लग गए। दोनों भाईयों के प्रेम की यह कहानी आज भी लोग भाव-विभोर होकर सुनते - सुनाते हैं।

2. छोटा भाई क्या सोचने लगा ?

3. अपनी बात कहते-सुनते दोनों भाइयों ने क्या किया ?

पाठ के मुख्य बिंदु

- राजपुर नामक गाँव में दो भाई रहते थे।
- दोनों में बड़ा प्रेम था। दोनों हमेशा एक दूसरे की भलाई के लिए ही सो[च]ते थे।
- गाँव में फसल अच्छी हुई थी।
- बड़ा भाई छोटे भाई की भलाई के बारे में सोच कर अपने अनाज का [कु]छ हिस्सा छोटे भाई के अनाज के ढेर में डालने गया।
- छोटा भाई भी ठीक उसी प्रकार सोच कर अपने अनाज का कुछ हिस्सा बड़े भाई के अनाज के ढेर में डालने गया।
- दोनों रात में एक-दूसरे से टकरा गये और अनाज के ढेर के पास जाने का कारण समझ गये।
- आपसी प्रेम को देखकर दोनों भाईयों की आँखें भर आयी और वे रोते हुए एक दूसरे के गले लग गए।

शब्दार्थ

हमेशा = ఎల్లప్పుడూ, सदा, Always
भलाई = మేలు, अच्छाई, Goodness
चौंकना = ఉలిక్కిపడుట, घबराना, Tremble
मदद = సహాయం, सहायता, Help
उपजाऊ = సారవంతమైన, उर्वर, Fertile
फायदा = ప్రయోజనం, लाभ, Benifit
अचानक = అకస్మాత్తుగా, एकाएक, Suddenly
भाव-विभेर = భావోద్వేగం, भावपूर्ण, Emotional
खलिहान = గిడ్డంగి, अनाज का गोदाम, Barn
सँभालना = సంరక్షించుట, निभाना, Handle

सुनिए-बोलिए

XSA6C3

1. गाँव के अधिकांश लोग कौन-सा काम करते थे ?
2. छोटे भाई के प्रति बड़े भाई के विचार क्या थे ?
3. छोटे भाई के स्थान पर आप होते तो क्या करते ?

पढ़िए

अ) पाठ के आधार पर वाक्य पढ़कर कोष्ठक में 'हाँ' या 'नहीं' लिखिए।

1. गाँव की मिट्टी बहुत उपजाऊ थी। (हाँ)
2. इस वर्ष पूरे गाँव में फसल अच्छी हुई थी। (   )
3. छोटा भाई बाल-बच्चेवाला था। (   )
4. दोनों भाईयों ने एक दूसरे को देखा। (   )
5. वे एक दूसरे से टकरा गए। (   )

आ) वाक्य पढ़कर उचित शब्द से खाली जगह भरिए ।

1. दोनों भाई हमेशा एक दूसरे की ....की बात सोचा करते थे । (भलाई / बुराई)
2. दोनों में बड़ा .... था । (द्वेष / प्रेम)
3. खलिहान में सबके .... के ढेर लगे थे । (अनाज / कपडे)
4. गठरी सिर पर रखकर छोटे भाई के .... की ओर चल पड़ा । (बेर / ढेर)
5. अपनी बात कहते-सुनते दोनों .... की आँखें भर आई । (भाईयों / बहनों)

इ) पाठ के आधार पर अधूरे वाक्यों को पूरा कीजिए ।

1. उनके घर अलग-अलग थे पर ....
2. बड़ा भाई लेटे-लेटे सोचने लगा ....
3. दोनों भाई धीरे-धीरे ....
4. मैं जवान हूँ । जितना चाहे ....
5. खेती का सारा काम तुम्हें ....

ई) गद्यांश पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए ।

एक वृद्ध महिला रेलगाड़ी से सफ़र कर रही थी । अपनी मुट्ठी से कुछ बाहर फेंकती जा रही थी । एक सहयात्री ने पूछा, 'यह आप क्या फेंक रही हैं ?' उस महिला ने जवाब दिया, 'ये सुंदर फूलों और फलों के बीज हैं । मैं इन्हें इस उम्मीद से फेंक रही हूँ कि इनमें से कुछ भी अगर जड़ पकड़ ले तो लोगों को इनसे कुछ फायदा होगा ।''

1. वृद्ध महिला किसमें सफ़र कर रही थी ?
2. सहयात्री ने क्या पूछा ?
3. वृद्ध महिला क्या फेंक रही थी ?
4. फूलों और फलों के पेड़ों से किन्हें फायदा होगा ?
5. 'जड़' का समानार्थी शब्द क्या है ?

लिखिए

अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में लिखिए ।

1. गाँव के लोग खेती क्यों किया करते थे ?
2. दोनों भाइयों के विचार कैसे थे?
3. इस कहानी से क्या शिक्षा मिलती है ?

आ) 'भाई का प्रेम' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

भाषांश

अ) नीचे दिये गये शब्दों के पर्यायवाची शब्द डिब्बे में से चुनकर लिखिए ।

1. खलिहान – अनाज का गोदाम , धान्यागार
2. खेती – .... , ...
3. अनाज – .... , ...
4. जवान – .... , ...
5. फायदा – .... , ...

युवक, धान्य,
मुनाफा, अन्न, धान्यागार
खेतीबाडी, अनाज का गोदाम
कृषि, युवा, लाभ

आ) रेखांकित शब्द का विलोम शब्द वाक्य में पहचानकर लिखिए ।

1. वह शरीर से <u>बूढ़ा</u> है, किंतु उत्साह में <u>जवान</u> है । बूढ़ा × जवान
2. व्यापारी व्यापार में <u>फायदा</u> चाहता है, नुकसान नहीं । .... × ....
3. अच्छे लोग दूसरों की <u>भलाई</u> करते हैं, बुराई नहीं । .... × ....
4. <u>खर्च</u> ज्यादा करने से बचत नहीं होती । .... × ....
5. पाठशाला में साथियों के साथ <u>प्रेम</u> से रहना चाहिए, द्वेष से नहीं । .... × ....

इ) पाठ में आये शब्दों को वर्ग पहेली में ढूँढ़कर लिखिए ।

स	हा	य	ता	भ	च
र	छ	सं	तो	ला	म
अ	प	तु	जे	ई	प
के	म	ल	कि	य	र
ला	ध	न	म	द	दा

उदा : सहायता

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....

सृजनात्मकता

अ) चित्र देखकर पाँच वाक्य लिखिए ।

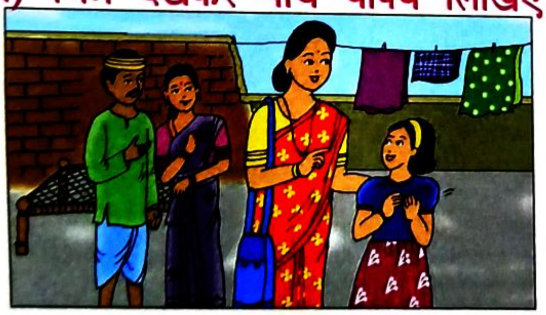

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....

परियोजना कार्य

भाइयों के प्रेम से संबंधित एक और कहानी संकलित करके कक्षा में प्रस्तुत कीजिए ।

व्याकरणांश

1. गाँव में फसल अच्छी **हुई थी** ।

2. अनाज की आवश्यकता **होती है** ।

3. कोई दूसरा काम **कर लूँगा** ।

ऊपर दिये गये वाक्यों में **हुई थी**, **होती है** और **कर लूँगा** - ऐसे शब्द क्रिया के होने या करने के समय को बताते हैं । इसे ही 'काल' कहते हैं । काल के तीन भेद हैं । वे हैं -

1. **भूत काल** : बीते हुए समय में क्रिया का होना ।
2. **वर्तमान काल** : चल रहे समय में क्रिया का होना ।
3. **भविष्य काल** : आनेवाले समय में क्रिया का होना ।

अ) पाठ में से इन कालों को बतानेवाले वाक्यों को ढूँढ़कर लिखिए ।

क्या आप जानते हैं ?

गंडिकोटा आंध्र प्रदेश राज्य में वाइ.एस. आर.कडपा जिले के, जम्मलमडुगु में पेन्ना नदी के तट पर स्थित एक छोटा-सा गाँव है । गंडिकोटा का नाम उस कंठ से लिया गया है, जो पेन्ना नदी के बीच स्थित है, जो पहाडी की तलहटी में बहती है और यहाँ की गहरी घाटियाँ, लाल ग्रानाइट पहाडियाँ, मंदिर, मसजिद आदि बेहद खूबसूरत हैं । गंडिकोटा के 'विरासत समारोह' धूम-धाम मनाते हैं । इसे देखने के लिए लोग दूर दूर से आते हैं ।

सीखी हुई बातें :-

1. पाठ में मुझे अच्छे लगे विषय..
2. पाठ से सीखा हुआ मूल्य ....
3. पाठ से सीखे गये नये शब्द ....
4. सृजनात्मकता के आधार पर सीखा गया विषय ....

अध्यापकों के लिए सूचना :-

पारिवारिक मूल्यों से संबंधित छोटी-छोटी कहानियाँ छात्रों को सुनाइए ।

पठन-हेतु

हम सब धरती की संतान

पढ़िए-समझिए

जाह्नवी : क्या कर रही हो लीना दीदी ?

लीना : मैं छत पर अनाज के दाने बिखेर रही हूँ ।

जाह्नवी : पर माँ कहती हैं कि अनाज़ बरबाद नहीं करना चाहिए ।

लीना : जाह्नवी ! मैं अनाज बरबाद करने के लिए नहीं बल्कि पंछियों के खाने के लिए बिखेर रही हूँ ।

जाह्नवी : पंछियों के खाने के लिए ?

लीना : पिता जी कहते हैं कि बारिश के दिनों में अनाज तलाशने के लिए पंछी दूर तक जा नहीं पाते । अनाज डालकर हमें उनकी सहायता करनी चाहिए ।

जाह्नवी : हाँ ! दादी जी भी गर्मी के दिनों में पंछियों के लिए मिट्टी के बरतन में पानी भरकर रखती हैं । अनेक पंछी हमारी छत पर पानी पीने आते हैं ।

लीना : हाँ जाह्नवी ! हमें पंछियों के लिए दाना-पानी उपलब्ध कराना चाहिए ।

जाह्नवी : सच है, पशु-पक्षी, पेड़ सब धरती माँ की संतान हैं । हमें सबका ध्यान रखना चाहिए और सबसे प्यार करना चाहिए ।

12

जो देखकर भी नहीं देखते

I1F7Y4

सोचिए-बोलिए

प्रश्न : 1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है ?

2. बालक क्या कर रहा है ?

3. बालक के बारे में दो वाक्य बताओ ?

विषय प्रवेश

जीवन में अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति और कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ती है । कई लोग ऐसे भी हैं जो शारीरिक अक्षमता के बावजूद संघर्ष और कठिन परिश्रम करके अपने लक्ष्य तक पहुँचे हैं । आत्मविश्वास से अपने जीवन को सफल बनाया । आइए,. इस पाठ में ऐसी ही एक महान लेखिका के बारे में जानेंगे ।

जो देखकर भी नहीं देखते

कभी-कभी मैं अपने मित्रों की परीक्षा लेती हूँ, यह जानने के लिए कि वे क्या देखते हैं ? हाल ही में मेरी एक प्रिय सहेली जंगल की सैर करके वापस लौटी। मैंने उनसे पूछा, "आपने क्या क्या देखा ?"

"कुछ खास तो नहीं," उनका जवाब था। मुझे बहुत अचरज नहीं हुआ। क्यों कि मैं अब इस तरह के उत्तरों की आदत हो चुकी हूँ। मेरा विश्वास है कि जिन लोगों की आँखें होती हैं, वे बहुत कम देखते हैं।

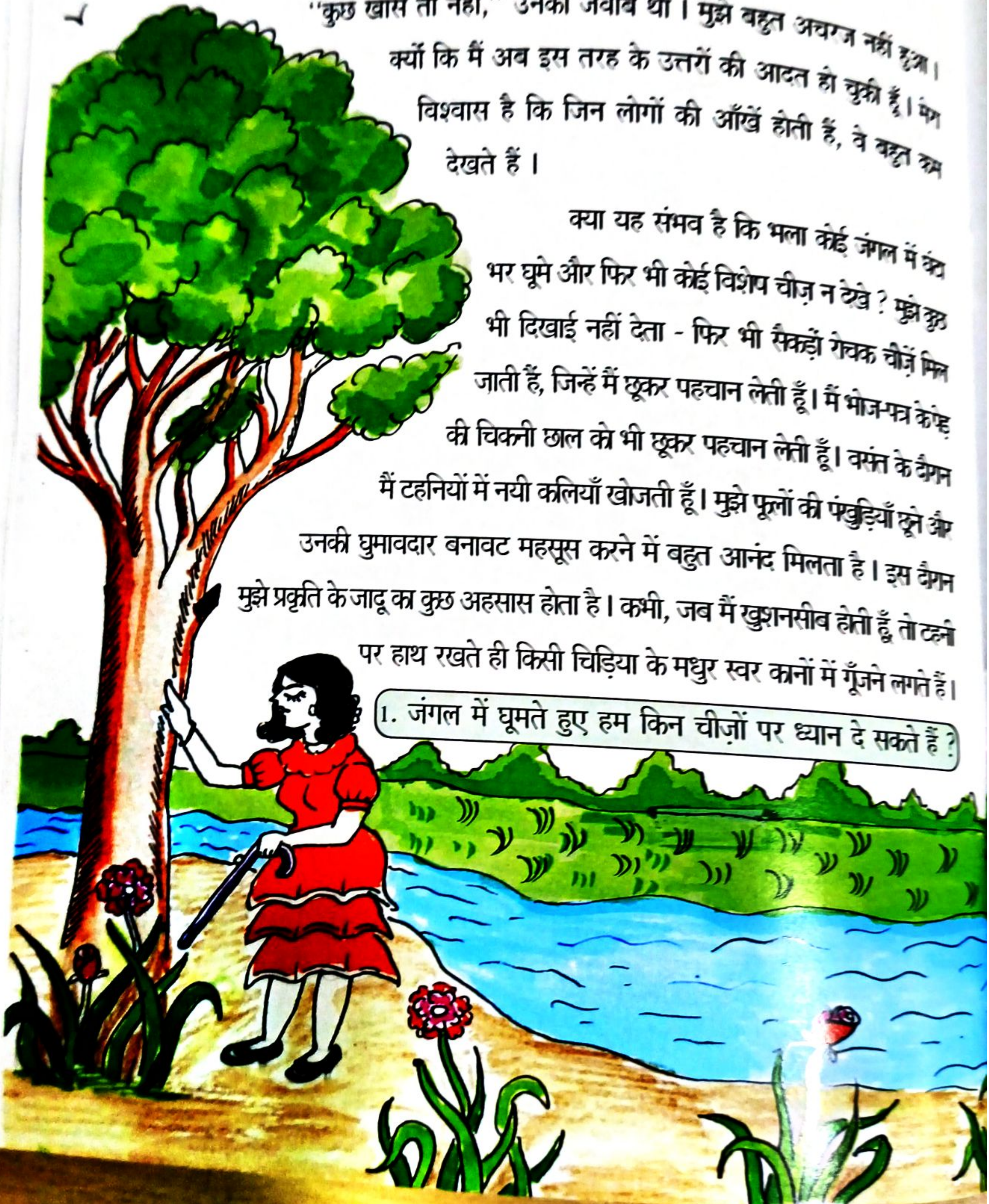

क्या यह संभव है कि भला कोई जंगल में घंटा भर घूमे और फिर भी कोई विशेष चीज़ न देखे ? मुझे कुछ भी दिखाई नहीं देता - फिर भी सैकड़ों रोचक चीज़ें मिल जाती हैं, जिन्हें मैं छूकर पहचान लेती हूँ। मैं भोज-पत्र के पेड़ की चिकनी छाल को भी छूकर पहचान लेती हूँ। वसंत के दौरान मैं टहनियों में नयी कलियाँ खोजती हूँ। मुझे फूलों की पंखुड़ियाँ छूने और उनकी घुमावदार बनावट महसूस करने में बहुत आनंद मिलता है। इस दौरान मुझे प्रकृति के जादू का कुछ अहसास होता है। कभी, जब मैं खुशनसीब होती हूँ, तो टहनी पर हाथ रखते ही किसी चिड़िया के मधुर स्वर कानों में गूँजने लगते हैं।

1. जंगल में घूमते हुए हम किन चीज़ों पर ध्यान दे सकते हैं ?

अपनी अंगुलियों के बीच झरने के पानी को बहते हुए महसूस कर मैं आनंदित हो उठती हूँ। मुझे चीड़ की फैली पत्तियाँ या घास का मैदान किसी भी महँगे कालीन से अधिक प्रिय है। बदलते हुए मौसम का सुंदर दृश्य मेरे जीवन में एक नया रंग और खुशियाँ भर जाता है। कभी-कभी मेरा दिल इन सब चीजों को देखने के लिए मचल उठता है। अगर मुझे इन चीज़ों को सिर्फ छूने भर से इतनी खुशी मिलती है, तो उनकी सुंदरता देखकर तो मेरा मन मुग्ध ही हो जाएगा।

परंतु, जिन लोगों की आँखें हैं, वे सचमुच बहुत कम देखते हैं। इस दुनिया के अलग-अलग सुंदर रंग उनकी संवेदना को नहीं छूते। मनुष्य अपनी क्षमताओं का कभी सम्मान नहीं करता। वह हमेशा उस चीज़ की आस लगाए रहता है, जो उसके पास नहीं है।

यह कितने दुख की बात है कि देखने की शक्ति को लोग एक साधारण-सी चीज़ समझते हैं, जबकि इस वरदान से जिंदगी को खुशियों के इंद्रधनुषी रंगों से हरा-भरा किया जा सकता है।

- हेलेन केलर

2. लेखिका ने अपनी विशेष क्षमता के बारे में क्या बताया ?
3. देखने की शक्ति के बारे में अपने शब्दों में बताइए।

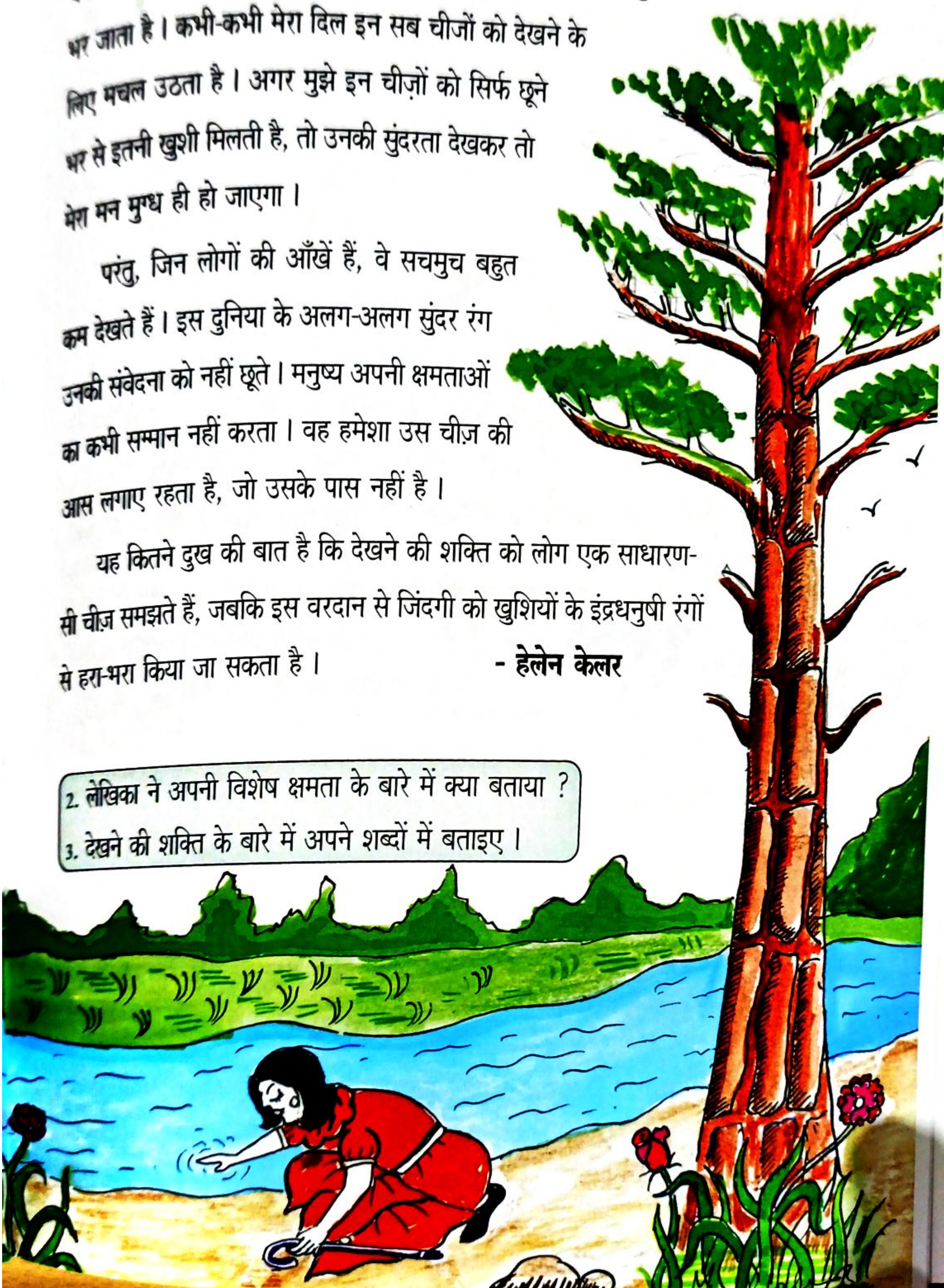

पाठ के मुख्य बिंदु

- लेखिका हेलेन केलर को कुछ भी दिखाई न देने पर भी छूकर वह कई चीज़ों को पहचान लेती है ।
- अपने हाथों से कलियों को, फूलों को, टहनियों को, झरने के पानी को छूकर आनंद का अनुभव करती है ।
- वह घास के मैदान को महँगे कालीन से अधिक प्रिय समझती है ।
- उसका विचार है कि जिन लोगों की आँखें होती हैं, वे बहुत कम देखते हैं ।
- वह कहती है कि सिर्फ इन चीज़ों को छूने से ही इतनी खुशी मिलती है, तो उनकी सुंदरता देखने से और कितनी खुशी मिलती होगी ।
- वह कहती है कि - मनुष्य अपनी क्षमताओं का सम्मान नहीं करता है ।
- वह मानती है कि दृष्टि के वरदान से हमें जिंदगी को रंगीन बनाना चाहिए ।

शब्दार्थ

खुशनसीब = అదృష్టవంతుడు, भाग्यवान, Lucky
सैर = విహారము, भ्रमण, Excursion
अचरज = ఆశ్చర్యము, आश्चर्य, Surprise
टहनी = రెమ్మ, डाली, Twig
छाल = బెరడు, छिलका, Bark
कालीन = తివాచీ, गलीचा, Carpet

सुनिए-बोलिए

B9W9V2

1. लेखिका की दृष्टि में वरदान क्या है ?
2. दिव्यांग लोगों की क्या-क्या आवश्यकताएँ होती हैं ?
3. हमें दिव्यांगों की सहायता क्यों करनी चाहिए ?

पढ़िए

अ) पाठ के आधार पर वाक्य पढ़कर कोष्ठक में 'हाँ' या 'नहीं' लिखिए ।

1. हेलेन केलर अपने मित्रों की परीक्षा लेती है । (हाँ)
2. भोजपत्र के पेड़ की छाल खुरदरी होती है । (   )
3. लेखिका वसंत के दौरान टहनियों में नयी कलियाँ खोजती है । (   )
4. लेखिका को कुछ भी दिखाई नहीं देता । (   )
5. मनुष्य अपनी क्षमताओं का सम्मान करता है । (   )

आ) वाक्य पढ़कर उचित शब्द से खाली जगह भरिए ।

1. मैंने उनसे पूछा, "आपने क्या-क्या ....!" (देखा / सुना)
2. मेरी एक प्रिय सहेली ....की सैर करके वापस लौटी । (बगीचा / जंगल)
3. अब इस तरह के उत्तरों की .... हो चुकी हूँ । (आदि / आदत)
4. मनुष्य अपनी क्षमताओं का कभी .... नहीं करता । (स्पर्श / सम्मान)
5. फिर भी सैकड़ों ....चीज़ें मिलती हैं । (रोचक / व्यर्थ)

इ) पाठ के आधार पर अधूरे वाक्यों को पूरा कीजिए ।

1. मुझे बहुत अचरज नहीं हुआ । क्यों कि ....
2. जंगल में घंटा भर घूमे ....
3. उनकी घुमावदार बनावट महसूस करने में ....
4. जबकि इस वरदान से जिंदगी को ....
5. अपनी अंगुलियों के बीच झरने के पानी को ....

ई) गद्यांश पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए ।

सुधा चंद्रन के माता-पिता चाहते थे कि उनकी पुत्री राष्ट्रीय ख्याति की नृत्यांगना बने । इसलिए चंद्रन दंपत्ति ने सुधा को पाँच वर्ष की अल्पायु में ही मुंबई के प्रसिद्ध नृत्य विद्यालय 'कला-सदन' में प्रवेश दिलवाया । सुधा की प्रतिभा देखकर सुप्रसिद्ध नृत्य शिक्षक श्री के. एस. रामास्वामी भागवतार ने उसे शिष्या के रूप में स्वीकार कर लिया । नृत्य के साथ-साथ अध्ययन में भी सुधा ने अपनी प्रतिभा दिखाई ।

1. सुधा चंद्रन के माता-पिता क्या चाहते थे ?
2. प्रसिद्ध नृत्य विद्यालय कला-सदन कहाँ है ?
3. सुधा चंद्रन को शिष्या के रूप में किसने स्वीकार किया ?
4. सुधा चंद्रन ने किन विषयों में अपनी प्रतिभा दिखाई ?
5. 'वर्ष' शब्द का पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

लिखिए

अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में लिखिए ।

1. लेखिका को क्या प्रिय लगते हैं ?
2. लेखिका क्या छूकर आनंद पाती है ?
3. इस पाठ से हमें क्या संदेश मिलता है ?

आ) 'जो देखकर भी नहीं देखते' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

भाषांश

अ) नीचे दिये गये शब्दों के पर्यायवाची शब्द डिब्बे में से चुनकर लिखिए ।

विशेष, सामर्थ्य, जनता, यकीन, प्रजा, प्रिय, मनोरंजक, योग्यता असाधारण, भरोसा

1. खास - विशेष , असाधारण
2. विश्वास - ...., ...
3. क्षमता - ...., ...
4. रोचक - ...., ...
5. लोग - ...., ...

आ) रेखांकित शब्द का विलोम शब्द वाक्य में पहचानकर लिखिए ।

1. मैं <u>हमेशा</u> सब्जी खाता हूँ, <u>कभी-कभी</u> अंडा खाता हूँ । हमेशा × कभी-कभी
2. आम का पेड़ <u>हरा-भरा</u> है, पर नीम का पेड़ सूखा है । ....×...........
3. कभी-कभी <u>साधारण</u> व्यक्ति असाधारण प्रतिभा दिखाते हैं । ....×...........
4. मैं <u>आशा</u> करता हूँ कि तुम निराशा को दूर भगाओगे । ....×...........
5. बाजार में केले कभी <u>महँगे</u> और कभी सस्ते बिकते हैं । ....×...........

इ) पाठ में आये शब्दों को वर्ग पहेली में ढूँढ़कर लिखिए ।

व	सं	त	ही	म
आ	ए	इ	पे	ड़
न	का	ली	न	क
दा	ब	ना	व	ट
मैं	मौ	स	म	छा

उदा : वसंत

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....

ई) बेमेल शब्द पर गोला '◯' लगाइए ।

1.	आँख	कान	घड़ा	नाक
2.	टहनी	कली	फूल	जंगल
3.	वसंत	प्रकृति	ग्रीष्म	हेमंत
4.	सुंदरता	खुशी	आनंद	संतोष
5.	नीला	हरा	भरा	पीला

उ) तालिका में दी गयी संख्या-शब्दों को समझिए और लिखिए ।

एक हजार दो हजार	आठ सौ नौ सौ	इक्कीस बाईस तेईस चौबीस पच्चीस

सृजनात्मकता

अ) पाठ में किन्हीं पाँच शब्दों को चुनिए, उन्हें अपनी मातृभाषा में क्या कहते हैं ? लिखिए ।

परियोजना कार्य

विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा दिखानेवाले विभिन्न प्रतिभाशालियों की सूची बनाइए । कक्षा में किसी एक के बारे में चर्चा कीजिए ।

व्याकरणांश

मूल शब्द	प्रत्यय / परसर्ग	नया शब्द
घुमाव	दार	घमावदार
बन	आवट	बनावट
आनंद	इत	आनंदित
खुश	ई	खुशी
सुंदर	ता	सुंदरता

ऊपर दी गयी तालिका में **दार, आवट, इत, ई** और **ता** जैसे शब्दांश किसी शब्द के अंत में लगकर उनके अर्थ में परिवर्तन करते हैं, ऐसे शब्दांश 'प्रत्यय' या 'परसर्ग' कहलाते हैं।

अ) रेखांकित शब्दों में प्रत्यय / परसर्ग पहचानिए ।

1. स्वच्छता का संदेश, देने आया कूड़ेदान ।
2. तू हवा सा गतिमान है ।
3. वह पढ़ाई में तेज थी ।
4. पत्थर आसानी से निकल नहीं रहा था ।
5. बड़े भैया बाल-बच्चेवाले हैं ।

क्या आप जानते हैं ?

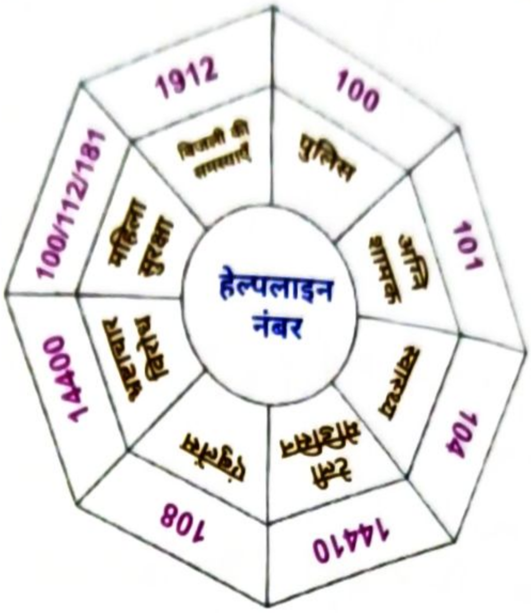

सीखी हुई बातें :-

1. पाठ में मुझे अच्छे लगे विषय..
2. पाठ से सीखा हुआ मूल्य ....
3. पाठ से सीखे गये नये शब्द ....
4. सृजनात्मकता के आधार पर सीखा गया विषय ....

अध्यापकों के लिए सूचनाः

छात्रों में अक्षम बच्चों के प्रति सहानुभूति बढ़ाने के लिए किसी एक प्रेरणादायक व्यक्ति का परिचय दीजिए ।

मनुष्य अपनी दुर्बलता से भली-भांति परिचित रहता है, परंतु उसे अपने बल से भी अवगत होना चाहिए ।

- जयशंकर प्रसाद

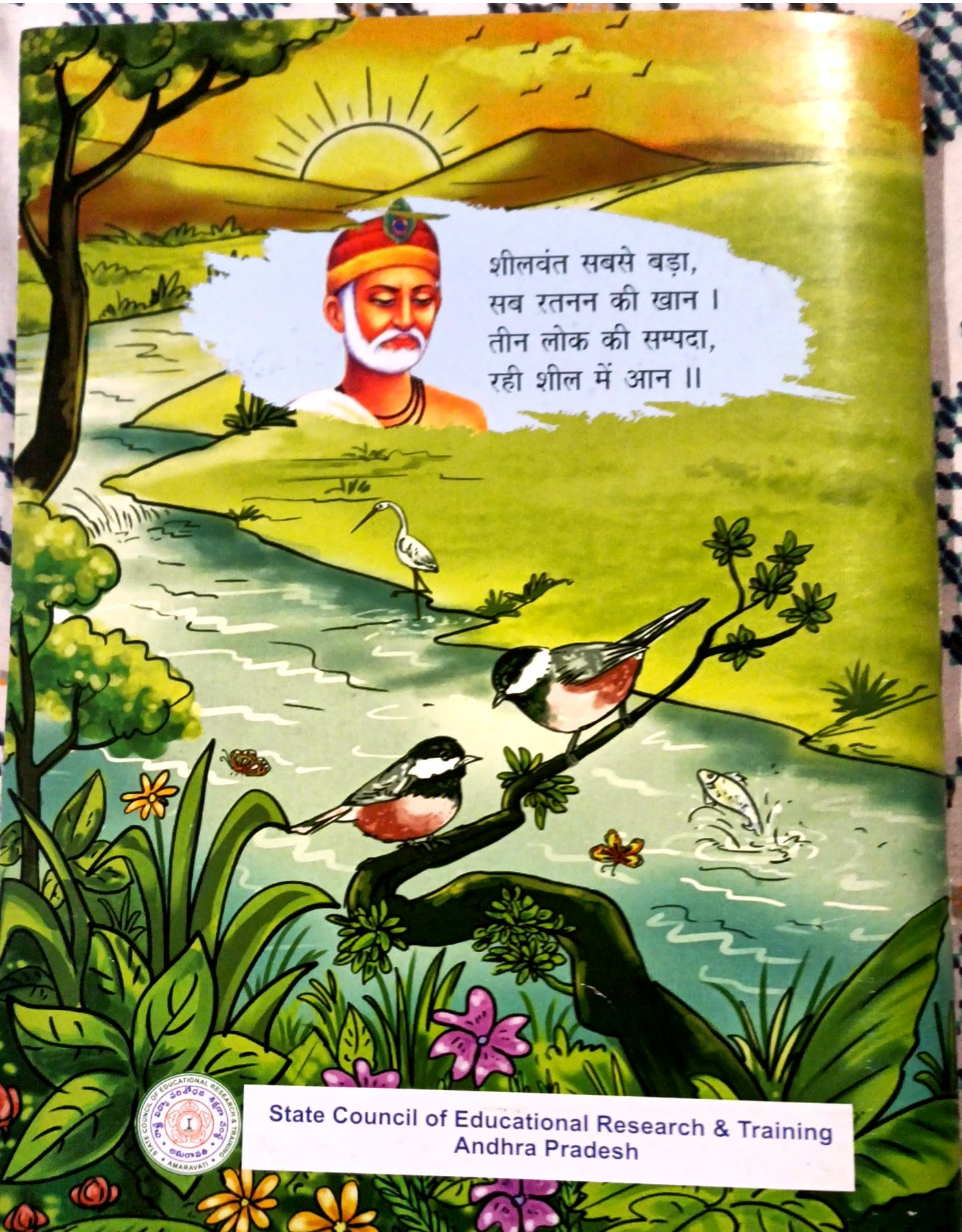
शीलवंत सबसे बड़ा,
सब रतनन की खान ।
तीन लोक की सम्पदा,
रही शील में आन ।।
State Council of Educational Research & Training
Andhra Pradesh